* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

10 जनवरी, 2023
माघ, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 08, अंक 83

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को चुनौती देने के लिए ग्रामीणों को हथियार चलाना सिखायेगी सीआरपीएफ

जैन तीर्थ क्षेत्र घोषित करने के विरोध में संथाल समाज आज करेगा रैली

गिरिडीह (आजाद सिपाही संवाददाता)। मधुबन में 10 जनवरी को प्रस्तावित जनसभा व रैली के लिए सिदो-कान्हु विद्यालय चिरकी में बैठक हुई। मरांग बुरु सांवता सुसार बैसी के बैनर तले आयोजित इस बैठक में कार्यक्रम का प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कहा गया कि पारसनाथ पहाड़ संथाल समाज का मरांगबुरु है। यह इस समाज का विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल है।

जबरन धर्म परिवर्तन बहुत गंभीर मुद्दा इसे राजनीतिक रंग न दें : सुप्रीम कोर्ट

- याचिका पर अगली सुनवाई 7 फरवरी को

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे को गंभीर बताया। कोर्ट ने कहा कि इसे राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। याचिका पर अगली सुनवाई अब 7 फरवरी को होगी।

सरकार द्वारा ठोस कदम उठाने की मांग : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें फर्जी धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्यों को कड़े कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गयी है। यह भी कहा गया है कि जबरन धर्मांतरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है और नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर अतिक्रमण कर सकता है। उन्होंने याचिका में दावा किया कि एक भी जिला ऐसा नहीं है जो धर्म परिवर्तन से मुक्त हो। जबरन धर्मांतरण एक राष्ट्रव्यापी समस्या है, जिससे तत्काल निपटने की जरूरत है।

आदिवासी इलाकों में ज्यादा होते हैं ऐसे मामले : इससे पहले सुनवाई के दौरान केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के ऐसे मामले आदिवासी इलाकों में ज्यादा देखे जाते हैं। इस पर कोर्ट ने उनसे पूछा कि अगर ऐसा है तो सरकार क्या कर रही है। इसके बाद कोर्ट ने केंद्र से कहा कि इस मामले में क्या कदम उठाए जाने हैं, उन्हें साफ करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान के तहत धर्मांतरण कानूनी है, लेकिन जबरन धर्मांतरण कानूनी नहीं है।

सतगावां के कोठियार में सौ से अधिक हिंदुओं को बनाया ईसाई

- कोडरमा जिले में बड़े पैमाने पर हो रहा धर्मांतरण का खेल

संजीव

प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जा रहा : कृष्णा सिंह

घटवार समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष और जदयू के जिलाध्यक्ष कृष्णा सिंह घटवार एवं जिला अध्यक्ष रीतलाल सिंह ने बताया कि यह सब लोभ देकर हो रहा है। जंगली इलाके में बसे समाज के लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण करने का यह खेल चार-पांच साल से चल रहा है।

कोडरमा। सतगावां प्रखंड के कोठियार गांव में एक सौ से अधिक लोगों को ईसाई बना दिया गया। कोठियार पंचायत के गरडीह टोला में लालच देकर हिंदुओं का धर्मांतरण कराया गया है। रविवार को 25 परिवारों के 100 से अधिक सदस्यों ने हिंदू धर्म छोड़ कर ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया।

जानकारी के अनुसार जिले के कई जगहों पर प्रार्थना का कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को चल रहा है। शुरुआती दौर में यह लोग सत्संग भजन के नाम पर सबसे पहले अनपढ़ औरतों को अपना शिकार बनाते हैं। धीरे-धीरे इन पर विश्वास जमा कर इनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है।

कोठियार गांव के इन लोगों का कहना है कि सरकार एवं समाज ने उनकी कोई सुध नहीं ली, इसलिए उन्होंने ईसाई धर्म कबूल किया। ईसाई धर्म स्वीकार करने वाले गांव के बासुदेव राय, राजकुमार सिंह, देवंती देवी, बच्चू राय, उपेंद्र राय, जानकी राय ने बताया कि वे घटवार जाति से आते हैं। सरकार और समाज ने कभी उनकी सुध नहीं ली। ईसाई धर्म अपनाने पर उन्हें कई प्रकार के लाभ देने का आश्वासन दिया गया। शादी-विवाह में मदद का आश्वासन मिला। यह भी कहा गया है कि गरीबी-बेरोजगारी दूर की जायेगा। बीमार पड़ने पर निःशुल्क इलाज होगा। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में कई अन्य लोग भी इसाई धर्म स्वीकार करने वाले हैं।

पटना से आते हैं ईसाई प्रचारक

बताया जाता है कि पटना से आये ईसाई प्रचारकों ने धर्मांतरण के इस कार्य को अंजाम दिया है। कई लोगों के इसाई धर्म स्वीकार करने की सूचना के बाद आरएसएस समेत कई संगठनों ने यहां पहुंच कर इन लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे भी असफल रहे। इस बाबत भाजपा नेता बालमुकुंद सिंह ने बताया कि पिछले छह साल से ईसाई धर्म के लोग प्रत्येक गुरुवार को यहां आते हैं। वहीं मुखिया वीरेंद्र कुमार का कहना था कि पिछले वर्ष पटना से ईसाई धर्म प्रचारक आये थे। काफी समय तक यहां रहे और उन्हीं के लालच पर इन लोगों ने ईसाई धर्म अपनाया है। अब इन्हें वापस हिंदू धर्म में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

आइआरबी-9 के पारण परेड समारोह में सीएम हुए शामिल

बेहतर दिशा देने के लिए व्यवस्था बनाना जरूरी है : हेमंत सोरेन

- 182 महिला समेत 552 प्रशिक्षु आरक्षियों ने ईमानदारी, निष्ठा, हर्ष और नम्रता के साथ कर्तव्य निर्वहन करने की ली शपथ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य को बेहतर दिशा देने के लिए बेहतर व्यवस्था देनी होगी। हमारा प्रयास व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। जिससे आपके कर्त्तव्य पथ पर आपको व्यवस्था से किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री सोनवार को जैप-3 परेड ग्राउंड, गोविंदपुर, धनबाद में आइआरबी-9 के पारण परेड समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षु जवानों के आकर्षक मार्च पास्ट का निरीक्षण किया और सलामी ली। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने शहीद स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर अमर जवानों को नमन किया और सरना स्थल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कर्तव्य पथ पर चलने को हैं तैयार : मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु जवानों से कहा कि आपने बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। अब आप कर्तव्य पथ पर चलने को तैयार हैं। सरकार के अभिन्न अंग के रूप में आपको अहम जिम्मेदारी निभानी है। ऐसे में आपने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वह आपके आत्म बल और जिम्मेदारियों तथा कार्यों के प्रति जवाबदेह बनाते हुए आने वाले समय में चुनौतियों से निपटने में आपको सक्षम बनायेगी। उन्होंने कहा कि आपने प्रशिक्षण में जो हासिल किया है, कर्त्तव्य जीवन में प्रवेश करने के उपरांत उससे अलग और हटकर भी कई चुनौतियां आपके सामने आयेंगी। विशेष कर आप जिस क्षेत्र से जुड़ने जा रहे हैं, वहां चुनौतियों के साथ काफी जोखिम भी है। ऐसे में इन चुनौतियों और जोखिमों से निपटने में आपका बुद्धि विवेक और प्रशिक्षण काफी मायने रखेगा।

महिला सशक्तिकरण की कड़ी में मजबूत पहल : मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल के साथ अन्य क्षेत्रों में भी में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिलाएं अब पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। इसे हम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत पहल के रूप में देखते हैं और यह राज्य और देश के लिए सुखद संदेश है।

आधारभूत संरचना और सुविधाएं उपलब्ध करायेंगे: मुख्यमंत्री ने कहा कि मुसाबनी, लेस्लीगंज, बोकारो और गोविंदपुर स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षु जवानों के पारण परेड समारोह में मुझे शामिल होने का मौका मिला। यह मेरे लिए यह काफी खुशी की बात है और खुशी इस बात को लेकर ज्यादा है कि यहां सफलतापूर्वक बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कूल 2445 जवानों में 813 महिलाएं हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि जिन -जिन प्रशिक्षण केंद्रों में मुझे जाने का मौका मिला है, वहां आधारभूत संरचना और मूलभूत सुविधाएं नहीं होने की जानकारी मिली। अगले दो वर्षों के अंदर सभी पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों का व्यापक जीर्णोद्धार किया जायेगा।

552 आरक्षियों ने प्राप्त किया है बुनियादी प्रशिक्षण : झारखंड सशस्त्र पुलिस- 3 (जैप) प्रशिक्षण केंद्र में इंडिया रिजर्व बटालियन-9 (आइआरबी), गिरिडीह के 512 आरक्षियों ने 215 दिनों का बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। इनमें 182 महिला आरक्षी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने समारोह में श्रेष्ठ प्रशिक्षक के रूप में हवलदार प्रणेन्द्र कुमार सिंह, बेस्ट कैडेट (महिला) प्रतिमा सिंह और बेस्ट कैडेट (पुरुष) रामकुमार बेदिया को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, पुलिस महानिदेशक नीरज सिन्हा, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, एडीजीपी प्रशांत सिंह, उपायुक्त धनबाद संदीप सिंह, डीआईजी जैप सुनील भास्कर, वरीय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह अमित रेणु, पुलिस अधीक्षक धनबाद आर रमेशन, समादेष्टा जैप-3 प्रियदर्शी आलोक और अन्य पुलिस पदाधिकारी, आइआरबी-9 के प्रशिक्षु आरक्षी एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

निवर्तमान डिप्टी मेयर एकलव्य सिंह पर गोली मारने का आरोप

जनता मजदूर संघ के नेता के पुत्र को मारी गोली, सोनू की स्थिति गंभीर, दुर्गापुर रेफर

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछले कई दिनों से मिल रही थी जान से मारने की धमकी : सोनू की मां

गोलीकांड में घायल सोनू की मां ने कहा कि उसका बेटा कोयला का काम करता था पिछले कई दिनों से उसे जान से मारने की धमकी मिल रही थी। उन्होंने कहा कि घटना वाली शाम को निवर्तमान डिप्टी मेयर एकलव्य सिंह तिसरा क्षेत्र में अपने समर्थकों के साथ घूम रहे थे। उन्हें पता था कि सोनू आज गाड़ी निकलवाने वाला है। इसकी भनक सोनू को भी लग गयी थी, पर थाना पहुंचने से पहले ही उस पर इन लोगों ने हमला कर दिया। उन्होंने सिसकते हुए कहा कि इस कोयले के काम को लेकर ऐसे कई सोनू अपनी जान गंवा बैठे हैं।

धनबाद। रविवार की देर रात धनबाद के तिसरा थाना क्षेत्र में भाजपा सह जनता मजदूर संघ (जमसं) के नेता दिनेश सिंह के पुत्र सोनू पर गोली चलने की घटना ने कोयलांचल को दहला दिया है। सोमवार की सुबह भाजपा सह जनता मजदूर संघ (कुंती गुट) की नेत्री रागिनी सिंह दुर्गापुर हेल्थ वर्ल्ड अस्पताल में गंभीर अवस्था मे इलाजरत सोनू सिंह से मिलने पहुंची एवं चिकित्सकों से सोनू का हाल जाना। इसके बाद रागिनी सोनू के परिजनों से मिलने उसके आवास पहुंची व परिजनों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें ढांढस भी बंधाया।

भाजपा नेत्री रागिनी ने कहा - सत्ता के दबाव में बौना बन बैठा है प्रशासन : पत्रकारों से बात करते हुए रागिनी सिंह ने पुलिस, सरकार और अपने प्रतिद्वंदियों जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर मनबढ़ुओं द्वारा सरेआम गोली चला कर इतनी बड़ी घटना को अंजाम दे दिया जाता है और पुलिस हाथ पर हाथ धर बैठी रहती है। उन्होंने आगे कहा कि सत्ता के दबाव में पुलिस बौना बन बैठी है। राजनीतिक क्षेत्र के अपने सबसे बड़े विरोधी रघुकुल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब तक कि रघुकुल में दो जगह पर रंगदारी नहीं पहुंचाया जाता है, तब कोई भी चैन से नहीं बैठ सकता है।

क्या है पूरा मामला : रविवार की देर रात झरिया के तीसरा थाना क्षेत्र के थाना मोड़ के समीप बालियापुर-झरिया मुख्यमार्ग पर जमंस कुंती गुट के नेता दिनेश सिंह के बेटे सोनू सिंह पर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद आनन फानन में सोनू के सहयोगियों ने उन्हें उठा कर जिले एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गये, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए दुगार्पुर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि सोनू को दो गोली लगी है एक नाक में जबकि दूसरी हाथ में। फिलहाल हाथ की गोली धनबाद में ही निकाल दी गयी थी। वहीं घटना की सूचना मिलते ही जनता मजदूर संघ (कुंती गुट) के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम उर्फ मनीष सिंह अस्पताल पहुंचे व मामले की जानकारी ली।

इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन में शामिल हुए प्रधानमंत्री

भारत स्किल कैपिटल, दुनिया के विकास का इंजन बन सकता : मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन में शामिल हुए। मोदी ने कहा कि आज दुनिया भारत की सुनती है। भारत में स्किल कैपिटल बनने का सामर्थ्य है, यह दुनिया के विकास का इंजन बन सकता है। भारत के पास सक्षम युवाओं की बड़ी तादाद है। हमारे युवाओं के पास स्किल भी है, वैल्यूज भी हैं। काम करने के लिए जरूरी जज्बा और ईमानदारी भी है। प्रधानमंत्री ने इंदौर की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि इंदौर दुनिया में लाजवाब है। लोग कहते हैं कि इंदौर एक शहर है, लेकिन मैं कहता हूं कि इंदौर एक दौर है, जो समय से आगे चलता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल भारत दुनिया के जी-20 समूह की अध्यक्षता भी कर रहा है। भारत इस जिम्मेदारी को एक बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। हमारे लिए यह दुनिया को भारत के बारे में बताने का अवसर है। हमें जी-20 को केवल एक डिप्लोमैटिक इवेंट नहीं, बल्कि जन भागीदारी का आयोजन बनाना है। प्रवासी भारतीयों को सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली, विदेश मंत्री एस जयशंकर और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी संबोधित किया। मोदी ने प्रवासी भारतीयों को समर्पित डाक टिकट का विमोचन किया। सम्मेलन में करीब 70 देशों से आये 3200 प्रवासी भारतीय शिरकत कर रहे हैं।

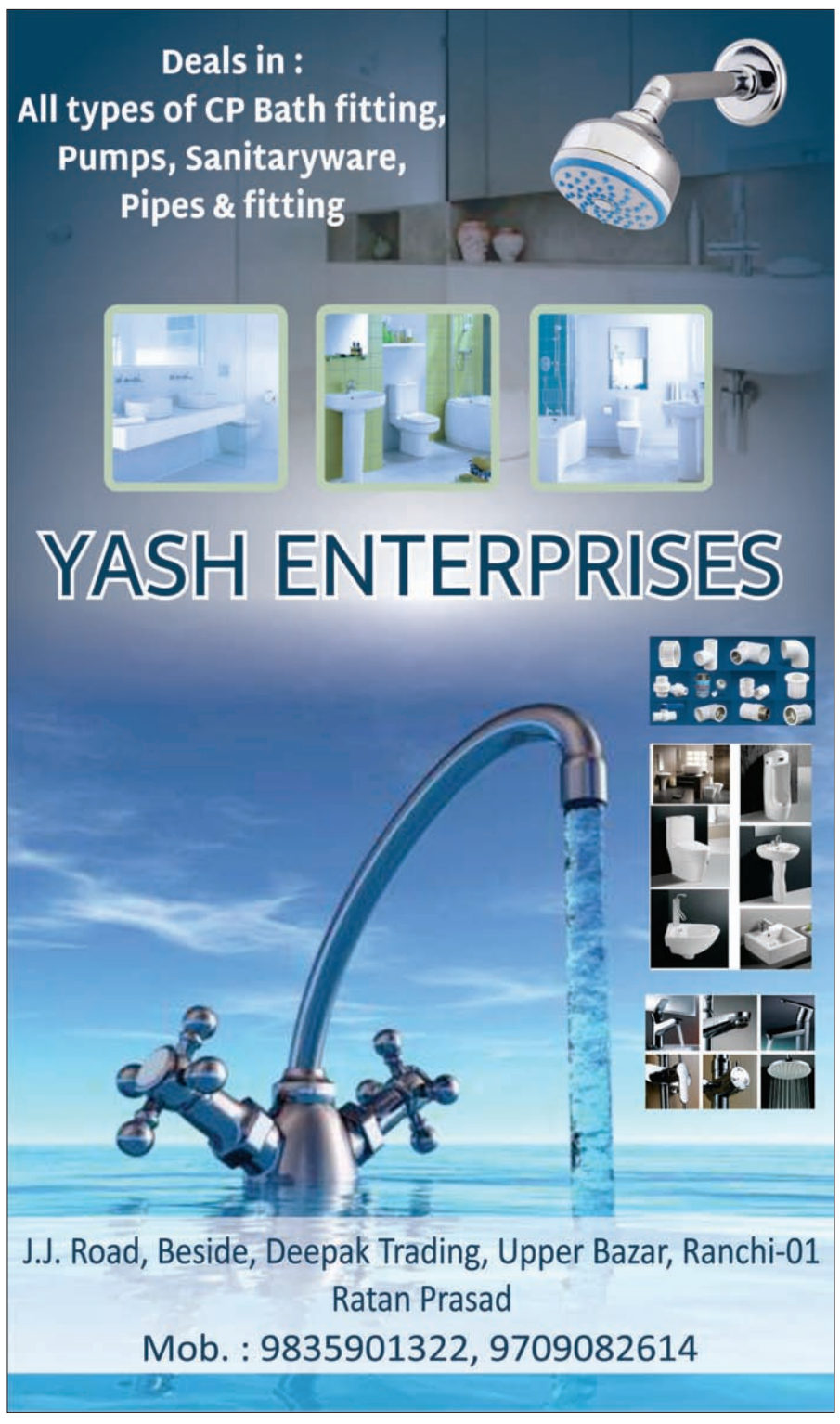

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 52,900 रु./10 ग्राम
चांदी 74,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in

पुण्यतिथि पर विशेष : कहानी जस्टिस लाल पिंगला नाथ शाहदेव की

संघर्ष से उनकी दोस्ती, संघर्ष ही उनका हथियार, संघर्ष ही उनका जीवन और संघर्ष ही उनकी कहानी

- कहानी झारखंड के पहले भूमिपुत्र की, जिन्हें हाइकोर्ट का न्यायाधीश बनने का गौरव प्राप्त हुआ
- कैसे लातेहार के एक बीहड़ गांव में पैदा हुआ बच्चा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तक का सफर तय करता है
- जिस स्कूल में कभी खुद बोरा लेकर पढ़ने जाते थे, आज वही स्कूल उनके नाम से जाना जाता है
- कहानी झारखंड आंदोलन की रीढ़ कहे जाने वाले अग्रणी पंक्ति के योद्धा जस्टिस एलपीएन शाहदेव की

जस्टिस एलपीएन शाहदेव, ऐसा नाम जो झारखंड ही नहीं, पूरे देश में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। झारखंड का पहला भूमि पुत्र, जिसे उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने का गौरव प्राप्त हुआ था। कभी बोरा लेकर स्कूल जानेवाला बच्चा, कैसे जज की कुर्सी तक पहुंचता है। गरीबी की मैल कपड़ों से झलकती थी, लेकिन पढ़ाई के प्रति जूनून की चमक ने उन्हें रोशन कर दिया। पढ़ा, खूब पढ़ा। संघर्ष से उनकी दोस्ती थी, संघर्ष ही उनका हथियार, संघर्ष ही उनका जीवन था और संघर्ष ही उनकी कहानी। जस्टिस एलपीएन शाहदेव की कहानी जितनी रोमांचक है, उतनी ही प्रेरक भी। आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह ने व्यापक शोध के बाद यह कहानी लिखी है।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

न्यायमूर्ति लाल पिंगला नाथ शाहदेव, यानी जस्टिस एलपीएन शाहदेव, झारखंड के पहले भूमि पुत्र, जिन्हें उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने का गौरव प्राप्त हुआ था। एक ऐसा नाम, जिन्होंने अलग झारखंड राज्य के आंदोलन को मजबूती प्रदान की। नयी धार दी। झारखंड आंदोलन के प्रणेता जस्टिस लाल पिंगला नाथ शाहदेव का जन्म तीन जनवरी 1930 को लातेहार जिला के चंदवा प्रखंड के बीहड़ जंगल के रोल गांव में हुआ था। न्यायमूर्ति एलपीएन शाहदेव राज परिवार से ताल्लुक रखते थे, लेकिन समय के साथ-साथ परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि संघर्षों के महाजाल में जिंदगी कठिन बनती चली गयी। शायद संघर्ष से उनकी काफी अच्छी दोस्ती थी और संघर्ष भी उनका खूब ख्याल रखता, इसीलिए उनका शुरूआती सफर भी बहुत ही संघर्षों भरा रहा। जब उन्होंने पढ़ाई शुरू की, तब लोगों ने कहा कि राजा के बेटे को पढ़ने की क्या जरूरत। अब यह एक अलग ही सामाजिक संघर्ष था। लेकिन श्री शाहदेव को उनके पिता ने पढ़ाना शुरू किया। उन्हें बखूबी पता था कि ज्ञान से बड़ा खजाना और कुछ नहीं। वह अपने बेटे को इस खजाने से वंचित नहीं रखना चाहते थे। भले राजपाट और जमींदारी चली गयी थी, लेकिन उस परिवार ने कभी भी बुलंदियों को भी अपने माथे से नहीं लगाया। कहते हैं, संस्कार जीवन का वह अमूल्य रत्न है, जिसे न खरीदा जा सकता है और न बेचा। उसे सिर्फ तराशा जा सकता है। वही संस्कार रूपी रत्न बाल शाहदेव के पिता ने उनके अंदर जड़ा। यह बाल शाहदेव के मस्तिष्क में आने ही नहीं दिया कि वह राज परिवार का सपूत है। पढ़ो और खूब पढ़ो, इसी मंत्र से उन्होंने बाल शाहदेव का पालन पोषण किया। श्री शाहदेव में संस्कार कूट-कूट कर भरा था। वह शुरू से ही आदर्श पथ पर चलते थे।

उठाया बोरा और सरकारी स्कूल में बैठ गये पढ़ने

उनकी प्रारंभिक शिक्षा लातेहार जिला के बीहड़ जंगलों के आसपास के इलाके में ही हुई। वह जंगल जितना घना था, उतना ही अनोखा था। उस जंगल के घनत्व में कुछ तो बात रही होगी, जिसने श्री शाहदेव के रगों में संघर्षों से लड़ने की शक्ति भर दी। उन्हें पढ़ना था। खूब पढ़ना था। फिर क्या था, बाल शाहदेव ने खुद का बोरा उठाया और जमीन पर बिछा कर सरकारी स्कूल में पढ़ाई शुरू की। कक्षा पांच तक वह उसी सरकारी स्कूल में पढ़े। पढ़ने की ललक इतनी कि बीहड़ से निकल पहुंच गये रांची के रातू रोड। काका का घर था और श्री शाहदेव वहीं रह कर पढ़ने लगे। उन्होंने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई बालकृष्णा स्कूल से पूरी की। उसके बाद उन्होंने रांची कॉलेज से अपनी इंटर और ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। उनदिनों राज परिवार के लोग अपनी संपत्ति एशो-आराम के लिए बेचा करते थे, लेकिन श्री शाहदेव के हिस्से जो संपत्ति आयी थी, उन्होंने उसे अपने पढ़ाई में लगा दी। शुरू से ही संघर्ष पथ पर चलने वाले श्री शाहदेव की जिंदगी में संघर्ष कम नहीं था कि अब नित दिन और नये-नये संघर्षों से उनका सामना होता गया। अब जब दोस्ती ही संघर्ष से कर ली थी, तो सामना तो होता रहेगा। अपने काका के यहां रह कर जब वह पढ़ा करते थे, उस दौरान वहां काफी संख्या में और भी बच्चे रह कर पढ़ा करते थे। पढ़ाई में फोकस बहुत जरूरी होता है। यह वही समझ सकता है, जो पढ़ता है। लेकिन अपने फोकस से श्री शाहदेव डिगे नहीं। मन लगा कर बस पढ़ते रहे। कभी राज परिवार के सपूत रहे श्री शाहदेव के पिता की जमींदारी छिन जाने से आर्थिक तंगी और संघर्ष जिंदगी का एक हिस्सा बन गया। इस संघर्ष का चरम यह रहा कि उन्हें कई बार मैले कपड़े पहन कर भी स्कूल जाना पड़ता था, लेकिन पढ़ाई का जूनून इस कदर था कि वह डिगे नहीं। उन्हें उनके कपड़ों में कभी मैल दिखा ही नहीं। सिर्फ पढ़ना था उन्हें।

कानून पढ़ने पहुंचे पटना, मिंटू लॉज और लोटा की कहानी भी बड़ी रोचक

श्री शाहदेव कानून पढ़ना चाहते थे। उस वक्त रांची में कानून की पढ़ाई नहीं होती थी। फिर क्या था, उन्होंने बैग पैक किया और पटना निकल गये। यहां उनकी मुलाकात एक और नये संघर्ष से हुई। बेस्ट फ्रेंड था संघर्ष। साथ नहीं छोड़ता था। यहां संघर्ष का नाम था मिंटू लॉज। श्री शाहदेव मिंटू लॉज में रहने लगे। मिंटू लॉज की भी अलग कहानी थी। वहां पर 50 बच्चों के लिए एक टॉयलेट हुआ करता था। सुबह-सुबह लोटा ले कर लाइन में लगना पड़ता था। सभी को अपने-अपने लोटे की पहचान भी होती थी। आप समझ सकते हैं कि यह तमाम संघर्षों से भी बड़ा संघर्ष था कि आप सुबह-सुबह एक-दो घंटे लोटा लेकर लाइन में खड़े रहिये। एक राज परिवार का खून हाथ में लोटा लिये टॉयलेट के पास खड़ा हो और अपना नंबर आने का इंतजार कर रहा हो। खैर अगर इंसान जुनूनी है, तो ये सारी तकलीफें मामूली बन जाती हैं। मिंटू लॉज में रहकर और अनेकों कठिनाइयां सहकर उन्होंने पटना लॉ कॉलेज से लॉ की पढ़ाई पूरी की।

न्यायिक सेवा में एंट्री और प्रभा शाहदेव का आगमन

श्री शाहदेव का जन्म एक अहम कार्य के लिए हुआ था और उस कार्य को करने वह निकल पड़े थे। साल था 1958, जब एलपीएन शाहदेव ने न्यायिक सेवा में एंट्री मारी। उनकी नियुक्ति मुंसिफ मजिस्ट्रेट के रूप में हुई। उन्हें पूरे बिहार में सातवां स्थान प्राप्त हुआ था। जब मेडिकल हुआ, तब इन्हे ब्लड-प्रेशर की शिकायत हो गयी। ब्लड-प्रेशर के कारण मेडिकल बोर्ड ने इन्हें रिजेक्ट कर दिया। फिर श्री शाहदेव ने हाइकोर्ट में अपील की। इस बीच उन्होंने डॉक्टर से संपर्क भी किया। इनका बीपी भी कंट्रोल हो गया था। हाइकोर्ट ने कहा कि अगर दवा से बीपी कंट्रोल हो रहा है, तो इन्हे थोड़े मिलिट्री सर्विस में जाना है। फिर से बीपी जांचा गया। बीपी नॉर्मल था। करीब नौ महीने के संघर्ष के बाद श्री शाहदेव को नौकरी में रखा गया। साल 1960 में श्री शाहदेव की शादी प्रभा शाहदेव से हो गयी। प्रभा शाहदेव तत्कालीन डीएसपी शिव प्रसाद सिंह की पुत्री थीं। जैसे ही श्री शाहदेव के जीवन में प्रभा शाहदेव का आगमन हुआ, मानो श्री शाहदेव का भाग्योदय हो गया। प्रभा शाहदेव एमए पास थीं। वह आसानी से लेक्चरर बन सकती थीं, लेकिन उन्होंने परिवार को संभालना ज्यादा उचित समझा। वह जीवन भर जस्टिस एलपीएन शाहदेव की सबसे मजबूत स्तंभ बन कर रहीं। दोनों के पांच बच्चे हुए। चार लड़की और एक लड़का। सबसे बड़ी पुत्री संगीता देव, उसके बाद कृति देव, बबिता देव, शिल्पी सिंहदेव और सबसे छोटे पुत्र प्रतुल शाहदेव। प्रतुल शाहदेव आज जानी-मानी राजनीतिक शख्सियत हैं। वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेता और प्रदेश प्रवक्ता हैं।

जब न्यायमूर्ति एलपीएन शाहदेव की पोस्टिंग धनबाद और गया में हुई

अपने कार्यकाल के दौरान श्री शाहदेव की पोस्टिंग कई जगहों पर हुई, लेकिन साल 1980 में न्यायमूर्ति शाहदेव धनबाद में डिस्ट्रिक्ट जज बने। वह गया में भी डिस्ट्रिक्ट जज रह चुके थे। ये दोनों जगहें उन दिनों बहुत ही कुख्यात थीं। धनबाद तो कोयला तस्करों के लिए पहले से ही कुख्यात था और गया था नक्सलवाद के लिए। न्यायमूर्ति शाहदेव की छवि बहुत ही कड़क जज की रही थी। वह निडर थे। उन्होंने बखूबी अपने कर्त्तव्य का निर्वहन किया।

कभी खुद का बोरा लिये स्कूल जाने वाला बच्चा आज हाइकोर्ट का जज था

साल 1986 के सितंबर में न्यायमूर्ति एलपीएन शाहदेव हाइकोर्ट के जज बने। एक मुंसिफ मजिस्ट्रेट से हाइकोर्ट के जज तक का सफर आसान नहीं था। उन दिनों यह कोई आम बात नहीं थी कि कोई मुंसिफ मजिस्ट्रेट से अपना सफर शुरू किया हो और सब जज, एडिशनल जज, डिस्ट्रिक्ट जज का रास्ता अख्तियार करते हुए हाइकोर्ट का जज बना हो। यह सिर्फ और सिर्फ न्यायमूर्ति शाहदेव का जुनून और काम के प्रति निष्ठा ही थी, जो कभी खुद का बोरा लिये स्कूल जाने वाला बच्चा आज हाइकोर्ट का जज था। उसके बाद उनका तबादला पटना हाइकोर्ट के रांची बेंच में हुआ। यहीं से वह 1992 में रिटायर भी हुए।

कूद पड़े अलग झारखंड राज्य के आंदोलन में

लेकिन यह रिटायरमेंट तो न्यायिक सेवा से हुआ था, असल में तो यहां से अब उनकी नयी शुरूआत होनेवाली थी। नयी शुरूआत, मतलब अब जिंदगी के सबसे बड़े संघर्ष से उनकी मुलाकात होनेवाली थी। अब जब उन्होंने यारी ही संघर्ष से कर ली थी, तो आराम तो उनके लिए हराम ही था। निकल पड़े अपने नये सफर की ओर, नये पड़ाव की ओर, एक नये संघर्ष की ओर। संघर्ष अलग राज्य का, संघर्ष झारखंड का। यहां बताना महत्वपूर्ण हो जाता है कि जस्टिस शाहदेव झारखंड के पहले भूमिपुत्र थे, जिन्हें उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने का गौरव प्राप्त हुआ था। जब न्यायमूर्ति शाहदेव सेवानिवृत्त हुए, तो वह बैठे नहीं। उन्होंने कलम उठा ली। अपने लेखों के जरिये, विचारों के जरिये कई सार्वजनिक मंचों और अखबारों से अलग झारखंड राज्य के लिए उन्होंने तपस्या शुरू की। उनके प्रयासों से सदानों का एक बड़ा वर्ग तथा राज्य के बुद्धिजीवी भी अलग राज्य के आंदोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगे। न्यायमूर्ति शाहदेव ने 1998-1999 के दौर में अलग राज्य के आंदोलन का नेतृत्व किया था। रिटायरमेंट के बाद वह खुल कर अलग राज्य के आंदोलन से जुड़ गये। इनका हरमू आवास आंदोलनकारियों और नेताओं का अड्डा हुआ करता था। यहां आंदोलन की रूपरेखा से लेकर स्वरूप तक पर व्यापक चर्चा होती थी।

केंद्र सरकार के सामने तन कर खड़े रहे

जब-जब केंद्र सरकार ने आंदोलन को संवैधानिक भूल-भुलैया में फंसाने की कोशिश की, तो न्यायमूर्ति शाहदेव कानून विशेषज्ञ के रूप में सामने आये। उसी वक्त सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति अस्तित्व में आयी थी। अलग राज्य के प्रबल समर्थक अलग राज्य के लिए मर-मिटने तक को तैयार थे।

जब लालू यादव ने कहा, झारखंड मेरी लाश पर बनेगा

इस घोषणा से बौखला कर लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि बिहार का बंटवारा उनकी लाश पर होगा। तारीख 21 सितंबर, साल 1998। बिहार विधानमंडल में झारखंड विधेयक पर वोटिंग होनी थी। बिहार विधानसभा में उत्तर और मध्य बिहार के विधायकों के बहुमत को देखते हुए यह निश्चित था कि झारखंड विधेयक विधानसभा में गिर जायेगा। सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति की संयोजक मंडली ने यह निर्णय लिया कि 21 सितंबर को ही झारखंड बंद का आयोजन हो। इसके पीछे तर्क था कि विधेयक तो विधानसभा में वोटिंग के दौरान गिर जायेगा, लेकिन अगर झारखंड बंद सफल रहा, तो केंद्र को यह स्पष्ट संदेश जरूर जायेगा कि अलग राज्य के मुद्दे पर झारखंड एकमत है। उन दिनों लालू यादव द्वारा यह दुष्प्रचार किया जा रहा था कि झारखंड की मांग सिर्फ मुट्ठी भर आदिवासियों की मांग है। लालू प्रसाद यादव ने बंद को विफल करने के लिए पूरी तैयारी की थी। पूरी रांची पुलिस छावनी में तब्दील हो चुकी थी, लेकिन झारखंड की जनता में भी लालू यादव के खिलाफ जबरदस्त उबाल था। ऐसा प्रतीत होता था कि दक्षिण बिहार उसी समय शेष बिहार से मानसिक रूप से अलग हो गया हो। राजनीतिक दलों के अतिरिक्त झारखंड क्षेत्र के लगभग सभी व्यावसायिक और सामाजिक संगठनों ने बंद का समर्थन किया था। कुछ ऐसा नजारा था कि जनता आगे और नेता पीछे हो गये।

जब न्यायमूर्ति एलपीएन शाहदेव की गिरफ्तारी से पूरे देश में हड़कंप मच गया

फिर 21 सितंबर का वह दिन भी आ गया। झारखंड में अभूतपूर्व बंद का आयोजन किया गया। न्यायमूर्ति शाहदेव की नेतृत्ववाली 16 राजनीतिक दलों की सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति अब कमर कस चुकी थी। पहले माटी और फिर पार्टी का नारा बुलंद हुआ। हजारों-हजार कार्यकर्ता सड़क पर उतर गये थे। कहीं कोई जोर-जबरदस्ती नहीं हुई। लोग खुद ही स्वेच्छा से बंद को सफल बनाने निकल पड़े। रेल आवागमन भी प्रभावित हुआ। बस, टेंपो और अन्य साधन भी ठप रहे। ऐसा प्रतीत हो रहा था, जैसे पूरा झारखंड एक होकर कह रहा हो कि अब हमें बिहार से मुक्ति दो। आंदोलन के क्रम में 21 सितंबर को झारखंड बंद के दौरान जुलूस का नेतृत्व करते हुए न्यायमूर्ति शाहदेव को पुलिस ने शहीद चौक के पास गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कोतवाली ले जाया गया। वहां उन्हें और उनके संग सैकड़ों कार्यकर्ताओं को घंटों रखा गया। न्यायमूर्ति शाहदेव की गिरफ्तारी से पूरे देश में हड़कंप मच गया था, क्योंकि पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था कि उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को आंदोलन के क्रम में गिरफ्तार किया गया हो। आंदोलन के इस दौर में न्यायमूर्ति शाहदेव ने एक नयी ऊर्जा का संचार किया था। सदानों का एक बड़ा वर्ग, जो इस आंदोलन को शंका से देखता था, वह भी इस आंदोलन से पूरे तरीके से जुड़ गया था। कई बार ऐसा समय भी आया, जब केंद्र सरकार ने झारखंड राज्य के आंदोलन को संवैधानिक भूल-भुलैया में उलझाने की कोशिश की थी। तब न्यायमूर्ति शाहदेव ने इसका जबरदस्त प्रतिकार किया था। उन्होंने ही सर्वप्रथम बताया था कि अगर बिहार विधानसभा विरोध भी करे, तो भी अलग राज्य का गठन हो सकता है। श्री शाहदेव ने यह भी स्पष्ट किया था कि अलग राज्य के गठन संबंधी विधेयक को सदन में मामूली बहुमत से भी पारित कराया जा सकता है। इस विधेयक से संविधान संशोधन होने के कारण ज्यादातर लोग यह समझते थे कि इसे पारित करने हेतु दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है। न्यायमूर्ति शाहदेव ने विधि विशेषज्ञ के रूप में झारखंड आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि के रूप में कई बार केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों से बातचीत की थी। केंद्र भी झारखंड आंदोलन की व्यापकता के कारण इसे नजरअंदाज नहीं कर पाया।

सपना हुआ साकार, मिल गया झारखंड

न्यायमूर्ति एलपीएन शाहदेव झारखंड आंदोलन की रीढ़ थे। झारखंड आंदोलनकारियों का जूनून ही था, जब 1999 में अलग राज्य झारखंड का बिल पास हुआ और 2000 में झारखंड बना। झारखंड बनने के बाद भी न्यायमूर्ति शाहदेव सामाजिक रूप से उतने ही सक्रिय रहे। वह बैठे नहीं रहे। उन्होंने फिर एक और नया लक्ष्य निर्धारित किया। आंदोलनकारियों के हक की लड़ाई की कमान संभाली। झारखंड अलग राज्य बनने के बाद आंदोलनकारियों के साथ गलत बर्ताव हो रहा था। बहुत से आंदोलनकारियों को पुराने केस में जेल में बंद किया जाने लगा था। उसी क्रम में चाइबासा के एक आंदोलनकारी भी इसका शिकार हुए। न्यायमूर्ति शाहदेव उस आंदोलनकारी के घर पहुंच गये और उसे हर प्रकार की कानूनी सहायता दी। वहीं पर उन्होंने कहा था और अखबार में लिखा भी था कि जिन आंदोलनकारियों को सम्मान मिलना चाहिए था, उन्हें जेल मिल रहा है।

झारखंड की सत्ता यहां के आदिवासियों और मूलवासियों के हाथ में होनी चाहिए

जस्टिस एलपीएन शाहदेव का मानना था कि झारखंड की सत्ता यहां के आदिवासियों और मूलवासियों के हाथ में होनी चाहिए, क्योंकि झारखंड को वही समझ सकते हैं। उसका अपेक्षित विकास कर सकते हैं। उनका कहना था कि पांच दशकों तक झारखंड बिहार के अधीन रहा, लेकिन बिहार ने इसका सिर्फ दोहन ही किया। खनिज संपदा से संपन्न झारखंड को हमेशा उपेक्षित होना पड़ा। यहां के लोगों को तरजीह नहीं दी जाती थी। विकास भी झारखंड से कोसों दूर था। श्री शाहदेव का मानना था कि झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों को उनका हक मिलना चाहिए। उनका स्पष्ट मानना था कि झारखंड के लोग बिहार जाकर चुनाव नहीं लड़ सकते हैं, लेकिन बिहार के लोगों को यहां के लोग सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। अब समय आ गया है कि झारखंड के लोग भी अपनी किस्मत का फैसला खुद करें।

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार

2005 में न्यायमूर्ति शाहदेव को झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया। उनकी यह भी कोशिश रही कि एक कक्षा में उतने ही छात्र होने चाहिए, जितने जरूरी हों। ठूंसनेवाली प्रथा के वह खिलाफ थे। उन्होंने अपने शुरूआती दौर में ही यह पाठ पढ़ लिया था। वह प्राइवेट स्कूल में फीस स्ट्रक्चर को लेकर भी बहुत मुखर रहे। जस्टिस एलपीएन शाहदेव की मृत्यु 10 जनवरी 2012 को हुई। वहीं उनकी पत्नी प्रभा शाहदेव का निधन 11 अप्रैल 2021 में हुआ था। प्रभा शाहदेव जीवन भर अपने पति जस्टिस एलपीएन शाहदेव की ताकत बनी रहीं और उनके साथ एक मजबूत स्तंभ के रूप में खड़ीं रहीं। जिस झारखंड अलग राज्य के लिए जस्टिस शाहदेव सड़क पर उतरे, पुलिस गिरफ्त में आये, उस झारखंड ने भी अपने भूमिपुत्र का मान रखा। उनकी पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए ही जिस स्कूल में एक बालक के रूप में वह टाट का बोरा लेकर पढ़ने जाया करते थे, आज उन्हीं के नाम से वह स्कूल जाना जाता है। उस स्कूल का नामकरण राज्य मंत्रिमंडल ने 2012 में जस्टिस एलपीएन शाहदेव उत्क्रमित उच्च विद्यालय कर दिया। यही नहीं, जिन आंदोलनों की बदौलत झारखंड अलग राज्य बना, उनमें शामिल आंदोलनकारियों को सम्मान देने की परंपरा भी कायम हुई। न्यायमूर्ति शाहदेव का तैल चित्र विधानसभा में लगाया गया है, जिसका अनावरण तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह ने किया था। यही नहीं, मुख्यमंत्री आवास के सामने स्थित चौक का नामकरण जस्टिस एलपीएन शाहदेव चौक किया गया, जिसका उद्घाटन 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था। हर साल 10 जनवरी को उस चौक पर हजारों-हजार लोग अपने नायक के सम्मान में सिर नवाते हैं। पुष्प अर्पित करते हैं। यह सच है कि जानेवाले लौट के कभी नहीं आते, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि उनके कर्म बार-बार याद आते हैं और उन कर्मों को याद कर लोग अपने नायक के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। आज उस नायक को श्रद्धासुमन के रूप में मेरे दो शब्द।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	25.3 °C	9.0 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.20 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.32 बजे

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in

रिंग रोड में लूटपाट, ट्रक चालक को अपराधियों ने मारी गोली

गोली लगने के बाद ट्रक लेकर रातू थाना पहुंचा, हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिले के तुपुदाना ओपी क्षेत्र स्थित रिंग रोड में लूटपाट किया गया। लूटपाट के दौरान अपराधियों ने ट्रक चालकों को गोली मार दी। यह घटना रविवार की देर रात के करीब तीन बजे हुई है। बाइक सवार अपराधियों ने लूटपाट करने के दौरान ट्रक चालक को गोली मार दी। गंभीर हालत में ट्रक चालक को रिम्स में भर्ती कराया गया है।

विरोध करने पर मारी गोली

जानकारी के मुताबिक रिंग रोड में किसी होटल के पास ट्रक रोका गया। ट्रक चालक ने ट्रक नहीं रोका तो पीछाकर ट्रक रोका और लूटपाट करने लगे। इसी

दौरान ट्रक चालक ने विरोध किया तो अपराधियों ने गोली मार दी है। बताया जा रहा है कि घायल अवस्था में ट्रक चालक ने ट्रक को लेकर भागा और रातू थाना के पास ट्रक लगाया। जिसके बाद पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी ने ट्रक चालक को हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। जहां ट्रक चालक की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है।

सेना के जवान ने अपने किरायेदार को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

रांची। राजधानी के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के खोखमा टोली में सेना के जवान ने अपने घर में रहने वाले किरायेदार को गोली मार कर घायल कर दिया। यह घटना रविवार की देर रात 12 बजे की बतायी जा रही है। जहां सेना के जवान राजेश तिवारी ने अपने घर में रहने वाले किरायेदार हरिलाल यादव उर्फ बबलू यादव को गोली मार दी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंच कर, आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है।

घर का गेट खोलने को लेकर हुआ विवाद

जानकारी के मुताबिक हरिलाल सेना के जवान राजेश तिवारी के घर पर किराये में रहते हैं। काम की वजह से किरायेदार हरिलाल हमेशा देर से घर आया करता था। रविवार को भी वह देर से घर पहुंचा। जवान ने उससे कहा कि अगर वह देर से आयेगा तो दरवाजा नहीं खुलेगा। रात में उठकर दरवाजा खोलना मुश्किल है। इस पर किरायेदार ने उससे कहा कि वह इसकी एक अलग चाभी दे दे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। बात इतनी बढ़ गयी कि आरोपी जवान ने किरायेदार पर लाइसेंसी पिस्टल से गोली चला दी। गोली किरायेदार के पैर में लगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी जवान को पकड़ लिया। वहीं पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पिस्टल को भी जब्त कर लिया है।

राज्यपाल से मिले विधानसभा अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सोमवार को राज भवन में भेंट की। दोनों ने एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल को विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की ओर से प्रकाशित डायरी एवं कैलेंडर भेंट किया।

लोबिन हेंब्रम ने अपनी ही सरकार पर साधा निशाना, कहा-

जल, जंगल, जमीन बचेगा तभी आदिवासी बचेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। झारखंड बचाओ मोर्चा के प्रदेश संयोजक सह बोरियो के विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि राज्य में जल, जंगल और जमीन बचेगा, तो आदिवासी बचेंगे। इसलिए हमें फिर से लड़ने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य भर में 53 संगठनों को मिलाकर झारखंड बचाओ मोर्चा की स्थापना की गयी है।

हेमंत सरकार पर साधा निशाना

लातेहार में आयोजित मोर्चा के प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि बिहार से झारखंड अलग राज्य होने के बाद

भी लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार बनने के बाद यहां के मूल निवासी आदिवासियों से किया गया वादा, अब तक पूरा नहीं किया गया है। सरकार बनने से पहले हेमंत सोरेन ने झारखंड के लोगों से वादा किया था कि जल, जंगल और जमीन, एसपीटी एक्ट, सीएनटी एक्ट, 1932 खतियान और पेसा एक्ट को लागू करेंगे। लेकिन आज सरकार किसी मुद्दा को लागू नहीं कर सकी है।

संताल परगना में सुखाड़ के कारण लोग कर रहे पलायन

आज भी यहां के मूल निवासी अपनी जमीन नहीं बचा पा रहे हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ का उदाहरण देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में पेसा एक्ट लागू कर दिया गया है, जबकि झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य एक साथ बना था। पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने कहा कि संताल परगना में सुखाड़ के चलते लोग पलायन कर रहे हैं। सरकार 1932 जोहर यात्रा निकाल कर जनता को ठग रही है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष काफी संघर्ष से कार्य में सफलता, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष सरकारी विवाद से मुक्ति मिलेगी, आर्थिक क्षेत्र में उतार-चढ़ाव की स्थिति।

मिथुन भाग्य प्रबल है, सामाजिक क्षेत्र में उन्नति तथा मान-सम्मान की प्राप्ति, सेहत अच्छा रहेगा।

कर्क रुके हुए कार्यों में प्रगति, पारिवारिक सुख-शांति, नौकरी में पदोन्नति होने की संभावना।

सिंह लापरवाही से परेशानी, सरकारी कार्य में सफलता, अचानक धनलाभ हो सकता है।

कन्या नौकरी में उन्नति, कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता, आवश्यक कार्य पूरा होगा।

तुला व्यापार रोजी, रोजगार में उन्नति, सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा, पारिवारिक दायित्व की पूरा होगा।

वृश्चिक कर्मक्षेत्र में मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि, संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्ति होगी।

धनु विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास, यशस्वी कार्य करने का अवसर, शत्रुओं पर विजय।

मकर नयी योजनाएं बनेंगी, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण, धन-द्रव्य का लाभ होगा।

कुंभ कठिन परिश्रम से लाभ, कोई भी निर्णय सोच विचार कर लें, स्वजन-कुटुंबियों का सहयोग।

मीन आर्थिक स्थिति में सुधार, नौकरी में बदलाव होने की संभावना, महत्वकांक्षा पूरी होगी।

भोजन का अधिकार अभियान-नरेगा वॉच ने झारखंड के वित्त मंत्री को सौंपा ज्ञापन

सरकार को दिलायी वादों की याद, जो आज भी हैं अधूरे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भोजन का अधिकार अभियान (झारखंड) और नरेगा वॉच ने झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को बजट से पहले एक ज्ञापन सौंपा है। इसमें सरकार के वादों की याद दिलायी गयी है। कई अहम बिंदुओं पर सरकार को सुझाव भी दिये गये हैं। दोनों संस्थाओं ने सोमवार (9 जनवरी 2023) को राज्य के वित्त मंत्री को यह ज्ञापन सौंपा है।

वित्त मंत्री से की गयी ये मांग

इसमें स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में हर दिन अंडा, 2500

बजट से उम्मीदें

रुपये प्रति माह की बढ़ी हुई दर पर सभी को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, ग्रीन कार्ड धारकों को खाद्यान्न राशन (5 किलो प्रति व्यक्ति प्रति माह) की नियमित आपूर्ति और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के उल्लंघन मामले में) सभी बच्चों को मातृत्व लाभ के विस्तार की मांग की गयी है।

भोजन का अधिकार अभियान और नरेगा वॉच के अशर्फी नंद प्रसाद, जेंस हेरेंज, ज्यां द्रेज, परन अमिताभ और तारामनी साहू ने झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को संबोधित इस पत्र में लिखा है कि वर्ष 2023-24 के बजट की प्रत्याशा में हम आपको झारखंड सरकार के कुछ अधूरे वादों की याद दिलाने के लिए यह पत्र लिख रहे हैं। इस पत्र में जिन बिंदुओं का जिक्र किया गया है, उसमें स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में हर दिन अंडा पहले नंबर पर है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में हर दिन मिले बच्चों को अंडा

वित्त मंत्री को सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि स्कूलों में उपस्थिति की निराशाजनक दर को देखते हुए यह बेहद जरूरी है कि स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में हर दिन बच्चों को अंडा दिया जाये। इसके साथ एक 42 पेज की रिपोर्ट भी सौंपी गयी है, जिसमें बताया गया है कि झारखंड के स्कूलों की दशा कैसी है। बच्चों को कैसा भोजन मिलता है, स्कूलों में उपस्थिति कैसी है। स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी है।

कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रभारी का तीन दिवसीय दौरा, आज पहुंचेंगे रांची

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय मंगलवार 10 जनवरी से झारखंड के तीन दिवसीय यात्रा पर रांची पहुंचेंगे। रांची पहुंचने के बाद कांग्रेस प्रभारी पूर्व विधायक ममता देवी से मुलाकात करेंगे। वहीं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवगठित पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक 11 जनवरी को जिमखाना क्लब, रामगढ़ में आहूत की गयी है। बैठक में राज्य की वर्तमान राजनीति हालात, नियोजन नीति, 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण, सरना धर्म कोड, 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति, दलित उत्पीड़न के

मामले, महिला सशक्तिकरण, भीड़-हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रभारी अविनाश पांडेय उपस्थित रहेंगे। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि इसके उपरांत दिनांक 12 जनवरी को कटहल मोड़ स्थित लालगुटुवा, रांची में झारखंड प्रदेश के नवगठित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति की बैठक भी आहूत की गयी है। उक्त बैठक में अविनाश पांडेय हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के राज्य पर्यवेक्षक अर्जुन मोडवारिया, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक के राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर के राजू उपस्थित रहेंगे। विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम के सफल आयोजन, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान कार्यक्रम की रूपरेखा और रणनीति तथा संगठन सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किया जायेगा।

राज्य सरकार अविलंब न्यायिक मामले में लोगों को सहूलियत दे: सीपीआइ

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक एवं राज्य कार्यकारिणी के सदस्य अजय सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस बयान जारी कर कहा है कि राज्य सरकार ने कोर्ट में न्यायिक मामलों की फीस, स्टांप ड्यूटी सहित कई ज्यूडिशल मामले में दाम को बढ़ाकर राज्य की जनता पर महंगाई का बोझ डाला है। राज्य के सभी जिलों में वकील कोर्ट फीस एवं स्टांप ड्यूटी की बढ़ोतरी के विरोध में राज्य भर में आंदोलनरत हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जनहित में उनके आंदोलन को समर्थन करती है। राज्य की जनता बेतहाशा महंगाई के चपेट में है। देश में हर आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। कहा कि राज्य सरकार अविलंब अधिवक्ताओं के द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन को समाप्त कर न्यायिक मामले में लोगों को सहूलियत दे।

दोनों पत्नियां मायके गयीं, नशेड़ी पति ने धारदार हथियार से 3 बच्चों को किया लहूलुहान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के सरायकेला जिला अंतर्गत राजनगर थानाक्षेत्र के टांगरानी गांव में एक नशेड़ी बाप ने अपने 3 मासूम बच्चों को धारदार हथियार से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शराब के नशे में धुत बबलू सोय नामक व्यक्ति ने अपने 3 मासूम बच्चों पर सोये अवस्था में ही धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में 14 महीने का दुधमुंहा बच्चा आयरन सोय, 7 वर्षीय विकास सोय और 9 वर्षीय आकाश सोय गंभीर रूप से जख्मी हो गये। बच्चों की चीख - पुकार सुनकर पड़ोस की बुजुर्ग महिला बच्चों को बचाने के लिए निकली। हालांकि, आरोपी ने बुजुर्ग महिला पर भी हमला किया। बुजुर्ग महिला ने बहादुरी से नशेड़ी बबलू सोय का मुकाबला किया और तीनों बच्चों को बचा लिया।

आरोपी बबलू सोय को पुलिस ने पकड़ा

सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी चंदन कुमार ने आरोपी बबलू सोय को हिरासत में लिया और थाने ले गये। बबलू सोय गांव में छिप गया था लेकिन पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से उसे ढूंढ़ निकाला। मिली जानकारी के मुताबिक बच्चों पर जानलेवा हमला करने से पहले उसने बूढ़ी मां को दूसरे कमरे में बंद कर दिया था। आरंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी बबलू सोय ने दो शादियां की थीं। दोनों पत्नियां बबलू की हरकतों से परेशान होकर मायके भाग गयीं।

अभियान : अब सिर्फ कोल्हान में नक्सलियों की मौजूदगी

सीआरपीएफ का छह ऑपरेशन नक्सलियों पर पड़ा भारी, तीन कोर एरिया ध्वस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड को नक्सल मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) लगातार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रहा है। सीआरपीएफ का छह ऑपरेशन नक्सलियों पर भारी पड़ा और नक्सलियों के तीन कोर एरिया को ध्वस्त कर दिया गया है। सिर्फ एक कोर एरिया बचा है। उसमें भी लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इन ऑपरेशन में ऑपरेशन डबल बुल, ऑपरेशन क्लीन स्वीप, ऑपरेशन ब्लैक पैंथर, ऑपरेशन थंडर स्टॉर्म, ऑपरेशन ऑक्टोपस औरऑपरेशन स्कॉर्पियन शामिल है। नक्सलियों के खिलाफ चलाये गये इन ऑपरेशन में झारखंड पुलिस सहित अन्य सुरक्षाबलों की अहम भूमिका रही है।

आइजी सीआरपीएफ अमित कुमार ने सोमवार को बताया कि झारखंड में नक्सल के चार कोर एरिया हुआ करते थे। इनमें बूढ़ा पहाड़, पारसनाथ और ट्राई जंक्शन (खूंटी, सरायकेला और चाइबासा)और कोल्हान शामिल हैं। इनमें तीन को नक्सल मुक्त कर दिया गया है। सिर्फ कोल्हान में नक्सलियों की मौजूदगी है। उसे भी जल्द समाप्त कर दिया जायेगा।

कैंप भी रहा काफी मददगार

सीआरपीएफ की टीम झारखंड पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों के साथ मिलकर वर्ष 2022 में 22 नये सुरक्षा कैंप(एफओबी) तैयार किये हैं। इन कैंप के जरिए नक्सलियों की मांद तक पहुंचकर राज्य के सभी सिक्योरिटी वैक्यूम वाले इलाकों को कवर किया है।

136 नक्सलियों को किया गया गिरफ्तार

सीआरपीएफ की ओर से ही वर्ष 2022 में कुल 136 नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई है। 123 हथियार और 8102 गोली बरामद की गयी है। जबकि सीआरपीएफ ने 1106 आइइडी, 4554.125 किलो विस्फोटक बरामद किये हैं। साथ ही लेवी के पांच लाख 98 हजार 868 रुपये बरामद किये हैं। सीआरपीएफ ने वर्ष 2022 में 10 इनामी नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। जबकि नौ नक्सलियों ने सीआरपीएफ के समक्ष सरेंडर किया है। पांच नक्सलियों को सीआरपीएफ ने अभियान के दौरान मार गिराया है।

नव स्थापित सुरक्षा कैंपों की स्थापना का महत्व

नव स्थापित सुरक्षा कैंपों की स्थापना से सुरक्षा वैक्यूम को भरा गया है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों के बीच सुरक्षा का भाव उत्पन्न हुआ है। सामुदायिक पुलिसिंग एवं सिविक एक्शन प्रोग्राम के द्वारा दुर्गम क्षेत्रों में सीआरपीएफ एवं स्थानीय ग्रामीणों के संबंध को मजबूत किया जा रहा है। नवस्थापित सुरक्षा कैंपों को एकीकृत विकास केंद्र (इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सेंटर) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय युवाओं को रोजगार तथा सभी स्थानीय ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के लाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

आज भी राजेश ठाकुर की बात आरपीएन सिंह से होती है: आलोक दुबे

कॉल डिटेल से दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा

कांग्रेस नेताओं का हल्लाबोल, कहा- राहुल गांधी ने हमें सिखाया है डरो मत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अनुशासन कमेटी द्वारा पार्टी के दो प्रदेश महासचिव सहित पांच नेताओं को दल से छह वर्ष के लिए निष्कासित करने की अनुशंसा की है। इसके बावजूद इन नेताओं में से चार ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ हल्लाबोल जारी रखा है। इसमें आलोक कुमार दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ.राजेश गुप्ता छोटू और साधु शरण गोप शामिल थे।

इन नेताओं ने कहा हमारे सर्वोच्च नेता राहुल गांधी ने हमें सिखाया है डरो मत और हम सच कहने से ना पीछे हटेंगे और न ही डरेंगे। आलोक कुमार दुबे ने कहा हमारी रक्त की धमनियों में कांग्रेस पार्टी और विचारधारा दौड़ रही है। 32

वर्षों की तपस्या को अगर पार्टी से निकालना ही एकमात्र विकल्प है तो यह शौक भी दूसरे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पूरा कर लें। आलोक दुबे ने कहा कि हमारे जवाब से अगर प्रदेश अध्यक्ष असंतुष्ट थे या समय देने में असमर्थ थे तो वह हमें बुलाकर हमारा पक्ष ले सकते थे और अनुशासन समिति की बातों से अवगत करा सकते थे लेकिन ऐसा नहीं करके मीडिया के माध्यम से हमारी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा एवं सम्मान को जानबूझकर ठेस पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज भी प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की बात भाजपा नेता और पूर्व में प्रदेश प्रभारी रहे आरपीएन सिंह से होती है। उनके कॉल डिटेल से दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। पार्टी के प्रदेश महासचिव आलोक दुबे ने कहा कि जो लोग सोनिया गांधी के विदेशी मूल के होने के सवाल पर पार्टी छोड़कर चले गये थे, वह आज मुझे अनुशासन का पाठ न पढ़ायें। हम सभी जल्द पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल, अविनाश पांडे से मिलकर अपनी बात रखेंगे और उनसे कहेंगे कि प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर की भाजपा नेता से बातचीत होती है। उनका सीडीआर निकालकर जांच की जाये तो सब साफ हो जायेगी। कांग्रेस मजबूत हो, 2024 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हम भाजपा को परास्त करें, इसके लिए जरूरी है कि अयोग्य प्रदेश अध्यक्ष को हटाकर किसी आदिवासी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाये। साधु शरण गोप ने कहा कि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ उनका हल्लाबोल इसलिए है क्योंकि उन्होंने राज्य में अक्सर पार्टी को कमजोर करने का काम किया है, जिसने जिला के लिए इंटरव्यू नहीं दिया और चुनाव में 700-500 वोट आया, उसे बिना इंटरव्यू के जिलाध्यक्ष बना दिया।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि जिस तरह से वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी को कमजोर करने का काम किया है, ऐसे में अब राज्य में किसी आदिवासी चेहरे को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाये ताकि 2019 की तरह कांग्रेस और महागठबंधन 2024 में भाजपा को परास्त कर सके। राजेश गुप्ता छोटू ने कहा कि राज्य की अनुशासन कमेटी प्रदेश अध्यक्ष के दबाव में काम कर रही है, और कांग्रेस को मजबूत करने की इच्छा रखने वाले लोगों को प्रदेश अध्यक्ष के दबाव में शो कॉज और निष्कासन की अनुशंसा की जा रही है।

आगे बढ़ने के लिए समाज को एकजुट होना पड़ेगा: अंबा

गिरीडीह (आजाद सिपाही)। देवरी प्रखंड के चितरोकुरहा (मंडरो) में साहू समाज जमुआ विधानसभा का द्वितीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बड़कागांव के विधायक अंबा प्रसाद, कोडरमा के पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता मौजूद थे। विधायक अंबा ने कहा कि आर्थिक व सामाजिक रूप व राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने के लिए समाज को एकजुट होना होगा।

JHARKHAND STATE FOOD & CIVIL SUPPLIES CORPORATION LTD.
(A GOVERNMENT OF JHARKHAND UNDERTAKING)
JSFC Bhawan, Kadru Main Road, Ranchi - 834002, Email-jsfcmonitoring@gmail.com

Letter No. 124 Date : 09.01.2023

CORRIGENDUM NOTICE

Corrigendum notice regarding "SHORT TENDER FOR PROVIDING TRANSPORTATION SERVICES VARIOUS DISTRICTS OF JHARKHAND FOR TRANSPORT OF PADDY & CUSTOM MILLED RICE (CMR) FROM PADDY PROCUREMENT CENTRES TO TAGGED RICE MILLS AND FROM RICE MILLS TO GODOWNS OF F.C.I. RESPECTIVELY FOR THE KHARIF MARKETING SEASON 2022-23 & 2023-24 TO JHARKHAND STATE FOOD & CIVIL SUPPLIES CORPORATION LIMITED" regarding with reference to advertisement and Tender Ref. No. 5132, dated 30.12.2022.

Suitable Corrigendum related to the terms and condition of the tender document to be published on the website of department, JSF&CSCL and C1 India Pvt. Ltd. Interested applicants are requested to check the website of the department (http://jharkhand.gov.in), JSF&CSCL (https://sfcjharkhand.in) or C1 India Private Ltd. (http://jharkhand.eproc.in).

Managing Director
(JSF&CSCL)

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in
04

रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधिमंडल सीएस से मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधि मंडल समिति के अध्यक्ष रामधन बर्मन के नेतृत्व में सोमवार को मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने श्री सिंह से मिलकर 2022 के सभी पर्वों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए धन्यवाद किया एवं नव वर्ष 2023 की बधाई दी और आगामी होली एवं रामनवमी पर्व को लेकर उनसे बातचीत की एवं प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा की। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से महावीर मंडल रांची के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा , महामंत्री राहुल सिन्हा चंकी के साथ राज किशोर, अमित सिंह, ओम सिंह उपस्थित थे।

हतमा मौजा में हड़गड़ी कार्यक्रम हुआ संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सोमवार को हतमा मौजा के अंतर्गत हतमा सरना टोली, टंगरा टोली, सरईढाड़, करम टोली, महरा टोली, नगड़ा टोली, नीचे टोला, पोखर कोच्चा इन सभी जगहो से मुख्य पहान जगलाल पहान के अगुवाई में हड़गड़ी पूजा की। कार्यक्रम से पहले जुलूस की शक्ल में हजारों संख्या में हड़गड़ी मशना स्थल पर पहुंच कर अपने पूर्वजों को परंपारिक विधि विधान, रीति रिवाज से तपावान, पकावान, फूल माला, अरवा चावल, अर्पण, टिका सिंदूर, तेल इत्यादि अर्पित कर आस्था के साथ पूजा किया। गया और अपने पूर्वजों से सुख शांति के लिए आशीर्वाद मांगे। जगलाल पहान ने कहा कि हमारे पूर्वज स-शरीर हमारे बीच नहीं है फिर भी किसी न किसी रूप से हमें सदैव मार्ग दर्शन एवं आशीर्वाद देते

लोगों ने पूर्वजों की पारंपरिक विधि विधान से पूजा की

है। पूर्वजों के बताये मार्ग पर चलकर अपनी धर्म, संस्कृति एवं परंपरा को बनाये रखने जरूरत है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, महासचिव कृष्णकांत टोप्पो, विनोद टोप्पो, राज उरांव, कंचन हेमरोम, बंगाल मुंडा, संदीप टोप्पो, मंटू उरांव, मुन्ना हेमरोम, सुकरा मुंडा, नान्हू मुंडा, बिरसा जन कल्याण समिति के अध्यक्ष अनिल उरांव, कांके रोड सरना समिति के संयोजक डब्लू मुंडा, आदिवासी सरना समिति अध्यक्ष अशोक मुंडा, निर्मल पहान, दीपक पहान, चंदन पहान, आशीष कच्छप, कैलाश हेमरोम, संजू मुंडा, अभय भूटकुमार सहित अन्य शामिल थे।

डीपीएस की छात्रा ने ताइक्वांडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अपने असाधारण खेल कौशल एवं मार्शल आर्ट्स का प्रदर्शन करते हुए, डीपीएस रांची की प्रियाशा त्रिपाठी (कक्षा ग्यारह) ने सीबीएसई नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। उन्होंने यह खिताब अंडर 17 आयु वर्ग (44 के.जी. वेट कैटेगरी) में जीता है। इस चैंपियनशिप का आयोजन एस.जी. पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में किया गया था। इस अवसर पर विद्यालय के माननीय प्राचार्य डॉ. राम सिंह ने प्रियाशा को उनकी सफलता पर उन्हें बधाई दी और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

रिटायर फौजी की पत्नी ने बेटी की शादी के लिए निकाले थे पैसे

नामकुम में महिला से दिनदहाड़े पांच लाख रुपये की लूट

रेकी कर अपराधियों ने लूट की घटना को दिया अंजाम

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। राजधानी रांची से सटे लेकिन व्यस्ततम इलाके में शामिल नामकुम बाजार चौक स्थित एसबीआइ की शाखा से पैसे निकाल कर जा रही महिला से अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। अपराधी दिनदहाड़े घटना को अंजाम देकर चंपत हो गये। घटना की जानकारी नामकुम थाना को दिये जाने के बाद पुलिस जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि महिला अपने भतीजे के साथ बैंक पैसे निकालने आयी थी।

जानिए क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला का नाम गीता देवी है। वह जोरार

की रहने वाली है। 25 जनवरी को उसकी बेटी की शादी है। शादी की खरीदारी को लेकर वह पैसे निकालने अपने भतीजे छितेश्वर प्रसाद के साथ गयी थी। जैसे ही महिला बैंक से रुपये निकाल कर वापस नीचे आयी, इसी दौरान घात लगाये बाइक सवार अपराधियों ने महिला से रुपयों भरा बैग लूट कर रामपुर की ओर भाग गये। घटना के बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी गयी।

सीसीटीवी फुटेज से रेकी का लग रहा अंदाजा

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस ने बैंक और आसपास के दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। सीसीटीवी में दिखा की एक अपराधी बैंक में महिला के पैसा झोला में रखते ही नीचे आ गया था। जिसके बाद नीचे अन्य अपराधी तैयार थे। जैसे ही महिला आयी एक अपराधी ने थैला छिनकर बाइक पर बैठा और नामकुम थाना की ओर भाग गया। महिला गीता देवी रिटायर्ड फौजी प्रभात शंकर की पत्नी हैं।

नामकुम थाने की दूरी महज डेढ़ किलोमीटर

अपराधियों ने जिस जगह पर लूट की घटना को अंजाम दिया है, वहां से नामकुम थाना की दूरी महज डेढ़ किलोमीटर है। बैंक नामकुम के व्यस्ततम इलाके में है। यहां अक्सर जाम की स्थिति रहती है। इस बैंक की शाखा में आर्मी यूनिट, राल एवं गोंद संस्थान सहित कई संस्थान एवं अन्य लोगों का खाता है। इसके वाबजूद बैंक में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था नहीं है। बैंक में मात्र एक सुरक्षा गार्ड है जो मुख्य गेट पर तैनाती से ज्यादा अन्य कार्यों में व्यस्त रहता है।

डीडीसी ने 38 छात्र-छात्राओं को दिया टैब और इयरफोन

रांची। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) दिनेश कुमार यादव ने सोमवार को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ सहदेव प्लस टू जिला स्कूल में 38 छात्र-छात्राओं को टैब और इयरफोन दिया। बताया गया कि नीति आयोग और बाइजूस के बीच साझेदारी के तहत जेइइ और एनइइटी प्रतियोगिता परीक्षा 2024 के तैयारी के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग के लिए चयनित 38 छात्र-छात्राओं को टैब एवं इयरफोन मुहैया कराया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने सभी को बेहतर पढ़ाई करने और सभी छात्र -छात्राओं को उनके बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी छात्र-छात्राओं को इसका लाभ लेने को कहा। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी विनय कुमार एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार, विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रोग्राम मैनेजर, बाइजूस से प्रिया सिंह मौजूद थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

पंजाबी प्रीमियर लीग का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पंजाबी युवा मंच द्वारा रविवार को पंजाबी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले सीजन का शुभारंभ श्री कृष्ण नगर कॉलोनी स्थित चौधरी बागान में किया गया। 7 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के सभी मैच दूधिया रोशनी (फ्लड लाइट) में खेले जायेंगे। उद्घाटन समारोह में उपस्थित सिख धर्म के कीर्तनी जत्था भाई राजेंद्र सिंह लुधियाना वाले, रांची के सांसद संजय सेठ, रांची के विधायक सीपी सिंह, टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक कृष्णा इन रिजॉर्ट के राहुल यादव, गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा एवं श्री राधा कृष्ण मंदिर के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल, मनोहर लाल जसूजा एवं सचिव अर्जुन देव मिढ़ा, केसर पपनेजा, एवं मनीष मिढ़ा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। भव्य उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में हरविंदर सिंह बेदी, नंदकिशोर अरोड़ा, राधेश्याम किंगर, चंद्रभान तालेजा रामचंद्र तालेजा ललित किंगर, संतोष चौधरी, वार्ड पार्षद अशोक यादव पार्षद प्रतिनिधि दिलीप गुप्ता, रवनीत सिंह रवि नागपाल, अशोक गेरा, मोहनलाल अरोड़ा, मनोज किंगर, हरीश अरोड़ा, नरेश पपनेजा अश्विनी सुखीजा उपस्थित थे। टूर्नामेंट के के 5 मैचों में केसी फाइटर्स ने जॉनी वॉरियर्स को 3 विकेट से, कृष्णा फाइटर्स ने बॉम्बस्क्वाड को 40 रनों से, जय माता दी लायंस ने 8 एलीट को 6 विकेट से, केसी फाइटर्स ने रांची सनराइजर्स को 5 विकेट से एवं शिवाय आर्मी ने भोले ब्लास्टर्स को 34 रनों से हराया। प्रथम दिन हुए 5 मैचों में क्रमशः गौरव अरोड़ा, मोहित सुखीजा, मिलन गिरिधर, गौरव अरोड़ा एवं मोहित मुंजाल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस आयोजन में अरुण जसूजा, दीपक तलेजा, मोहित गेरा, विकास घई, धीरज किंगर, मोहित मुंजाल एवं उमंग मनुजा चंचल खत्री मयूर अरोड़ा रजत मुंजाल निखिल गिरधर नितेश किंगर रवि दुआ हेमंत दुआ नवीन जसूजा कुणाल मदनपोत्रा पुनीत अरोड़ा ने मुख्य भूमिका निभाई।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में चार दिवसीय इंटर यूनिवर्सिटी टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

89 रनों की शानदार पारी की बदौलत सचिन बने मैन ऑफ द मैच

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में चार दिवसीय इंटर यूनिवर्सिटी टी -टेन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 6 जनवरी से प्रारंभ होकर 9 जनवरी को संपन्न हो गया। चार दिवसीय इस टी- टेन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में विभिन्न संस्थानों यथा ऊषा मार्टिन यूनिवर्सिटी, साईं नाथ यूनिवर्सिटी, अमेठी यूनिवर्सिटी, संत जेवियर कॉलेज, सीआइटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं सरला बिरला विश्वविद्यालय की टीम ने सहभागिता की।

टूर्नामेंट के अंतिम दिवस फाइनल राउंड में सरला बिरला विश्वविद्यालय की टीम एवं सीआइटी इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम के बीच शानदार मुकाबला हुआ जिसमें पहले बैटिंग करते हुए सरला बिरला विवि की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 199 रन बनाकर सीआइटी की टीम को 200 रनों का शानदार लक्ष्य दिया

जिसका मुकाबला करते हुए सीआइटी की टीम पूरे टेन ओवर खेलकर मात्र 127 रन बनाने में कामयाब हो सकी, सरला बिरला विश्वविद्यालय की टीम सीआइटी की टीम को 72 रनों से पराजित कर ओवर ऑल विजेता बनी। सरला बिरला विश्वविद्यालय के सचिन कुमार ने 89 रनों की शानदार पारी खेलते हुए विश्वविद्यालय टीम को शानदार जीत दिलाई तथा मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक ने विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों के खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की। उन्होंने विजेता टीम के सभी सदस्यों को मेडल पहनाकर शुभकामनाएं दी तथा सभी का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होते हुए उत्तम चरित्र निर्माण की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स गतिविधियों के प्रशंसा करते हुए भविष्य में निरंतर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने सभी खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना की एवं उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह ने उपविजेता टीम के सदस्यों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन कमेटी के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी तथा सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। टूर्नामेंट का ओवर ऑल अंपायरिंग मोहम्मद वाशिद खान एवं गौरव दास ने किया। ओवर ऑल संचालन रोहित मुखर्जी के द्वारा किया गया तथा ओवरऑल मैच का शानदार कॉमेंट्री वेदांत कुमार सिंह एवं कुमारी मानसी के द्वारा किया गया। अंत में खेल पदाधिकारी सुभाष नारायण शाहदेव के द्वारा ध्वजावतरण साथ टूर्नामेंट का समापन की प्रक्रिया पूरी की गयी। राष्ट्रगान के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक ने समापन की स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गोपाल पाठक, मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी डॉ प्रदीप कुमार वर्मा, कुलसचिव प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, क्रीड़ा पदाधिकारी सुभाष नारायण शाहदेव, मैनेजर पी एंड ए अजय कुमार, पीएओ प्रवीण कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ अशोक अस्थाना, डॉ सुबानी बाड़ा, प्रो एसबी दंडिन, उप कुलसचिव प्रो अमित गुप्ता, डॉ संदीप कुमार, डॉ भारद्वाज शुक्ल, राहुल रंजन, गौरव दास सहित सभी पदाधिकारी, प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मांगों को लेकर वकीलों का कार्य बहिष्कार जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में कोर्ट फीस वृद्धि का निर्णय वापस लेने और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट समेत अन्य मांगों को लेकर वकीलों ने कार्य बहिष्कार सोमवार को तीसरा दिन भी जारी रखा। स्टेट बार काउंसिल के निर्देश पर राज्यभर के वकीलों का कार्य बहिष्कार मंगलवार को भी जारी रहेगा। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के निर्देश पर अधिवक्ताओं ने कोर्ट फीस बढ़ोतरी को वापस लेने के लिए खुद को न्यायिक कार्यों से दूर रखा है। रांची में झारखंड हाइकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट के वकीलों ने काउंसिल के निर्देश का पालन करते हुए खुद को न्यायिक कार्यों से दूर रखा। जिसका असर न्यायिक कार्यों के निष्पादन पर साफ देखने को मिला। झारखंड हाइकोर्ट में कई मामले सुनवाई के लिए लंबित थे, जिनकी सुनवाई टल गयी। वहीं रांची सिविल कोर्ट में कई फरियादी अपने मामलों की सुनवाई के लिए कोर्ट की दहलीज तक पहुंचे, लेकिन उन्हें मायूस होकर वापस लौटना पड़ा। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के

कार्य बहिष्कार से कई मामलों की सुनवाई टली

अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण ने कार्य बहिष्कार को सफल बनाने के लिए वकीलों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वकीलों ने कोर्ट फीस और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट जैसे गंभीर मुद्दे पर एकजुटता का परिचय दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से यह मांग की है कि वकीलों की मांगों को ध्यान में रखते हुए सरकार जल्द से जल्द कोई ठोस निर्णय ले, और उसकी जानकारी काउंसिल को दे।

निर्वाचित सदस्य ने कार्य बहिष्कार के निर्णय को गलत बताया

काउंसिल के निर्वाचित सदस्य राम सुभग सिंह ने कार्य बहिष्कार के निर्णय को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि कार्य बहिष्कार का निर्णय क्यों लिया गया यह समझ से परे है। काउंसिल ने बहुमत के आधार पर निर्णय लिया है, लेकिन यह निर्णय वकीलों के हित में नहीं है।

सरकार तय करे कि वह गरीबों के साथ है या भू माफियाओं के साथः अधिवक्ता शीश

रांची (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय लॉयर्स काउंसिल, झारखंड राज्य के मीडिया प्रभारी सैयद शीश आलम ने कोर्ट फीस वृद्धि के वापस लेने के संबंध में स्टेट बार काउंसिल के न्यायलय में न्यायिक कार्य से अलग रहने के निर्णय का समर्थन किया है। श्री आलम ने खेद जताया कि जब राज्य के आधिवतागण कोर्ट फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अपनी मांग को लेकर सड़कों पर हैं, तो उस वक्त मुखमंत्री अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित करना कतई उचित नहीं था। स्टेट बार काउंसिल झारखंड राज्य के सारे अधिवक्ताओं का प्रतिनिधित्व करती है, काउंसिल को इग्नोर करके किया गया। मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम अधिवक्ताओं का अपमान है। साथ ही साथ राज्य की जनता के जनादेश का भी अपमान है। कोर्ट फीस वृद्धि का मामला राज्य के गरीब और आदीवासी जनता से भी जुड़ा हुआ है। भू माफिया किस्म के लोग गलत और जोर जबरदस्ती करके गरीब आदिवासी लोगों की जमीन कब्जा कर लेते हैं। कोर्ट फीस बढ़े रहने से वे कोर्ट फीस जमा नहीं कर सकेंगे, जिससे इनकी अपनी जमीन भी इनके हाथों से निकल जायेगी। कोर्ट फीस वृद्धि का सीधा असर गरीब आदिवासी जनता पर ही पड़ेगा। सरकार को तय करना होगा कि वह किसके साथ खड़ी है, गरीब आदिवासी के साथ या भू माफिया के साथ। लॉयर्स काउंसिल झारखंड सरकार से मांग करता है कि कोर्ट फीस वृद्धि को वापस ले, ऐडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू हो, बजट में तीन सौ करोड़ का प्रावधान अधिवक्ताओं के लिए हो, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अधिवक्ताओं को जोड़ा जाये।

आरयू कर्मचारियों ने गुप्त मतदान के माध्यम से कर्मचारी संघ का चुनाव कराने का निर्णय लिया

रांची (आजाद सिपाही)। रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय व स्नातकोत्तर विभागों के कर्मचारियों की बैठक सोमवार को डीएसडब्ल्यू कार्यालय प्रांगण में हुई। इसमें विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ की बैठक को अनाधिकृत तरीके से संपन्न कराने का आरोप लगाते हुए नयी कार्यकारिणी के गठन को अमान्य करार दिया गया। कर्मचारियों ने चयन का विरोध किया और विधिवत लोकतांत्रिक तरीके से गुप्त मतदान के माध्यम से कर्मचारी संघ का चुनाव कराने का निर्णय लिया। बैठक में विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ का चुनाव कराने के लिए अध्यक्ष धीरज महतो, जेपी साहू, मोहम्मद कैफी, धर्मेंद्र कुमार, विजय वर्मा, शंकर पोद्दार, असलम इमाम, एसके सिन्हा, अशोक सिंह और राजकुमार के सहयोग से चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाने व संघ के संशोधित बायलॉज तैयार करने के लिए अधिकृत किया गया। इस संबंध में कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा से भी वार्ता की गयी, जिसमें गुप्त मतदान से चुनाव कराने की मांग रखी गयी। इस पर कुलपति ने सकारात्मक पहल करने की बात कही।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in
05

प्रेमी के उकसाने पर पायल ने की थी खुदकुशी

आरोप : मायके वालों ने लगाया था दहेज के लिए हत्या का आरोप

बरलांगा पुलिस ने किया खुलासा

बांरु कुमार

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। बरलांगा में चर्चित हत्याकांड का खुलासा नए थाना प्रभारी ने कर दिया है। सोमवार को थाना परिषर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे प्रकरण से पर्दा उठाया है। एसपी पीयूष पांडेय के कुशल निर्देशन में नए थाना प्रभारी ने पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। लोग जिसे हत्या मान रहे थे। वह मामला आत्महत्या का निकला। प्रेमी के उकसाने पर ही पायल ने खुदकुशी कर ली थी। जिसके बाद मृतिका के पिता ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस जब अनुसंधान शुरू की तो मामले का परत दर परत खुलने लगा। पूरे प्रकरण के खुलासे में बरलंगा थाना के नए थाना प्रभारी का प्रमुख भूमिका रहा।

प्यार में मिला धोखा, वाट्सअप पर वीडियो कॉल कर प्रेमी के सामने की आत्महत्या

जिसके बाद पायल ने व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल कर साड़ी के सहारे पंखे से फंदा लगाकर जान देने की बात बोली तो प्रेमी मनजीत ने उसे मना करने के बजाए फांसी लगाने के लिए उकसाने लगा। जिसके बाद पायल ने साड़ी का फंदा लगाकर पंखे से झूल गयी। जिससे उसकी मौत हो गयी। लेकिन मंजीत ने पूरा प्रकरण वीडियो कॉल का स्क्रीन रिकॉर्डिंग अपने मोबाइल में किया। जिसके बाद साक्ष्य छुपाने की नियत से स्क्रीन वीडियो क्लिप को पेन ड्राइव में सेव कर मोबाइल का पूरा डाटा डिलीट कर दिया। प्रेमी मनजीत ने अपना अपराध स्वीकार किया है। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में मंजीत को अभियुक्त बना कर जेल भेज दिया गया है।

एसपी पीयूष पांडेय की मॉनिटरिंग की हो रही है तारीफ

एसपी पीयूष पांडे के निर्देश पर बरलांगा थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह ने हत्या और आत्महत्या में पूरी कहानी को सुलझाने के लिए अपनी पूरी टीम के साथ लगे। पूरे प्रकरण को सुलझाने में करीब 10 दिनों का समय लगा। लेकिन मामले का खुलासा होने के बाद हर कोई पुलिस जांच की वाहवाही कर रहा है। क्योंकि मामले को गंभीरता से जांच पड़ताल नहीं किया जाता तो कई निर्दोष आज सलाखों के पीछे होते हैं और दोषी खुली हवाओं में सांस लेते नजर आता।

क्या है मामला

बरलांगा थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह ने बताया कि 19 नवंबर को थाना क्षेत्र के पूरबटांड निवासी तेजू सिंह के घर में उनकी बहू पायल कुमारी ने पंखे से साड़ी के सारे पंखे में झूलकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद मृतिका के पिता तपेश्वर सिंह ने एक लिखित आवेदन देकर दहेज के खातिर बेटी की हत्या करने का आरोप ससुराल वालों पर लगाया। पुलिस ने बरलंगा थाना कांड संख्या 26/ 2022 धारा 304 बी 34 भादवी के तहत नामजद अभियुक्त मृतिका के पति विशाल सिंह, ससुर तेजू सिंह, सास बुधनी देवी एवं देवर बीरू सिंह को नामजद अभियुक्त बनाकर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

शादी के बाद भी प्रेमी के संपर्क में थी पायल

उन्होंने बताया कि अनुसंधान जब बारीकी से शुरू हुई तो पता चला कि मृतिका पायल कुमारी का प्रेम प्रसंग शादी से पहले ही उसके मायके कुम्हार डीहा थाना बड़कागांव हजारीबाग के रहने वाले मंजीत कुमार पिताजी झमन महतो से चल रहा था। यह प्रेम प्रसंग शादी के बाद भी जारी रहा। पूरे प्रकरण की जानकारी मृतिका के पति को पता चला तो दोनों में आपस में नोकझोंक चलने लगा। लेकिन पायल और प्रेमी मनजीत में बातचीत जारी रहा। कुछ दिनों बाद प्रेमी मंजीत पायल से छुटकारा पाना चाहता था।

पुणे जाने से कहानी में ट्विस्ट

इसी बीच 26 नवंबर को पायल को अपने चाचा के लड़के की शादी में मायके जाना था। जिसमें मनजीत कुमार द्वारा पायल से मिलने का वादा किया। परंतु 18 नवंबर को ही मनजीत कुमार अपने घर से पुणे के लिए ट्रेन पकड़ कर चला गया। इस बात की जानकारी पायल को हुई। जिसके बाद पायल ने 19 नवंबर की सुबह 10:25 बजे मनजीत कुमार को फोन करने के बाद पुणे जाने वाली बात पर नाराज हो गयी और मनजीत को वापस लौटने की जिद्द करने लगी। लेकिन मनजीत ने लौटने से साफ इनकार कर दिया।

महत्वपूर्ण न्यूज

सिंथेटिक्स समूह की दो दिवसीय लगन-ए-ईद महोत्सव का शुभारंभ

रांची (आजाद सिपाही)। सोमवार को अटल वेंडर मार्केट के रॉयल बैंक्विट हॉल में जैन सिंथेटिक्स समूह की ओर से दो दिवसीय लगन-ए-ईद महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन समूह के संस्थापक विमल जैन ने फैब्रिक्स शो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जैन सिंथेटिक्स के पार्टनर विवेक जैन एवं विशाल जैन ने बताया कि विगत पांच वर्षों से समूह ने फैब्रिक क्षेत्र में बहुत विस्तार किया है। इस शो में समूह के सभी उत्पादों को दशार्या गया है। समूह का अपना एक्सक्लूसिव शर्टिंग रेंज अरहम को आज फैब्रिक शो में लॉन्च किया गया। लेडीज सेक्शन में ब्रांडेड कुर्ती का विशाल रेंज पेश किया गया है.फैब्रिक शो में 30 नामचीन कंपनियों के उत्पाद पेश किए गए हैं, जिनमें अरविंद, रिलायंस, माइक्रोमैन, मितवा, मयूर, सोनाली आदि ब्रांड हैं। समूह ने स्कूल यूनिफार्म सेक्शन शुरू किया है। राज्य के कई जिलों से कपड़ा कारोबारी डीलर्स रिटेलर्स शो में आ रहे हैं, जो आगामी लगन और ईद बाजार के लिए बुकिंग करेंगे। श्री जैन ने बताया कि समूह द्वारा एक स्पेशल स्कूल यूनिफॉर्म सेक्शन शुरू किया गया है।

कुमार अनीश को झारखंड स्टेट एसटी रैंक में पहला स्थान मिला

रांची (आजाद सिपाही)। डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातू के बारहवीं कक्षा के कुमार अनीश ने क्लैट 2022 की प्रतियोगी परीक्षा में झारखंड स्टेट एसटी रैंक में पहला स्थान प्राप्त किया है। ऑल इंडिया एसटी रैंक 19 है। कक्षा बारह की ही प्राची कनिष्का को स्टेट रैंक 3240 हासिल हुआ है। आदित्य आनंद ने क्लैट 2022 उत्तीर्ण कर मुंबई नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया है। कक्षा ग्यारहवीं के रूपम कुंडु एवं शुभम कुंडू द्वारा बनाया गया सोलेनॉयड इंजन का मॉडल सीबीएसइ साइंस एग्जीबिशन 2022-23 के नेशनल राउंड के लिए चयनित हुआ है। इसमें उन्होंने इलेक्ट्रिक इंजन जिसमें पावर पिस्टन द्वारा जेनेरेट होता है, उसकी जगह सोलेनॉयड द्वारा पावर जेनरेट कर इंजन को चलाया जाता है। प्राचार्य विनय कुमार पांडेय ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अपनी रुचि के प्रति लगन रखने और नित्य परिश्रम करने से हमें सफलता मिलती है।

विधायक ने डिजाइन इवेंट का किया उद्घाटन

रांची (आजाद सिपाही)। डाइमेंशन कैड सेंटर श्रीसाईं टावर लालपुर रांची में डिजाइन इवेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री सह विधायक डॉ नीरा यादव थीं। मुख्य अतिथि ने डिजाइन इवेंट की शुरुआत करते हुए कहा कि इस तरह के संस्थानों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एक अच्छी जगह है। यहां की शिक्षा की गुणवत्ता उच्च स्तर की है। इस मौके पर डायमेंशन के सीइओ पंकज गुप्ता ने कहा कि हमारे यहां सिविल, मैकेनिकल, इंटीरियर, आर्किटेक्चर और फैशन डिजाइनिंग की डिप्लोमा, डिग्री और मास्टर की पढ़ाई होती है। डायमेंशन इवेंट करने का मकसद लोगों को जानकारी देना है कि इस सेंटर में किस-किस तरह के कोर्स होते हैं। इस मौके पर संस्थान के नीरज गुप्ता ने कहा कि इस संस्थान के अधिकतर छात्रों का प्लेसमेंट हो जाता है और उनका पैकेज पांच से छह लाख सालाना तक रहता है। इस मौके पर डायमेंशन कैड सेंटर ने कई नये कोर्स की शुरुआत की, जिसमें डीसीए, डीटीपी, टैलीकोर्स आदि हैं।

शारदा फाउंडेशन ने जरूरतमंद लोगों के बीच किया खिचड़ी का वितरण

रांची (आजाद सिपाही)। नव वर्ष के उपलक्ष्य पर शारदा फाउंडेशन ने कांके स्थित बुकरु ग्राम में ग्रामीणों के बीच खिचड़ी का वितरण किया। संस्था के द्वारा इस सेवा कार्य को सभी लोगों ने सराहा। इस मौके पर पंकज बंका, बजरंग गुप्ता, संतोष कुमार, शहदेव मुंडा आदि संस्था के लोग उपस्थित थे।

डीलर एसोसिएशन के अधिकारियों ने दो टैंकर तेल किया जब्त

चतरा (आजाद सिपाही)। सीसीएल की आम्रपाली कोल परियोजना में अवैध डीजल कालाबाजारी व आपूर्ति की साजिश का एक बार भंडाफोड हुआ। पेट्रोल पंप डीलर एसोसिएशन जिला इकाई के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष ने अवैध डीजल लगा दो टैंकर पकड़ा है। टैंकरों को पकड़कर सिमरिया थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया। टैंकरों से बरामद दस्तावेज के मुताबिक इंडियन ऑयल के टैंकर में लोड है रिलायंस का डीजल। कानपुर से रिलायंस का डीजल लोड कर दोनों टैंकर धनबाद भेजा जा रहा था। पेट्रोल पंप एसोसिएशन के मुताबिक आम्रपाली कोल परियोजना में कार्यरत अंबे माइनिंग द्वारा टैंकरों के माध्यम से कराई जा रही डीजलों की कालाबाजारी। प्रतिदिन सरकारी नियमों को धता बताकर लगाया जा रहा राज्य सरकार को करोड़ों के राजस्व का चूना। इंडियन ऑयल के टैंकर मे रिलायंस का लोड डीजल पकड़े जाने से कोयलांचल में हड़कंप मच गया। एसोसिएशन ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अंबे माइनिंग करवा रही माइंस में संचालित गाड़ियों व मशीनों में कालाबाजारी के डीजल की आपूर्ति। पकड़े गए टैंकरों को मामला मैनेज कर छुड़ाने को ले कंपनी के सौरभ झा और मो शमीम नामक दो कर्मी सक्रिय है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों को फर्जी केस में फंसाने की धमकी देकर टैंकरों को छुड़ाने का प्रयास भी किया जा रहा है। सिमरिया-टंडवा रोड पर पकड़ी गई है गाड़ियां। इंडियन ऑयल से पूर्व में ही ब्लैक लिस्टेड है पकड़ा गया डीजल लदा टैंकर। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी विवेक कुमार, गाड़ियों को जप्त कर थाना में पहुचायी गयी।

अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ सुदेश महतो से मिला

कोर्ट फीस वृद्धि से आम लोगों को नहीं मिलेगा सुलभ न्याय : पंकज श्रीवास्तव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ का एक प्रतिनिधिमंडल आज आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो से मिला एवं राज्य में कोर्ट फीस में की गयी अप्रत्याशित वृद्धि के बाद उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की । पूर्व न्यायाधीश सह सेवानिवृत प्रधान सचिव, झारखंड पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि झारखंड सरकार ने बिना किसी चर्चा के कोर्ट फीस में कई गुना वृद्धि कर दी है। ऐसे ही आम जनता न्याय से कोसों दूर है और ऐसी नीतियों के कारण अब स्थिति और भयावह हो जायेगी। हमारा प्रयास होना चाहिए कि आम जनता को सुलभता से न्याय मिले, लेकिन सरकार की मंशा इसके बिल्कुल विपरीत है। एक ओर बिहार, गुजरात, जम्मू कश्मीर, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में अधिकतम कोर्ट फीस 50 हजार से 75 हजार रुपए के बीच है। वहीं झारखंड में इस अधिसूचना के जारी होने के बाद यह कोर्ट की अधिकतम राशि 50 हजार से बढकर तीन लाख तक हो गया है। अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ के प्रधान महासचिव भरत चंद्र महतो ने कहा कि अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ सरकार से यह मांग करती है कि जनहित को देखते हुए झारखंड कोर्ट फीस अमेंडमेंट एक्ट-2022 को अविलंब वापस ले, अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट अविलंब लागू करे तथा 25 सीआरपीसी के तहत सभी जिला न्यायालय में लोक अभियोजक एवं सहायक लोक अभियोजक की अविलंब नियुक्ति करे। उन्होंने कहा कि यदि सरकार कोर्ट फीस में की गयी वृद्धि वापस नहीं लेती है तो अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ सड़क में उतर कर इसका विरोध करेगी। प्रतिनिधिमंडल में अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ के प्रदेश प्रधान महासचिव भरत चंद्र महतो, उपाध्यक्ष दिनेश चैधरी, हाईकोर्ट अध्यक्ष मेल प्रकाश तिर्की, निरंजन राम, राजेश सिंह, मिडिया प्रभारी मृत्युंजय प्रसाद, द्रौपदी कुमारी महतो शामिल थे।

दूसरों को सुख देने से बडा कोई पुण्य नहीं : सदानंद महाराज

सत्संग भवन में चार दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चार दिवसीय श्रीमद्भागवत कृष्ण कथा के अंतिम दिन कथा के यजमान सुनीता राजू अग्रवाल एवं परिवार के सदस्यों ने श्रीमद्भागवत की आरती की। इस मौके पर कथा की अमृत श्रवण स्वामी सदानंद महाराज के मुखारविंद से भक्तों ने किया। शिवगंज हरमू रोड स्थित सत्संग भवन में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन दिन संत सदानंद महाराज ने कहा कि मन वाणी समस्त इंद्रियों द्वारा जो भी करें, वह सब परम पुरुष भगवान को समर्पित करते हुए करें। यही भागवत धर्म है। साधना भक्ति द्वारा प्रेम भक्ति प्राप्त होती है और वह भगवान के पारायण होकर माया को अनायास ही पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि दूसरों को सुख देने से बडा कोई पुण्य नहीं और दूसरों को कष्ट देने बडा कोई पाप नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि इस प्रकार सुखदेव जी के मुखारविंद से राजा परीक्षित ने श्रीमद्भागवत कथा सुनी। उन्हें मोक्ष प्राप्त हुआ। तत्पश्चात कथा के यजमान तथा उनके परिवार एव संस्था के सदस्यों ने व्यास पूजा कर पुणार्हुति की। सदानंद महाराज दोपहर 12 बजे हवाई मार्ग द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान कर गये। समिति के सचिव मनोज चौधरी ने श्रीमद्भागवत के आयोजन में पूर्ण रुप से सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया एवं धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल सचिव मनोज चौधरी, ओम सरावगी, नंदू चौधरी, नवल अग्रवाल विजय अग्रवाल, पवन पौदार, निर्मल छावनिका, विष्णु सोनी, मनीष जालान, विशाल जालान आदि उपस्थित थे। यह सभी जानकारी उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजु अग्रवाल) ने दी।

देश की पहली मुस्लिम शिक्षिका थीं फातिमा शेख

नाजिया तबस्सुम

वर्ष 2022 में गूगल ने भारतीय शिक्षिका और फेमिनिस्ट फातिमा शेख का डूडल विश्व स्तर पर जारी किया था। आज फातिमा शेख की 192वीं जयंती है। फातिमा भारत की प्रमुख महिला समाज सुधारकों में से एक रहीं जिन्होनें शिक्षा की लड़ाई लड़ा था। इसलिए उन्हें गूगल ने यह खास सम्मान दिया है। हालांकि देश में बहुत ही कम लोग होंगे जो उनके बारे में जानते हैं। लेकिन हम आपको बता दें कि फातिमा का ज्योतिबाराव फूले और सावित्रीबाई फूले से गहरा संबंध रहा है। दरअसल उनके साथ मिलकर ही फातिमा ने देश में बच्चियों की शिक्षा के लिए काम किया और कहा जाता है कि वह भारत की पहली मुस्लिम महिला शिक्षिका थीं।

कौन थीं फातिमा शेख : फातिमा शेख का जन्म 1831 में महाराष्ट्र के पुणे में हुआ। उस जमाने में स्त्री शिक्षा का कोई महत्व नहीं था। महिलाओं को घरों की चारदीवारी में रखा जाता था और उन्हें पढ़ने की अनुमति नहीं थी, लेकिन ज्योतिबा राव फुले ने देश में शिक्षा की अलख जगायी। उन्होंने दलित समुदायों और महिलाओं की शिक्षा के लिए बहुत से काम किए और इन सभी कामों में उनकी पत्नी सावित्रीबाई फूले ने उनका भरपूर सहयोग किया, लेकिन लोगों को यह मंजूर नहीं था और इसलिए फूले दंपति को घर से बेघर होना पड़ा। ऐसे में फातिमा और उनके भाई शेख उस्मान ने फूले दंपति का साथ दिया। उन्होंने न सिर्फ उन्हें अपने घर में रहने की जगह दी बल्कि बच्चियों के लिए स्कूल चलाने की इजाजत भी दी। वर्ष 1848 यहीं से फातिमा शेख और फूले दंपति अभियान से जुड़ गयी।

घर से शुरू की स्वदेशी लाइब्रेरी

फातिमा ने सावित्रीबाई के साथ मिलकर अपने ही घर में स्वदेशी लाइब्रेरी की शुरू की। उन्होंने दलित, पिछड़े समुदाय के बच्चे और मुस्लिम महिलाओं को पढ़ाना शुरू किया, जिन्हें वर्ग धर्म या लिंग के आधार पर शिक्षा से वंचित रखा जाता था। इस काम के बदले में फातिमा को भी काफी ज्यादा विरोध सहना पड़ा उनके उपर पत्थर चलाये गये लेकिन वह पीछे नहीं हटीं। उन्होंने घर-घर जाकर अपने समुदाय के साथ दलित, पिछड़ों और वंचित तबके के बच्चों को स्वदेशी लाइब्रेरी में आकर पढ़ने और भारतीय जाति व्यवस्था से बाहर निकलने के लिए जागरूक किया। वह सत्य-शोधक अन्दोलन का भी हिस्सा रहीं। भारत सरकार ने 2014 में फातिमा शेख की जीवनी और उनके शैक्षणिक कार्यों को उर्दू पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया गया।

मांग किया : झारखंड सरकार जेसीईआरटी द्वारा प्रकाशित किताबों में इनकी जीवनी को शामिल करें और साथ ही साथ सावित्री बाई फुले समृद्धि योजना के तर्ज पर फातिमा शेख प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना शुरू कियें जाए।

(लेखिका : महिला मामलों के जानकार हैं।)

अफीम की खेती करने वालों पर चला डंडा

टंडवा (आजाद सिपाही)। स्थानीय थाना एवं वन विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अफीम की खेती करने वालों पर डंडा चलाया गया।टंडवा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह एवं वनक्षेत्र पदाधिकारी मुक्ति प्राकाश पन्ना के संयुक्त टीम के नेतृत्व में चतरा एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सोमवार को लगभग एक एकड़ में लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया। उक्त खेती टंडवा प्रखण्ड क्षेत्र के फुलवरिया मारंगलोईया एवम लातेहार सीमाना के बॉर्डर से सटे जंगल में की जा रही थी सूचना के आलोक में ये अभियान चलाया गया। इस अभियान में संयुक्त रूप से इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह, वन क्षेत्र पदाधिकारी मुक्ति प्रकाश पन्ना,वन कर्मी के जवान वनरक्षी समेत पुलिस जवान मुस्तैद थे।

अज्ञात अपराधियों ने गुडकुवा निवासी राजेंद्र उरांव की हत्या की

उरीमारी (आजाद सिपाही)। उरीमारी थाना क्षेत्र के गरसुला रोड़ स्थित तेतरिया जंगल में सोमवार को गुडकुवा निवासी राजेंद्र उरांव उम्र लगभग 26 वर्ष पिता सकबीर उरांव की शव बरामद हुई। हत्या अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर कर दिया है।शरीर में तीन चार जगह छेद के निशान पाया गया। वहीं बगल के झाड़ी में मृतक राजेंद्र उरांव का मोटरसाइकिल स्पेलंडर जेएच 02 ए के – 0496 खड़ा पाया गया।लाश का शिनाख्त उरीमारी पुलिस ने राजेंद्र उरांव के परिजनों के द्वारा कराया गया। शव का शिनाख्त कर उरीमारी पुलिस के द्वारा कागजी कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया गया।

मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए निःशुल्क क्लासेस का किया उद्घाटन

चतरा के छात्रों को तैयारी के लिए नहीं जाना होगा बाहर, मिलेगी सुविधा : सत्यानंद भोक्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा । जिला प्रशासन के सौजन्य से मोशन जी/ नीट फाउंडेशन कोटा महिला महाविद्यालय चतरा में फ्री कोचिंग का मंत्री सत्यानंद भोक्ता बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्री के आगमन पर उपायुक्त अबु इमरान ने आभार व्यक्त करते हुए पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारी/ कर्मियों/ मीडिया बंधुओ/ शिक्षक-शिक्षिकाओं/ छात्र-छात्राओं को नव वर्ष की शुभकानाएं देते हुए अपने संबोधन में कहा कि जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्व में निःशुल्क योग्य छात्र-छात्राओं के लिए यूपीएससी, जेपीएससी क्लासेस का शुभारंभ किया गया था। जिससे कि जिले के योग्य छात्र-छात्राओं को यूपीएससी, जेपीएससी, बीपीएससी जैसे उच्च शिक्षा की तैयारी करने के लिए दूसरे प्रदेश न जाना पड़े इसके लिए उच्च शिक्षा की व्यवस्था महिला महाविद्यालय चतरा में निःशुल्क क्लासेस का शुभारंभ किया गया। साथ ही उन्होने कहा कि इसी प्रकार से इंजीनियरिंग के क्षेत्र में तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं एवं मेडिकल की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मोशन जी/नीट फाउंडेशन कोटा के द्वारा जिला प्रशासन के सौजन्य से निःशुल्क जी/नीट क्लासेस का शुभारंभ किया गया। मौके पर मंत्री ने छात्र-छात्राओं के बीच मोशन जी/नीट फाउंडेशन कोटा के द्वारा प्राप्त पठन पाठन कीट का वितरण किया। उक्त मौके पर उपायुक्त अबु इमरान, पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा मुमताज अंसारी, 20 सुत्री उपाध्यक्ष प्रभु दयाल यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिषेक बड़ाईक, राजद जिला अध्यक्ष नवल किशोर यादव, विद्यालय के छात्र-छात्राएं समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मंत्री ने जिला 20 सूत्री कार्यालय का फीता काट किया उद्घाटन

चतरा (आजाद सिपाही)। निर्वाचन कार्यालय स्थित जिला 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति कार्यालय का मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने फीता काट उद्घाटन किया। उक्त मौके पर उपायुक्त अबु इमरान, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, 20 सूत्री उपाध्यक्ष प्रभु दयाल यादव, जिला अध्यक्ष नवल किशोर यादव समेत पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिहार ने बढ़ाये कदम

बिहार में बहुचर्चित जातिगत जनगणना का पहला चरण शनिवार से शुरू हो गया। राज्य की महागठबंधन सरकार के इस कदम पर सबकी नजरें टिकी हैं। इसकी राजनीतिक अहमियत तो है ही, कई अन्य लिहाज से भी यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगर जातिवार गणना का यह काम सफलतापूर्वक पूरा हो जाता है, तो 1930 के बाद से पहली बार राज्य में विभिन्न जातियों की संख्या को लेकर अधिकृत आंकड़े सामने आयेंगे। 2011 की जनगणना में देश भर में जाति से जुड़े आंकड़े इकट्ठा जरूर किये गये थे, लेकिन बड़े पैमाने पर गलतियों के मद्देनजर इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। इस बार भी जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक दलों में ही नहीं, सरकारों के बीच भी खासा मतभेद है। केंद्र सरकार न केवल जातिगत जनगणना की जरूरत महसूस नहीं करती, बल्कि सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर करके इसे अव्यावहारिक बता चुकी है। जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में एक राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल इस मसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने गया था, तो बीजेपी भी खुद को उससे अलग नहीं रख पायी थी। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी चाहे जो भी कहती हो, प्रदेश में पार्टी के नेताओं ने कभी ऐसी कोई बात नहीं कही, जिससे उन्हें इस मांग के खिलाफ माना जाये। ऐसे में बिहार में जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक सर्वसम्मति शुरू से रही है। फिर भी देखना होगा कि यह कवायद कहां तक आगे बढ़ती है और इसे कितनी कामयाबी मिलती है। क्या इस बार भी उसमें वैसी ही गलतियां होंगी, जिनकी वजह से 2011 की इस कवायद के नतीजे बाहर नहीं आ सके? अगर नहीं तो उन गलतियों से बचने के लिए राज्य सरकार ने कौन से विशेष उपाय किये? वैसे राज्य सरकार अभी से यह साफ कर चुकी है कि नतीजे चाहे जो भी हों, उन्हें सार्वजनिक किया जायेगा। माना जा रहा है कि गिनती से ओबीसी और पिछड़े जाति समूहों के लोगों का कुल आबादी में बढ़ा हुआ अनुपात स्थापित होगा, जिसके बाद उनके लिए आरक्षण प्रतिशत में बढ़ोतरी की मांग को तथ्यों का बल हासिल होगा। बहरहाल, अभी तो ये अनुमानों-आशंकाओं के ही दायरे में आने वाली बातें हैं। वैसे जाति से अलग इसका प्रशासनिक पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जैसा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा भी है कि इस कार्यक्रम में सभी जाति समूहों से जुड़े परिवारों की आर्थिक स्थिति से जुड़े आंकड़े इकट्ठा किये जाने हैं। यानी सारे आंकड़े ठीक से इकट्ठा कर लिये गये तो हर क्षेत्र की आबादी की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की सटीक जानकारी उपलब्ध हो जायेगी। स्वाभाविक ही इससे नीति निर्धारण में आसानी होगी। बहुत संभव है कि कई अन्य राज्य भी बिहार सरकार के इस कदम से प्रेरित हों। मगर सबसे पहले यह देखना होगा कि बिहार सरकार की यह पहल किस हद तक अपनी तार्किक परिणति तक पहुंचती है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा भी है कि इस कार्यक्रम में सभी जाति समूहों से जुड़े परिवारों की आर्थिक स्थिति से जुड़े आंकड़े इकट्ठा किये जाने हैं। यानी सारे आंकड़े ठीक से इकट्ठा कर लिये गये तो हर क्षेत्र की आबादी की सामाजिक और आर्थिक स्थिति की सटीक जानकारी उपलब्ध हो जायेगी।

अभिमत
आजाद सिपाही

नीलांबर पीतांबर पलामू के दो महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने 1857 ई की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने में अहम भूमिका निभायी थी। नीलाम्बर एव पीताम्बर शाही भोगता का जन्म 10 जनवरी 1823ई को गढ़वा जिला के भंडरिया स्थित चेमू सेनया गांव में हुआ था। नीलाम्बर पीताम्बर दोनों सहदोर भाई थे। इनके पिता का नाम चेमू सिंह भोगता था।

देश की आजादी में वीर शहीद नीलांबर-पीतांबर के योगदान को भुलाया नही जा सकता

विश्वनाथ गंझू

10 जनवरी : नीलांबर पीतांबर जयंती पर विशेष

समस्त अंग्रेजी सरकार दोनों भाइयों को पकड़ने के लिए कई बार कोशिश की, लेकिन हमेशा दोनों भाइयों ने अंग्रेजों के मंसुबे को कामयाब नही होने दिया। लेकिन अंत में कर्नल डाल्टन ने दोनों भाइयों को एक भोज के अवसर पर पकड़ लिया। दोनों भाइयों के खिलाफ एक संक्षिप्त मुकदमा चला कर उन्हे फांसी पर लटका दिया।

देश की आजादी की लड़ाई की बात हो और वीर शहीद नीलांबर पीतांबर का नाम ना लिया जाये, यह हो नही सकता है। आजादी की लड़ाई में इन दोनों भाइयों के योगदान को भुलाया नही जा सकता है। नीलांबर पीतांबर पलामू के दो महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने 1857 ई की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने में अहम भूमिका निभायी थी। नीलांबर एव पीतांबर शाही भोगता का जन्म 10 जनवरी 1823 ई को गढ़वा जिला के भंडरिया स्थित चेमू सेनया गांव में हुआ था। नीलांबर पीतांबर दोनों सहदोर भाई थे। इनके पिता का नाम चेमू सिंह भोगता था।

भोगता-खरवार का संगठन बनाया

अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के लिए दोनों भाइयों ने भोगता तथा खरवार समुदाय को मिलाकर एक शक्तिशाली संगठन बनाया। पलामू जिला में चेरो तथा खरवार जाति की प्रधानता है। नीलांबर पीतांबर ने अपनी शक्ति को मजबूत करने के लिए चेरो के जागीरदारों से दोस्ती की। उन्हे उनका अधिकार वापस दिलाने की शर्त पर उनका समर्थन प्राप्त किया।

28 मार्च 1859 को नीलांबर और पीतांबर को फांसी पर लटका दिया गया।

अंग्रेजों के कैंप पर किया हमला

21 अक्टूबर 1857 ई को दोनों भाइयों के नेतृत्व में चैनपुर, शाहपुर तथा लेस्लीगंज स्थित अंग्रेजों के कैंप पर आक्रमण किया गया, जिसमें वह काफी हद तक सफल रहे। इसी बीच अंग्रेजी सरकार को इन दोनों भाईयों के नेतृत्व की सुचना मिली। जिसके बाद उनका प्रतिरोध करने के लिए मेजर कोर्टर के नेतृत्व में इनको दबाने के लिए एक सैनिक टुकड़ी को भेजा गया। बाद में अंग्रेज सैन्य अधिकारी ग्राहम को भी सैनिक टुकड़ी के सहयोग के लिए भेजा गया। दोनों भईयों ने लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ गोलबंद किया।

नीलांबर-पीतांबर के विद्रोह को कुचलने के लिए डाल्टन ने एक बड़ी सेना लेकर 27 जनवरी, 1858 में पलामू किले पर आक्रमण कर दिया था। अंग्रेजी सेना ने पलामू किले को तीनों ओर से घेर कर तोपों से अंधाधुंध गोले दागे थे। इससे उसमें छिपे नीलांबर-पीतांबर और उनके साथी किसी तरह घने जंगल के रास्ते भागने में सफल रहे थे। यद्यपि उन्हें भारी मात्रा में अपने हथियार और रसद छोड़ कर भागना पड़ा था। इस दौरान अंग्रेजों को पलामू किले से बाबू कुंवर सिंह के भाई अमर सिंह का लिखा पत्र एक थैले से मिला, जिसमें उनकी ओर से विद्रोहियों की जान गयी थी, जबकि एकमात्र अंग्रेज सैनिक मारा गया था और दो सैनिक घायल हुए थे। इसके दूसरे दिन 28 जनवरी,1858 को डाल्टन के संदेह के आधार पर मनिका के निकट टिकैत उनारस सिंह और उनके दीवान शेख भिखारी को विद्रोह में शामिल रहने के अभियोग में पकड़ लिया गया था

डाल्टन ने चेमु सनेया को घेरा

13 फरवरी,1858 को पहली बार डाल्टन अपने सैनिकों के साथ नीलांबर-पीतांबर के गांव चेमु सनेया पंहुचा था। उस समय उसने चेमु और सनेया दोनों गांवों को तीनों ओर से घेर कर मजबूत मोर्चा बना लिया था, लेकिन इस दौरान भी अंग्रेज सैनिकों को कड़ा विरोध झेलना पड़ा। पलामू गजेटियर में इस बात का उल्लेख है कि नीलांबर-पीतांबर को पकड़ने के लिए डाल्टन को लगातार 23 फरवरी तक कोयल नदी के किनारे चेमो गांव में डेरा डालना पड़ा था, लेकिन इसके बाद भी वह दोनो भाइयों और उनके साथियों को पकड़ने में विफल रहा। इस बीच डाल्टन काफी थक चुका था। इसके कारण वह हाथ मलते हुए डालटनगंज लौटने को मजबूर हो गया। इस दौरान नीलांबर-पीतांबर और उनके साथियों को भी राशन-पानी खत्म हो जाने एवं लगातार लड़ाई में थक जाने की वजह से पहाड़ियों की ओर भाग कर शरण लेनी पड़ी थी। 10 दिनों से लगतार अभियान के दौरान विद्रोहियों के हमले में अंग्रेज सैनिकों को काफी नुकसान उठाना पड़ा था। डाल्टन के अनेक सैनिक मारे गये थे और दर्जनों सैनिक बुरी तरह से घायल हुए थे। रामगढ़ अश्वसेना का एक दफादार जैसे ही चेमू गांव को पूरी तरह से जलाने का आदेश दे दिया। 22 फरवरी को डाल्टन के लौटने के पूर्व चेमू गांव के घर में तोड़ फोड़ करते हुए उसे आग लगा कर पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। इसके दूसरे दिन 23 फरवरी को इसी तरह सनेया गांव को भी नष्ट कर दिया गया। यहां तक कि ग्रामीणों के अनाज और उनके मवेशियों पर भी अंग्रेज सैनिकों ने कब्जा कर लिया।

भोज के अवसर पर पकड़े गये दोनों भाई

समस्त अंग्रेजी सरकार दोनों भाइयों को पकड़ने के लिए कई बार कोशिश की, लेकिन हमेशा दोनों भाइयों ने अंग्रेजों के मंसुबे को कामयाब नही होने दिया, लेकिन अंत में कर्नल डाल्टन ने दोनों भाइयों को एक भोज के अवसर पर पकड़ लिया। दोनों भाइयों के खिलाफ एक संक्षिप्त मुकदमा चला कर उन्हे फांसी पर लटका दिया। 28 मार्च 1859 को उन्हें फांसी पर लटका दिया गया। बाद में दोनों भाइयों की संपत्ति को भी अंग्रेजी हुकुमत द्वारा जब्त कर ली गयी। महज 35 साल की उम्र में दोनों भाइयों ने स्वतंत्रता के आंदोलन में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंक कर अपनी प्राणों की आहुति दे दी।

जमशेदपुर की खबरें

विश्वजीत पंडा होंगे कोल्हान यूथ इंटक के उपाध्यक्ष और मनोज पाठक सचिव

प्रदेश महासचिव की अध्यक्षता में कोल्हान कमेटी का हुआ विस्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। कोल्हान यूथ इंटक का विस्तार करते हुए विश्वजीत पंडा को कोल्हान प्रमंडल इंटक का उपाध्यक्ष एवं मनोज पाठक को कोल्हान सचिव मनोनीत किया गया है। यूथ इंटक के प्रदेश महासचिव अंजनी पांडेय की अध्यक्षता में सोमवार को कोल्हान कमेटी का विस्तार किया गया। बता दें कि प्रदेश यूथ इंटक के महासचिव अंजनी पांडेय की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में संगठन की कोल्हान कमेटी का विस्तार किया गया। इसके तहत विश्वजीत पंडा को कोल्हान का उपाध्यक्ष पद पर एवं मनोज पाठक को कोल्हान के सचिव पद के लिए मनोनीत किया गया। मजदूर नेता सह प्रदेश यूथ इंटक के अध्यक्ष रवि चौबे ने शपथ ग्रहण सह प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस मौके पर यूथ इंटक के प्रचार सचिव अंजनी कुमार तथा यूथ इंटक प्रदेश सचिव मदन शर्मा, सोनी सिंह और रेखा तिवारी उपस्थित थे।

भोजपुरिया बेयार के बैनर तले कवि गोष्ठी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बर्मामाइंस में भोजपुरिया बेयार के बैनर तले विधायक सरयू राय का अभिनंदन किया गया. साथ ही कवि गोष्ठी सह लिट्टी पार्टी कार्यक्रम आयोजित की गई. जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय शामिल हुए. भोजपुरिया बेयार के अध्यक्ष रमेश कुमार ने कहा कि लिट्टी पार्टी तो बहाना है दरअसल विधायक सरयू राय सफलता पूर्वक तीन साल कार्यकाल पूरा किए हैं। इस खुशी में एक सजग जनप्रतिनिधि का सम्मान तो बनता ही है। कार्यक्रम के दौरान बलविंदर सिंह, यमुना तिवारी व्यथित, उदय प्रताप हयात, कैलाशनाथ गाजीपुरी आदि कवियों ने सरयू राय के सम्मान में कविताओं की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी। विधायक सरयू राय अपने संबोधन में ताजा राजनीतिक घटना क्रम, राजनीति दूरियों के कारण की परिस्थिति आदि पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भविष्य का रास्ता क्या हो सकता है यह विचार करने की बात होनी चाहिए। हम जब किसी की आलोचना करते हैं तो आत्मचिंतन भी कर लेना चाहिए।

उन्होंने कवियों को उनके सम्मान में रचना प्रस्तुत करने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अभिजीत रंजन ने बुके भेंटकर सरयू राय का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में डॉ विमलेश ठाकुर, बलविंदर सिंह, दुर्गा, परशुराम प्रसाद, आशुतोष, कमल किशोर विधायक प्रतिनिधि, नागेंद्र सिंह, भोला रजक, विजय शाही, राम नारायण शर्मा, अभिजीत रंजन, डॉ अजय ओझा, रविंद्र प्रताप सिंह, कन्हैया दुबे, रविंद्र ठाकुर, विजय साही, बबली, सुबोध श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

घाटशिला में भाजपा नेत्री डॉ सुनीता सोरेन ने बांटे कंबल

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। घाटशिला विधानसभा के आसना पंचायत के छोटा दधिका गांव में भाजपा नेत्री सह समाजसेवी डॉ सुनीता देबदूत सोरेन के द्वारा इस कड़ाके की ठंड को देखते हुए 50 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया. विदित हो कि कंबल वितरण का कार्यक्रम डॉ सुनीता और उनकी टीम के द्वारा नवंबर 2022 से ही घाटशिला के विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। मौके पर डॉ सोरेन ने कहा कि सबसे सुखी वही है, जो किसी और के काम आये। किसी को कुछ देना महज दान मात्र नहीं होता है। यह जीवन का एक सार्थक बदलाव होता है, जब आप किसी के लिए कुछ अच्छा करते हैं तो कई और लोगों को अच्छा करने के लिए प्रेरित करते हैं और यही एक सामाजिक प्रयास बनता है।

उन्होंने कहा कि इस सर्दी के मौसम में ठंड की वजह से कोई बीमार न पड़े और किसी की मौत न हो, इसलिए इस साल अपने निजी स्तर से घाटशिला के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर कंबल का वितरण किया, ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। मौके पर आसना पंचायत के मुखिया मान सिंह हेंब्रम, ग्राम प्रधान कन्हाई लाल हेम्ब्रम, रामकृष्ण मुर्मू, भाजपा महामंत्री शंकर सेठ, बिनय बेरा, विश्वनाथ कांझी, कपिल मुंडा, दिलीप मुर्मू, पवन हांसदा, संजय मुर्मू उपस्थित थे।

पोड़ाहाट एसडीओ ने नाली निर्माण की जांच की, तीन दिन में जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

चक्रधरपुर। पोड़ाहाट एसडीओ सह नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी रीना हांसदा नेनगर पर्षद की अधूरी योजनाओं को लेकर काफी गंभीर है। इस मामले को लेकर सोमवार को चक्रधरपुर के मेन रोड, बांग्ला टांड़ और पंप रोड में बन रहे करोड़ों रुपया से आरसीसी नाली निर्माण का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीओ ने अब तक हुए तीनों नाली निर्माण कार्य का भौतिक सत्यापन किया।

निरीक्षण में एसडीओ ने कई खामियां पायी और कहा कि तीन दिनों में तीनों नाली का विस्तृत रिपोर्ट बनने के बाद ही इसपर आगे की कार्रवाई की जायेगी। एसडीओ रीना हांसदा ने बताया कि उन्हें कई दिनों से मेन रोड,बांग्ला टांड़ और पंप रोड में बन रहे नाले की शिकायत मिल रही थी। उसी शिकायत पर वे नाली की जांच करने सोमवार को गयी थी। एसडीओ ने बताया कि नाली निर्माण में कई तरह की खामियां देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां नाली निर्माण में गुणवत्ता से खिलवाड़ किया गया है, वहीं दूसरी तरफ नाली निर्माण के लिए जितनी राशि ठेकेदार द्वारा निकाला गया हैं उसकी तुलना में बहुत कम काम धरातल पर देखने को मिल रहा है। प्रथम दृष्टया नाली निर्माण में गड़बड़ी का अंदेशा एसडीओ ने जताया. उन्होंने कहा की निर्माण के विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जायेगी।

बता दें कि लगभग एक नाली में 95 फीसदी एक नाली में 85 फीसदी और 80 फीसदी तक की निकासी हो गयी है, जो काम कि तुलना में काफी अधिक है।

कोल्हान डीआइजी अजय लिंडा ने घाटशिला एसडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

घाटशिला (आजाद सिपाही)। कोल्हान डीआइजी अजय लिंडा ने सोमवार को घाटशिला एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान लगभग दो घंटे तक विभिन्न पंजियों का अवलोकन करते हुए संधारण आदि की जांच की। इसके उपरांत डीआइजी ने बताया कि निरीक्षण काफी संतोषजनक रहा है, कुछ त्रुटियां पायी गयी, जिसे जल्द से जल्द सुधार करने का निर्देश एसडीपीओ कुलदीप टोप्पो को दिया। निरीक्षण के पूर्व गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी लेने के बाद उन्होंने जवानों की वर्दी, जूता, परेड एवं अन्य बिंदुओं के बारीकी से जांच की। वर्दी में कुछ खामियां मिलने पर फटकार लगायी।

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने इपीएफ सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमण्डल संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. गंगाधर पंडा, प्रति कुलपति प्रो. डॉ. कामिनी कुमार, कुलसचिव प्रो. डॉ. जयंत शेखर के साथ ही सिंडिकेट के सदस्य राजेश कुमार शुक्ला, डॉ. अमर सिंह तथा डॉ. एसपी महालिक को एक मांग पत्र सौंपा।

सोमवार को सौपे गए मांग पत्र में विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में तथा स्नातकोत्तर विभाग में कार्यरत संविदा शिक्षकों को ईपीएफ सुविधा प्रदान करने के लिए आग्रह किया गया। कुलपति और कुलसचिव ने आश्वस्त किया मांग को सिंडिकेट की बैठक में रखकर निर्णय के लिए प्रयास किया जाएगा। मौके पर कुलसचिव ने मांगों पर सिंडिकेट ने सहमति जताने का आश्वासन दिया। इपीएफ सुविधा प्रदान करने संबंधित नोटिफिकेशन जारी करने की बात कही। प्रतिनिधि मंडल में डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. पुष्पा सिंह, डॉ. फिरदौस जबीन, डॉ. अंजुम आरा, प्रो. दानिश हमाद के अलावे अन्य शामिल रहे।

भ्रष्ट्राचार को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सभी विभागों में व्याप्त भ्रष्ट्राचार को लेकर कांग्रेस के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रभात कुमार दुबे उर्फ बड़ू दुबे ने हुक्मरानों के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने सोमवार को कांडी में एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा। प्रखंड में जनहित से अलग हटकर जो भी कर्मचारी व पदाधिकारी कार्य करेंगे वह बर्दास्त नही होगा। ब्लॉक, अंचल, अस्पताल एवं बिजली विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार से प्रखंड की जनता त्रस्त है। अंचल कार्यालय में जमीन की ऑनलाइन कराने में भी अवैध उगाही किया जा रहा है। पीएम आवास योजना में भी किस्त भुगतान करने के नाम पर अवैध वसूली किया जा रहा है। जो गरीबों को सताया जा रहा है।इन दिनों ब्लॉक भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। छोटे से लेकर बड़े अधिकारी इसमें लिप्त हैं। जो बर्दास्त से बाहर है। पदाधिकारियों की इस ओछी हरकतों को लेकर सरकार बदनाम हो रही है। अगर एक सप्ताह के अंदर व्यवस्था में अमूलचुन परिवर्तन नही हुआ तो कांग्रेस पार्टी ब्लॉक में तालाबंदी के लिए बाध्य होगी। उधर अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था में सुधार नही हुआ तो आंदोलन होगा। उन्होंने बिजली विभाग का जिक्र करते हुए कहा कि इस जाड़े की मौसम में लोगों के घरों में कूलर, पंखा एसी सब बंद है फिर भी हजारों रुपये बिजली बिल आ रहा है। जो ज्यादती है। जिसको लेकर 12 जनवरी को प्रखंड की जनता के साथ कांडी बिजली सब स्टेशन का घेराव किया जायेगा। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष झरी प्रसाद, हातिम खलीफा, सुधीर दुबे, एनपी सिंह, कमला सिंह, अजय ठाकुर, इरसाद हवारी, राम नाथ प्रसाद, रंजन ठाकुर, गया ठाकुर, पप्पू कुमार, आसमोहम्मद अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया के रोदो गांव स्थित उच्च विद्यालय परिसर में रविवार को युवा जागृति केंद्र के केंद्रीय अध्यक्ष राजन सिन्हा की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा करते हुए पंचायत समिति का गठन किया गया। इसमें सर्व समिति से रामराज सिंह अध्यक्ष, परमेश्वर सिंह उपाध्यक्ष, सुरेश सिंह सचिव, उदय यादव कोषाध्यक्ष, मालदेव सिंह सचिव, हरि नारायण सिंह चंद्रशेखर सिंह आदि को सदस्य के रूप में चयन किया गया। मौके पर उपस्थित युवा जागृति केंद्र के केंद्रीय अध्यक्ष राजन सिन्हा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह कमेटी स्थानीय मूलभूत समस्याओं के लिए सजग है ।युवा जागृति केंद्र के सदस्य संगठित होकर स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। युवा जागृति केंद्र के कार्यों को देख कर अन्य लोग भी प्रभावित हो रहे हैं तथा संगठन से जुड़ रहे हैं। जिससे संगठन काफी मजबूत हो रहा है। आने वाला समय में युवा जागृति केंद्र क्षेत्र में एक विशालकाय संगठन के रूप में उभर कर आयेगा। इसके लिए संगठन के कार्यकर्ता यहां के लोगों के सुख-दुख में दिन रात लगे हुए हैं। मौके पर अर्जुन राम, विजय सिंह, उपेंद्र विश्वकर्मा ,सरवन कुमार, छोटू तिवारी, संजय सिंह सहित काफी संख्या में युवा जागृति केंद्र के सदस्य उपस्थित थे।

पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। समाजसेवी स्व जगन्नाथ सिंह के पहली पुण्यतिथि पर अधौरा रोड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मौजूद लोगो ने वैदिक मंत्रोच्चार के बाद उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। मौके पर उपस्थित लोगों ने कहा कि स्व. जगन्नाथ सिंह की जिंदगी प्रेरणादायक है। संघर्षों से सामना करते हुए उन्होंने समाज मे एक अलग मिसाल पेश किया है। इस दौरान उनके पुत्र सह रेल रोको संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह, उमेश सिंह और अजय सिंह द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल का भी वितरण किया गया। उनके पुत्र विजय सिंह ने कहा कि अपने पिताजी के पुण्य तिथि पर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कर अपने पिताजी को श्रद्धांजलि दे रहे है। इस कड़कड़ाती ठंड में गरीबो कंबल से परेशानी कम होगी। उन्होंने कहा कि समाजसेवा से बड़ा पुण्य का कार्य कुछ नही है। इस दौरान 20 सूत्री अध्यक्ष शैलेश चौबे, वीरेंद्र सिंह, राधेश्याम जायसवाल, प्रणय कुमार देव, उदय प्रताप देव, मनोज कुमार, सीआरपी संजय कुमार सिंह, प्रशांत सिंह, उदय जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, विनोद सिंह, राजा पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

विद्यालय के विद्यार्थी फर्श पर बैठने के लिए मजबूर

केतार (आजाद सिपाही)। राजकीय मध्य विद्यालय पाचाडुमर के प्रधानाध्यापक ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी केतार को आवेदन देकर अपने विद्यालय का छत्तीस बेंच डेस्क लौटाने की मांग किया है। विदित है कि राजकीय मध्य विद्यालय केतार में हो रहे मैट्रिक की परीक्षा मे तत्कालीन प्रखंड प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार की आदेश पर पाचाडुमर राजकीय मध्य विद्यालय से 36 बेंच डेस्क मंगाया गया था। जो अभी तक वापस नहीं किया गया है। जिससे विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन कार्य में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय के आठवी की छात्र-छात्राएं जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रही हैं। जिसके बाद से अभी तक उक्त बेंच डेक्स इसी स्कूल में बेकार पड़ा हुआ है। इस संबंध में पाचाडुमर मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक नंद किशोर पासवान के द्वारा तत्कालीन केंद्र अधीक्षक सह प्रभारी प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार सहित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को पत्राचार कर कई बार बेंच डेक्स भिजवाने के लिए आग्रह किया गया। परंतु इस पर अमल नहीं किया गया। इस संबंध में पूछने पर केतार मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार ने कहा कि बोर्ड परीक्षा के समय बीओ साहब के द्वारा बेंच डेक्स मंगवाया गया था। और परीक्षा समाप्ति के बाद जब भेजने की बात आई तो भाड़ा खर्चा देने के लिए कोई तैयार नहीं हुआ। जिसके कारण बेंच डेक्स मेरे यहां पड़ा हुआ है विभाग को जैसे भेजना चाहे भेजें हम थोड़े ना दबा कर रखे हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत बाजपेई पहुंचे गढ़वा

जिला कार्यसमिति की बैठक में हुए शामिल कार्यकर्ताओं में चुनाव के लिए भरा जोश

आजाद सिपाही संवाददाता

कहा: 2024 के चुनाव में जिस सरकार से मुकाबला है उसके लिए संगठनात्मक और सक्षम तैयारी है जरूरी

गढ़वा। जिला मुख्यालय के नवादा मोड़ स्थित उत्सव गार्डन में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल गढ़वा कार्यसमिति की बैठक जिला कार्यालय गढ़वा में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के प्रभारी एवं राज्यसभा के सांसद सह मुख्य सचेतक लक्ष्मीकांत बाजपेई उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं वंदे मातरम से शुरू हुआ वाजपेई ने नगर मंडल के कार्यकर्ताओं को संबोधन करते हुए कहां की वर्तमान की सरकार से अगले चुनाव में मुकाबले के लिए संगठनात्मक तैयारी वएवं सक्षम तैयारी के लिए यह कार्यसमिति की बैठक जरूरी है। हम कार्यकर्ताओं के बीच आज आप सब की राय जानने के लिए ही आये हुए हैं, जिसके बाद डॉक्टर लक्ष्मीकांत वाजपेई ने घंटों तक लंबी मीटिंग कर उनसे उनकी विचारों को जाना एवं उन्हें भारतीय जनता पार्टी के लिए अगले चुनाव में किस मजबूती से जीत दिलाना है, उसके लिए उन्हें गुरु मंत्र भी दिया साथ ही कहा कि संगठन को मजबूत करना है, तो हमें बूथ का वर्गीकरण करना होगा। जिस बूथ पर हमें ज्यादा वोट मिलता है। उसे ग्रुप वाइज के रूप में वगीकृत करना होगा। हमें सोशल मीडिया को और ज्यादा सक्रिय करना होगा। हमें लीगल टीम गठित करना होगा। वही कहां की संगठनात्मक बैठक है, और प्रभारी बनने के बाद झारखंड प्रदेश में पहले चरण में कार्य करने का मौका मिला उसके बाद दूसरा दौरा है। पहले दौरे में सात संगठनात्मक जिले में गया और अब 4 जिलों में जाकर सभी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उनकी क्या राय है, क्या चाहते हैं उनसे जानकारी लेकर सारा नोट कर रहा हूं और उसके अनुसार अगले कार्यपद्धती तय करेंगे। 2024 में ज्यादा दिन बाकी नहीं है जिस सरकार से हमारी मुकाबला है। उसके लिए हमें कमर कसकर संगठनात्मक तैयारी वह सक्षम तैयारी करनी होगी साथ ही उन्होंने कहा कि बाकी बाद में क्या होगी। वह आगे आगे देखी जायेगी जबकि बूथ नंबर 127 के बूथ अध्यक्ष अभिषेक कश्यप को कार्य से प्रसन्न होकर उन्हें फूल माला से सम्मानित भी किया।

मौके पर इनकी रही मौजूदगी

इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी, गढ़वा जिला के प्रभारी अमित सिंह, पलामू सांसद बीडी राम, प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह, पूर्व विधायक सतेंद्र नाथ तिवारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अलखनाथ पांडे, सूरज गुप्ता, जवाहर पासवान, ईश्वर सागरचंद्रवंशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री यशवंत मिश्रा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के प्रभारी पुष्प रंजन किये। मौके पर उपस्थित भाजपा नगर मंडल के सभी पदाधिकारी शक्ति केंद्र के प्रभारी सह प्रभारी बूथ अध्यक्ष सातों मोर्चा के अध्यक्ष महामंत्री एवं जिला टीम उपस्थित थे।

आजादी के महानायक थे शेख भिखारी और टिकैत उमरांव: अंसारी एकता संगठन

रंका (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन के द्वारा 8 जनवरी को जलुवा स्थित जिला अध्यक्ष फिरोज अंसारी के आवास पर 65वां शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संरक्षक रंका निवासी आफताब आलम ने कहा कि शहीद शेख भिखारी एवं टिकैत उमराव छोटानागपुर के महान क्रांतिकारी योद्धा थे। शेख भिखारी एवं टिकैत उमराव सिंह 1857 के आजादी संग्राम के महानायक थे। जिन्होंने अंग्रेजों के दांत खट्टे किये यातनायें सही मगर सर नहीं झुकाया और हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गये। इस शहादत दिवस पर हम सभी को राष्ट्रहित में चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष फिरोज अंसारी, जिला सचिव आदम अंसारी, हिदायतुल्लाह अंसारी, नियाजुद्दीन अंसारी, अफरोज अंसारी, आलम अंसारी, महताब अंसारी, मेराजुद्दीन अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सिविल कोर्ट और कचहरी के सामने से हटाया अतिक्रमण

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला अनुमंडल पदाधिकारी राज्य महेश्वरम के निदेर्शानुसार अंचला अधिकारी मयंक भूषण एवं बीडीओ कुमुद झा के द्वारा सिविल कोर्ट एवं कचहरी के सामने लगे एनएच 75 मार्ग पर अतिक्रमण ठेला खोमचा को आज हटाया गया साथ ही उन्हें कड़ी निर्देश दिया गया कि यदि दोबारा उनके द्वारा ठेला खोमचा यहां अतिक्रमण कर लगाया गया तो उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई जिला प्रशासन करेगी। क्योंकि यह लगातार उन्हें यहां से अतिक्रमण करने पर हटाया जा रहा है। बुलडोजर चलाया जा रहा है किंतु यह किसी भी हद में मानने को तैयार नहीं है, अतिक्रमण के दौरान सिविल कोर्ट से लेकर जिला मुख्यालय तक लगभग 20 ठेले खोमचे को हटाकर एनएच 75 मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

कंबल का वितरण गया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जायंट्स ग्रुप ऑफ गढ़वा के तत्वधान में गढ़वा के अति पिछड़े डोल गांव में आदिम जनजाति कोरवा एवं दलित महिलाओं एवं बुजुर्गों के बीच कड़कड़ाती ठंढ से बचने के लिए गढ़वा के पूर्व निवासी सरदार बचित्तर सिंह बग्गा के सौजन्य से ग्रुप के अध्यक्ष ध्रुव केशरी के अध्यक्षता में एक सौ कंबल का वितरण गया एवं उपस्थित सभी ग्रामीणों के बीच तिलुवा, लाई का भी वितरण किया गया। इस मौके पर जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 8 के अध्यक्ष अलख नाथ पांडेय, रेडक्रॉस गढ़वा के चेयरमैन डॉ एमपी गुप्ता, फेडरेशन 8 के पूर्व अध्यक्ष विनोद कमलापुरी, यूनिट 2 के डायरेक्टर मनोज केशरी केशरी रूपा गंजी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए फेड अध्यक्ष अलख पांडेय ने लोगों को बताया कि जायंट्स ग्रुप हर साल एवं हर मौसम में गरीबों एवं जरूरत मंदो की सेवा में लगा रहता है। सरकार तो हर स्तर पर गरीब जरूरत मंदो की मदद करती पर बहुत से ऐसे लोग हैं जो सरकारी सहायता से वंचित रह जाते हैं वैसे लोगों को जायंट्स के द्वारा सहायता पहुंचाने का हमलोग भरसक प्रयास करते हैं। इस मौके डॉ एम पी गुप्ता ने जायंट्स के इस समयानुकूल कार्य की सराहना की तथा लोगों को ठंड से बचने के उपाय बताये। ग्रुप अध्यक्ष ध्रुव केशरी ने यहां की व्यवस्था के लिये बिनोद गुप्ता, गुप्ता इंवेस्टमेंट को अति जरूरतमंदो की सेवा में जायंट्स को डोल जैसे सुदूर गांव में बुलाने के लिये तथा बचित्तर सिंह बग्गा जी को हर साल जरूरत मंद लोगों के बीच वितरणके लिए कंबल उपलब्ध कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जायंट्स के सर्व नंदकुमार गुप्ता, मनोज केशरी हिंदुस्तान सेनेटरी, राकेश बाबू सर्राफ, डॉ वीरेंद्र कुमार, अशोक केशरी, मनोज केशरी सन रेडियो, अवधेश कुशवाहा, सुरेश गुप्ता, चंद्रभूषण सिन्हा, चंदन चंद्रवंशी, जायंट्स ग्रुप ऑफ आस्था के गौतम कुमार, दिनेश केशरी गोखुल प्रसाद गुप्ता आदि के विशेष सहयोग रहा।

नहीं रहे गरीबों के मसीहा समाजवादी नेता लाल हेमेन्द्र प्रताप देहाती

विधानसभा के कर्मचारियों को नियमित कराया

बिहार विधानसभा पहुंचते ही श्री देहाती वहां पर भी अपनी छाप छोड़ी। वो बताते है कि जब मैं बिहार विधानसभा पहुंचा तो देखा कि जो कर्मचारी विधानसभा में अपनी सेवा देते थे वे स्थायी नही थे। बल्कि दिहाड़ी मजदूर की तर्ज पर काम करते थे। जब तक सदन चलती थी वे काम करते थे और प्रतिदिन के हिसाब से उन्हें भुगतान कर दिया जाता था। जब सदन नही चलती थी तो वे अपने अपने घर वापस चले जाते थे और इन दिनों की उन्हें कोई भुगतान नही किया जाता था। सदन 1952 से चल रही थी और जब मैं वहां पहुँचा तो यह साल 1969 था यानी 17 सालों से उनलोगों के साथ अन्याय हो रहा था। उस वक्त कांग्रेस के एवम वामपंथ के कई विधायक हुआ करते थे लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नही दिया और उनकी सुधि नही ली।श्री देहाती जी को कर्मचारियों का दर्द का एहसास हुआ और उन्होंने 1970 में उनलोगों का एक यूनियन बनाया। एक दिन जब राज्यपाल महोदय का बजट सेशन में भाषण होना था उसी दिन श्री देहाती के नेतृत्व में सभी विधानसभा के कर्मचारी बगल के मैदान में ही हड़ताल पर बैठ गए। वहां अफरा तफरी मच गयी। सरकार की नींव हिल गयी। सत्ताधारी दल के मुख्यमंत्री सहित सभी विधायकों के होश फाख्ता हो गए। देहाती जी को पुलिस आकर धमकाने लगी, विधायिका से बर्खास्त कर देने की धमकी दी गयी। कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने की भी धमकी दी गयी लेकिन देहाती जी कहां डरने वाले थे। वे एक ही मांग पर अड़े रहे कि पहले इन कर्मचारियों की सेवा को निमित किया जाए फिर सदन चलेगा। कर्मचारियों ने भी एक स्वर में कहा कि देहाती जी जो कहेंगे हम वही करेंगे। जब तक देहाती जी उठने नही कहेंगे तब तक हम यहां से नही उठेंगे चाहे हमपर गोली ही क्यों न चले।उनलोगों ने विधानसभा का दरवाजा ही नही खोला उस वक्त बिहार के मुख्यमंत्री थे कांग्रेस के नेता दरोगा राय। विधानसभा अध्यक्ष थे रामनारायण मंडल। उनकी जिद के आगे सरकार झुक गयी फिर चीफ सेक्रेटरी आये और कर्मचारियों की सेवा की निमितिकरण का लिखित आश्वासन दिया। देहाती जी मान गए और हड़ताल समाप्त कर दिए। उसके बाद एक घंटे विलंब से सदन की कार्यवाही शुरू हुई। श्री देहाती जी बताते है कि उस दिन पहली बार लगा कि देश मे लोकतंत्र जिंदा है।

जब पूरी रात विधानसभा में बंद कर दिये गये थे देहाती जी

पलामू को झारखंड का जैसलमेर भी कहा जाता है। यहां उतरी कोयल, कनहर, सोन, अमानत सहित कई छोटी बड़ी नदियां बहती है। लेकिन ये नदियां गर्मियों में सुख जाती है। यहां के किसानों को सालों भर अपने खेतों की सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाती है। अतः यहां यदा कदा सूखा या अकाल देखने को मिल जाता है। इस समस्या से समाधान पाने के लिए छोटी-छोटी नदियों पर चेक डैम बनाया गया है। उतरी कोयल नदी जो पलामू की सबसे बड़ी नदी है और यह आगे चलकर सोन नदी से मिल जाती है। इस पर बांध बनाने की योजना बनाई गई थी। लेकिन तत्कालीन बिहार सरकार ने इस पर रोक लगा देती है और बनाई गयी योजना अधर में लटक गई। फिर से एक बार सामने आते है भवनाथपुर के विधायक और समाजसेवी हेमेंद्र प्रताप देहाती जी। वो सदन में सरकार से इस बांध को बनाये जाने की मांग करते है लेकिन सरकार इसे स्वीकार करने से इनकार कर देती है। श्री देहाती जी सरकार की इस रवैया से नाराज हो कर विधानसभा के अंदर ही भूख हड़ताल पर चले जाते है। सरकार फिर भी नहीं झुकती है। यह बात है गर्मी के 30 जून 1970 की। हम सब जानते है कि जून महीने में बिहार में भीषण गर्मी का प्रकोप रहता है। विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने के पश्चात सभी विधायक, कर्मचारी अपने अपने घर चले जाते है। श्री देहाती जी अनशन पर बैठे ही रहते है। इन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। कमरे की बिजली काट दी गयी। पानी बंद कर दिया गया। ये अपने साथ एक बोतल पानी लेकर अंदर गए थे। गर्मी से हालात खराब हो रही थी। तन पसीना से तर बतर हो गया था। प्यास से होंठ सुख रहे थे। लेकिन पलामू की लाखों लोगों की जीवन मरण का सवाल था ये भी कहाँ झुकने वाले थे। सारी तकलीफ सहते रहे और बैठे रहे। 1 जुलाई के दिन 10 -11 बजे सदन खुलती है तो सत्ताधारी विधायक, मंत्री, स्पीकर विपक्ष के सभी विधायक उनकी हालत देखकर पश्चाताप करने लगते है। रात भर कमरे में बंद रहने की तकलीफ को विपक्ष के विधायक एहसास करते है और सारे विधायक उनकी मांग के समर्थन में खड़े हो जाते है और हाउस नही चलने दिया गया। मुख्यमंत्री श्री देहाती जी को अपने चेम्बर में बुलाते है और अनशन तोड़ने का आग्रह करते है। एवं साथ ही बांध निर्माण को लेकर एक कुडुक डैम समिति का गठन कर देते है।इस समिति में 8 सदस्य सहित सरकारी अधिकारियों को मिलाकर 40 लोग इस काम पर लग जाते है। लगभग 7-8 महीने तक ये लोग पलामू के एक एक गांव का दौरा करते है। और सिंचाई की वस्तुस्थिति की जानकारी इक्कठा करते है। समिति को 6 महीने में रिपोर्ट सौपना था। लेकिन सौपा नही जा सका। हर बार करोडों रुपये खर्च करके प्रोजेक्ट बनाया जाता था । लेकिन काम नही हो पा रहा था। इन चीजों से आजिज होकर श्री देहाती जी इस मुद्दे को लेकर 2009 में हाई कोर्ट चले गये। 2013 में अवकाश प्राप्त जज की अध्यक्षता में एक कमिटी बना दी गयी और यह कमिटी अपना काम कर रही है। केंद्र सरकार से अनुमति मिल गयी है लेकिन राज्य सरकार से अभी तक कोई अनुमति नही मिली है। लेकिन उन्हें पूरा विश्वास है कि उनका 1970 से लागातर किये गए आंदोलन इस डैम को लेकर बेकार नही जायेगी। वह अवश्य ही पूरा होगा।

शत शत नमन
विनम्र श्रद्धांजलि

सूरज नाथ शाहदेव
स्वतंत्र स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

पूर्व विधायकों को दिलाया उनका हक

जब झारखंड अलग राज्य नही बना था उस समय उन्होंने बिहार के पूर्व विधायकों के सहयोग से एक यूनियन बनाया था एवम पूर्व विधायकों की हक की लड़ाई लड़ते रहे।उनको उनका हक दिलवाया। जब झारखंड़ अलग राज्य बना। तो वे झारखंड़ के सभी एक्स एमएलए का एक यूनियन 'पूर्व विधायक परिषद' बनाया उसे निबंधित कराया और यहां के पूर्व विधायको की समस्यओं को लेकर मुखर होकर आवाज उठाते रहे। पूर्व विधायको को पेंशन, चिकित्सा सहित अन्य मांग को लेकर लागातर सरकार से मिलते रहे और मांग करते रहे। आज उनको बड़ी खुशी का अनुभव होता है कि झारखंड के पूर्व विधायकों को जो सुविधा झारखंड़ में मिलता है वो सुविधा भारत की अन्य किसी राज्यों के पूर्व विधायकों को नही मिलता है।

(जारी...कल पढ़ें)

शोध गोष्ठी का आयोजन किया

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। सरस्वती विद्या मंदिर में सोमवार को शोध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ विद्यालय के उपाध्यक्ष एवं नामधारी कॉलेज के प्राचार्य डॉ धर्मचंद लाल अग्रवाल, डॉ शशिकांत शुक्ला, अशोक कुमार सिंह, सुशील पांडेय, देव शंकर प्रसाद, विवेक विभूति, अविनाश सहाय एवं प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने संयुक्त रूप से भारत माता एवं मां शारदा के चित्र के समक्ष दीप जलाकर एवं पुष्पार्चन कर किया। प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने विषय प्रवेश कराते हुये कहा कि विद्यालय में शैक्षणिक समुन्नति के लिये विद्वतजनों के साथ चिंतन मंथन करना एवं तदनरुप क्रियान्वित करना ही इस शोध गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग के उपसचिव ने विभिन्न विद्यालयों का किया निरीक्षण

धुरकी (आजाद सिपाही)। स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग के उपसचिव ओमप्रकाश तिवारी ने मंगलवार को गढ़वा जिले के धुरकी प्रखंड सहित अन्य सुदुरवर्तीय चीनीया रंका मेराल प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण। निरीक्षण के क्रम मे धुरकी प्रखंड मुख्यालय स्थित 10+2 उच्च विद्यालय धुरकी व कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका 10+2 उच्च विद्यालय के क्लासरूम मे अध्ययनरत छात्र-छात्राओ से मिलकर शिक्षको के द्वारा घंटीवार विषयगत पढ़ाई के बारे मे भी जानकारी प्राप्त की। वहीं 10+2 उच्च विद्यालय में

प्रधानाचार्य के कक्ष मे थोड़ी देर तक रूक कर प्रधानाचार्य दिनेश पाठक को सबसे पहले विद्यालय भवन की रंगाई पुताई और साफ सफाई पर उप सचिव ने दिशा निर्देश दिया। वहीं इसके अलावा विद्यालय मे पदस्थापित सभी शिक्षको की जानकारी प्राप्त की, इसके बाद 10+2 उच्च विद्यालय का निरीक्षण करने के बाद बगल मे कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में निरीक्षण करने पहुंचे इसके बाद कस्तुरबा गांधी की वार्डेन अर्चना कुमारी और स्कूल में पढ़ाई कराने वाले शिक्षक और छात्राओं ने उपसचिव का स्वागतगान प्रस्तुत करने के बाद फूल के गुलदस्ते देकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। स्वागतगान के बाद उपसचिव केजीबीवी के कार्यकाल में पहुंचकर सभी शिक्षक और कर्मियों की उपस्थिति पंजी का निरीक्षण किया। जिसमें स्कूल की अकाउंटेंट खुशी कुमारी अनुपस्थित मिली, वहीं उपसचिव अकाउंटेंट की अनुपस्थिती पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए वार्डेन से कहा की अकाउंटेंट को सस्पेंड किया जायेगा। इसके बाद उपसचिव ने विद्यालय मे बने भोजन को स्कूल की छात्राओं के साथ बैठकर साथ में किया। इसके बाद उपसचिव ने स्थानीय मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए बताया की वह शिक्षा सचिव झारखंड सरकार के निर्देश पर गढ़वा जिला का वह नोडल भी है, उन्होंने कहा की उनका यह निरीक्षण निर्धारित था और उन्होंने सबसे पहले मेराल रंका चिनीया प्रखंड के विभिन्न स्कूल का निरीक्षण करने के बाद धुरकी के बरहसोती अंबाखोरया के अलावा धुरकी के स्कूलों का निरीक्षण किया। निरिक्षण में उन्होंने कहा की तमाम शैक्षणिक गतिविधी संतोषजनक मिला है। इस दौरान धुरकी के बीइइओ सचिदानंद सिंह, रवींद्र चौबे, मझीआंव के बीईईओ विद्यासागर मेहता कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक गणेश ठाकुर, 10+2 उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश पाठक वार्डन अर्चना कुमारी उपस्थित थी।

बेहराजारा गांव में हाथी के हमले में महिला की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

राहे। ओपी क्षेत्र के बेहराजारा गांव में जंगली हाथी के हमले में 58 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान सरला देवी के रूप में हुई है। घटना रविवार रात नौ बजे की है। जानकारी के मुताबिक दरवाजे पर आवाज सुनकर महिला घर से बाहर निकली थी तभी हाथी ने हमला कर दिया। सोमवार सुबह ग्रामीणों के साथ वन विभाग और राहे पुलिस गांव पहुंची। वहीं, वन विभाग के रेंजर संजय कुमार ने मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा की अग्रिम राशि 25 हजार रुपये सौंपे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के आश्रित को पीला राशन कार्ड आवास की मांग कर रहे थे। घटना की जानकारी पर जिला परिषद सदस्य बादल महतो, मुखिया प्रतिनिधि कलेवर सिंह मुंडा, पंचायत समिति सदस्य जगन्नाथ मुंडा, आजसू प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, उप प्रमुख प्रतिनिधि निशिकांत गोंझु, भी गांव पहुंचे। बतातें चलें कि झुंड से बिछड़ कर 7-8 की संख्या में हाथियों का दल बांस वन में डेरा डाले हुए है।

अड़की में 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के जवानों नष्ट की पोस्ता की अवैध खेती

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की एफ समवाय हुन्ट ने सोमवार को अड़की पुलिस के साथ हेमरोम गांव और आसपास के वन क्षेत्र में संयुक्त छापामारी अभियान चलाकर पोस्ता की अवैध खेती को नष्ट कर दिया. करीब 17.5 एकड़ में पोस्ता की अवैध खेती की गई थी। अभियान में 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की एफ समवाय से निरीक्षक रवि शंकर प्रसाद और अड़की पुलिस से उप निरीक्षक अर्जुन कुमार आदि शामिल थे।

7.65 किलो गांजा के साथ होटल मालिक गिरफ्तार

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ थाना अंतर्गत दिवडी के पास रांची टाटा पथ पर रविवार को गुप्त सूचना मिली थी कि देवडी मंदिर के पास झोपडीनुमा होटल में गांजा की बक्री की जा रही है। उक्त सूचना के सत्यापन के लिए एक छापामारी दल का गठन कर देवरी मंदिर स्थित झोपडीनुमा होटल में छापामारी की गई। जहां झोपडीनुमा होटल में रखे एक सफेद रंग के झोला में तीन प्लास्टिक में करीब 7.65 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग दो लाख रुपये बताई जा रही है। इसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने होटल मालिक वैधनाथ रवानी को गिरफ्तार कर जेल भेद दिया। सोमवार को ग्रामीण एसपी नौसाद आलम ने रांची स्थित अपने कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी।

अड़की में दोहरे हत्याकांड का खुलासा, तीन गिरफ्तार

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के अड़की थाना क्षेत्र में 12 दिन पूर्व रांची के नामकुम थानांतर्गत बुतियों ग्राम निवासी संजय बड़ाईक उर्फ रवि बड़ाईक नामक चालक और उसके खलासी रनिया थानांतर्गत लोवा गांव के रामू सिंह की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। जिसमें संलिप्त तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर लिया है। उनकी पहचान अड़की के घाघरा गांव निवासी शंकर लोहरा उर्फ काड़े (20), राम सिंह मुंडा उर्फ राय सिंह मुंडा (35) और सोहराय मुंडा उर्फ रूंडा (32) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार एक कुल्हाड़ी, एक दौली और दोनों लाशों को ठिकाने लगाने में प्रयुक्त टाटा मैजिक गाड़ी भी बरामद कर ली गई है। यह जानकारी एसडीपीओ अमित कुमार ने दी। वे सोमवार की शाम अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। एसडीपीओ ने बताया कि इस दोहरे हत्याकांड को टाटा मैजिक चालक संजय बड़ाईक के साथ रहने वाली एक महिला ने अपने पांच संबंधियों के साथ मिलकर अंजाम दिया है। फिलहाल मुख्य आरोपित उक्त महिला सहित तीन आरोपित अभी भी फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस छापामारी कर रही है। बताया गया कि मुख्य मास्टरमाइंड 32 वर्षीय महिला दो बच्चों की मां है। सात वर्ष पूर्व वह अपने पति से अलग हो गई है। कुछ वर्ष पूर्व वह मैजिक चालक संजय बड़ाईक के संपर्क में आई। कुछ माह पूर्व उसका संजय से भी किसी बात पर विवाद हो गया। इसके बाद बड़ा पर्व मनाने 23 दिसंबर को वह अपने गांव अड़की के घाघरा चली गई। 27 दिसंबर को उसने संजय को आपस में उत्पन्न विवाद को सुलझाने की बात कहकर गांव बुलाया। संजय जब अपने खलासी रामू सिंह के साथ उक्त टाटा मैजिक को लेकर महिला के गांव पहुंचा तो वहां महिला ने अपने पांच रिश्तेदारों के साथ मिलकर संजय व और खलासी रामू सिंह की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। इसके बाद उसी टाटा मैजिक में दोनों शवों को रखकर बदानी गांव के गंगदा जंगल में फेंक दिया। 28 दिसंबर को गंगदा जंगल से शव बरामद होने के दो दिन बाद दोनों शवों की पहचान हो सकी थी।

अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे रतिया गंझू

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी पश्चिमी के पूर्व जिला परिषद सदस्य सह बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के जोनल अध्यक्ष रतिया गंझू सोमवार से डकरा महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए। वे खलारी प्रखंड के तूमांग और विश्रामपुर पंचायत की जमीन में लगी आग के ऊपर गुजर-बसर करने वालों को तत्काल दूसरे जगह बसाने की मांग कर रहे हैं।

करा की संवाद जनपंचायत में पहुंचे केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री

विकास कार्यों की निगरानी करें पंचायत प्रतिनिधि : अर्जुन मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

करा। केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री और खूंटी के सासंद अर्जुन मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ब्रिटिश साम्राज्य के अन्याय के खिलाफ नौ जून को ही उलगुलान की शुरूआत की थी। आज हमें भी संकल्प लेना होगा कि कोई भी अत्याचार बर्दास्त नहीं करेंगे और अत्याचारियों को खदेड़ देंगे। वे सोमवार को करा प्रखंड की घुनसुली पंचायत के चांपी गांव में संवाद जन पंचायत को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इसके पूर्व अर्जुन मुंडा को हुटार से बाइक जुलूस के साथ भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश मंत्री जगन्नाथ मुंडा, घुनसूली पंचायत के मुखिया बंधवा उरांव, घुरन महतो, उनित कश्यप, अंजय कुमार के नेतृत्व में चांपी गांव तक लाया गया। जन पंचायत को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें अपने अस्तित्व, जल, जंगल और जमीन की रक्षा करनी है। हमें अपनी ताकत को पहचानना होगा। अर्जुन मुंडा ने कहा कि विकास कार्यों की निगरानी पंचायत प्रतिनिधियों को करनी होगी। उन्होंने कहा कि गांव वालों ने मुझे अपनी समस्याओं से अवगत कराया है। उसका हर संभव निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे गांवों का विकास करें। मंत्री ने कहा कि गांव, समाज, संस्कृति की रक्षा करने के लिए पदाधिकारी होते हैं। इसी के एवज में उन्हें वेतन दिया जाता है, लेकिन सराकरी अधिकारी इस ओर उदासीन हैं। केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं से पूछा कि जेएसएलपीएस के लोग आपके यहां आते हैं, इस पर महिलाओं ने बताया कि ब्लॉक को ऑर्डिनेटर नरेश कुमार कभी चांपी गांव नहीं आते। हैं। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को जरूर पढ़ायें। मौके पर जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, भाजपा के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, ओपी कश्यप, संजय साहू आदि थे।

करा प्रखंड में आयोजित सभा को संबोदित करते केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा।

ग्रामीणों के विकास के लिए कई कदम उठाये गये हैं : अर्जुन मुंडा

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजपा महिला मोर्चा का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कार्यालय में सोमवार से आरंभ हुआ। जिसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने किया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में नये भारत की तस्वीर, केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कश्मीर में अलगाववाद और विद्रोह को चारा मुहैया कराने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया। प्रधानमंत्री की अगुवाई वाली सरकार ने जनकल्याण की दिशा में कई बेहतर कदम उठाए है। बैंकों ने कैंप लगाकर वंचित लोगों के खाते खोले।

राहे की छात्रा हरिप्रिया मॉडल के साथ कोलकाता रवाना

राहे (आजाद सिपाही)। पूर्वी भारत क्षेत्रीय विज्ञान मेला मंगलवार से 13 जनवरी तक कोलकाता के बिरला औद्योगिकी एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालय में आयोजित होने जा रहा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता मॉडल प्रदर्शनी में भाग लेने झारखंड से हरिप्रिया रानी अपने वार्डेन के साथ कोलकाता रवाना हुई। हरिप्रिया ने राज्य स्तर पर पर्यावरण अनुकूल सामग्री से इकोफ्रेंडली गमले नवाचार के साथ विकास विषय पर अपना मॉडल का प्रदर्शन किया था। जिसमें हरिप्रिया के मॉडल को राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया था। ज्ञात हो कि प्रतियोगिता सात विषयों पर आधारित था। जिसमें पूरे झारखंड राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों ने भाग लिया था। विद्यालय की तरफ से एकमात्र प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी लगाई गई थी जिसे राष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए चुन लिया गया था। हरिप्रिया रानी उरांवडीह गांव की रहने वाली है, जिसके पिता अतुल महतो एक किसान है। वहीं, छात्राओं के प्रदर्शन पर विद्यालय की वार्डेन परमेश्वरी कुमारी, शिक्षिका बिमला कुमारी और सौरभ सिंह ने बधाई दी है।

दूसरी पत्नी के साथ मिल कर पहली पत्नी की हत्या का आरोपित गिरफ्तार

तमाड़ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के परासी गांव में दूसरी पत्नी के साथ मिलकर पहली पत्नी की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान मनसा महतो के रूप में हुई है। वह छोटा परासी गांव का निवासी है। उक्त कार्रवाई रांची जिले के सोनाहातू थाना क्षेत्र के नरसिंह लोवाडीह निवासी कार्तिक महतो की ओर से दर्ज कराए गए बयान के आधार पर किया गया है। उसने बताया कि 12 साल पहले उसकी बहन रमला देवी (31) की शादी मनसा महतो से हुई थी। उसकी एक अन्य बहन सहचरी महतो की भी शादी मनसा से ही हुई थी। दोनों ने मिलकर विगत दो जनवरी 2023 को रमला देवी के खाने में किटनाशक मिला दिया था। उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उसके नाक के झाग निकलता देख कार्तिक ने मनसा के खिलाफ सात जनवरी को तमाड़ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ग्रमीण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मनसा को छोट परासी गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आड़ाल के राजा स्व. ठाकुर बादल चंद्र सिंह की मूर्ति का अनावरण

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली के पतराहातु बाजार टाड़ में स्व राजा ठाकुर बादल चंद्र सिंह की मूर्ति का अनावरण उनके बेटी मुखिया सरिता सिंह, उमाकांत सिंह मानकी एवं उनके परिजनों द्वारा किया गया। बतातें चलें कि आड़ाल गांव के स्व राजा ठाकुर बादल चंद्र सिंह क्षेत्र के 6 मौजा के राजा थे जिसमें आड़ाल, नवाडीह, पतराहातु, करियाडीह, बड़ा चागडु एवं छोटा चगडु मौजा शामिल है। इस अवसर पर सरिता सिंह के मामा उमाकांत सिंह मानकी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों को पूर्वजों द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर गांव और गरीब का विकास करने में प्रेरणा मिलती है। ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी स्व.ठाकुर बादल चंद्र सिंह के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में आकर हर्षित महसूस कर रहा हूं। इस मौके पर मुखिया सीमा गोंझु, पुरनु सिंह, प्रदीप कुमार मांझी, संगीता सिंह, प्रेमानंद सिंह, रूद्र प्रताप सिंह, रेवा रानी, अंबर प्रताप शांडिल, समर प्रताप शांडिल, रेहान प्रताप शांडिल, अर्पिता शांडिल,कमल सिंह, अशोक, वीर कुमार सिंह, निताई महतो, नकुल महतो, अशोक साहू, चितरंजन घोष, तपन माझी, डॉ राजेंद्र, भुनेश्वर महतो, शशांक दुबे, रीना देवी, कामाख्या नारायण आदि थे।

बुंडू में भाजपा नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक

बुंडू (आजाद सिपाही)। भाजपा बुंडू नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक सोमवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता भाजपा बुंडू नगर मंडल अध्यक्ष आलोक दास ने की। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह बुंडू नगर मंडल प्रभारी विनय महतो धीरज के साथ अड़की सांसद प्रतिनिधि अनुप साहु, तमाड़ सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण मुंडा, प्रदेश पंचायती राज प्रकोष्ठ के सह संयोजक रंजीत लाहेरी, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश उरांव, रांची जिला ग्रामीण युवा मोर्चा के अध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल, गणेश कुम्हार, बुंडू मंडल के संयोजक सुकुमार घोष आदि मौजूद थे। बैठक में बुंडू बूथ कमेटी का विस्तार एवं पार्टी की मजबूती पर चर्चा की गई। मौके पर राकेश भगत, सुबोध मुखर्जी, रेखा देवी, सुनीता बड़ाईक, किरण देवी,रूबी प्रवीण, मंजू डे, रेनु राय, पिंकी देवी,राजकुमार महतो, अरुण पाल, विष्णु लायक, अशोक पाल, दिलीप राय, मुकुंदर महतो आदि मौजूद थे। वहीं, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष सुनीता बड़ाईक ने देश की पहली मुस्लिम शिक्षिका फातिमा शेख के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने परिवार के साथ मिल कर लिया नये साल का आनंद

खूंटी (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच, खूंटी नगर शाखा के सौजन्य से सोमवार को जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रानी फॉल में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की मंडल क के अंतर्गत सभी शाखाओं का वनभोज का आयोजन किया गया। जिसमें खूंटी के अलावा रांची, रामगढ़, झुमरीतिलैया के मारवाड़ी समाज के लोगों ने भी भाग लिया। मौके पर मारवाड़ी समाज के विकास और इसे संगठित रखने पर विचार विर्मा किया गया। पिकनिक में मारवी युवा मंच की सभी शाखाओं के लोगों ने परिवार के साथा आनंद लिया। इसमें मंडल क के उपाध्यक्ष सचिन मोतिका विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की संयोजिका शालू जैन थी। मौके पर खूंटी शाखा के अध्यक्ष उदय लाल भाला, सचिव गौरव जैन, अखिल सरावगी, अरूण साबू, राजेश मिश्रा, ओमप्रकाश शर्मा, अंकित जैन, प्रियंका जैन, निक्की जैन, श्वेता भाला, नेहा सरावगी, शिखा पिपुरिया, काजल जगनानी, शिवांगी पिपुरिया, नूपुर अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, संदीप पिपुरिया, मुकुल पिपुरिया, रोशन जगनानी, अनुराग प्रतीक, मोनी जैन, अशोक जैन, प्रवीण जैन, प्रिंस अग्रवाल आदि थीं। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रोहित जैन ने दी।

आजसू महासचिव रोशनलाल चौधरी ने किया पिपरवार का दौरा

पिपरवार (आजाद सिपाही)। आजसू के महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी ने सोमवार को सीसीएल पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया। वे बचरा बस्ती में स्व धनेश्वर महतो के ब्रह्मभोज में शामिल हुए।

आदिवासियों की परंपरा व सम्मान पर न हो हमला, इसका ध्यान रखें : केंद्रीय मंत्री

डोम्बारी बुरू के शहीदों को मंत्री और विधायक ने दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्ति के लिए संघर्ष कर रहे भगवान बिरसा मुंडा के सैकड़ों सैनिकों की शहादत की याद में सोमवार को डोम्बारी बुरू के शहीदों को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा, खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा सहित सैकड़ों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रकृति से अटूट संबंध रखने वाले आदिवासी समाज को अपनी परंपरागत व्यवस्था और ताकत को बरकरार रखना है। उन्होंने जल, जंगल, जमीन और आदिवासियों की धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध किए गए उलगुलान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें बिरसा मुंडा के बताए मार्ग पर चलते हुए उन परंपराओं को आगे बढ़ाना है, जो हमें प्रकृति से जोड़ती हैं। उन्होंने भाजपा को आदिवासियों का सच्चा हितैषी करार दिया। कहा कि आजादी के पांच दशक बाद भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी केंद्र की एनडीए सरकार ने आदिवासियों के चरित्र और सस्कृति को बरकरार रखते हुए परंपरागत व्यवस्था के साथ उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया। इस सोच व उद्देश्य को लेकर अलग जनजातीय मंत्रालय बनाया। मोदी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा कर व आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति बनाकर आदिवासियों को सम्मान दिया है। उन्होंने आदिवासी समाज को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूक रहने की अपील की। कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में पड़ने वाले सभी प्रखंडों में 740 मॉडल स्कूल का निर्माण कराया जा रहा है।

धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए बुजुर्गों के बताये मार्ग का अनुसरण करें : नीलकंठ

विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने भी आदिवासियों से अपनी परंपरागत व्यवस्था और धर्म संस्कृति को बचा कर रखने की अपील की। कहा कि हमारे बच्चे शिक्षित होकर संस्कारवान बनेंगे तो हमारी धर्म संस्कृति व परंपरागत व्यवस्था भी बरकरार रहेगा। उन्होंने धर्म, संस्कृति और परंपरागत व्यवस्था की रक्षा के लिए बुजुर्गों के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इससे पूर्व डोंबारी शहीद स्थल में पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री और विधायक ने सर्वप्रथम वहां स्थापित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री सहित अन्य अतिथियों के शहीद स्थल में पहुंचने पर आयोजन समिति के अध्यक्ष करम सिंह मुंडा, डबगा मुंडा, लोदरो मुंडा, कमल मुंडा, विशु मुंडा आदि ने पारंपरिक रीति रिवाज से उनका स्वागत किया।

आपसी भाईचारा और प्रेम का प्रतीक है प्रभावित प्रतिरोध मंच : सुनील

खलारी (आजाद सिपाही)। प्रभावित प्रतिरोध मंच चूरी का वनभोज सह मिलन समारोह चूरी जंगल परिसर में हुई। जिसमें क्षेत्र के कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि समेत मंच के सभी सदस्य शामिल हुए। इस दौरान सामूहिक बैठक हुई। जिसे संबोधित करते हुए मंच के संरक्षक सुनील सिंह ने कहा कि प्रभावित प्रतिरोध मंच आपसी भाईचारा और प्रेम का प्रतीक है। क्षेत्र के सभी सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर रोजगार का सृजन करना और लोगों को रोजगार से जोड़ना पहली प्राथमिकता है। वहीं मंच के अध्यक्ष नागेश्वर महतो ने कहा की नववर्ष में भाई चारे के साथ क्षेत्र के विकास के लिए काम करना है। बैठक के बाद सभी लोगों ने एक साथ भोजन का आनंद लिया। इस मौके पर अब्दुल्ला अंसारी, बिगन सिंह भोगता, सोनू पांडे, तनवीर आलम, इस्लाम अंसारी, राजा खान, मनोज महतो, विनय खलखो, अशोक महतो आदि थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया अस्पताल भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन

भवन के निर्माण से सिल्ली में बदल जायेगी स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिशा व दशा: बन्ना गुप्ता

11 करोड़ रुपये की लागत से होना है भवन का निर्माण कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने सोमवार को सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पुराने भवन परिसर में 11 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 30 बेड वाले अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह भवन सिल्ली के स्वास्थ्य की दिशा और दशा ही बदल देगा। इससे पूर्व स्वास्थ्य सहिया एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने मंत्री बन्ना गुप्ता का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन एएनएम सुनंदा जयसवाल ने किया। इस मौके पर पूर्व विधायक केशव महतो कमलेश, कांग्रेस के रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो, सांसद प्रतिनिधि विनोद कुमार साहू, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नगेन्द्र नाथ गोस्वामी सीएस डॉ विनोद कुमार , चिकित्सा प्रभारी डॉ जितेंद्र महली, जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश सिंह, डॉ अति रंजन, डॉ विनीता, एएनएम गायत्री कुमारी, बबीता, नरगिस खातून, नेन्सी, सजिंव कुमार, सुरेंद्र महतो, मारुति नंदन, शशि भूषण चौबे, कमल दे , विनोद कुमार, जादू गोरांई, तुलसी महतो समेत सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए मंत्री बन्ना गुप्ता, राजेश ठाकुर और सुबोधकांत सहाय

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड में सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इ क्रम में सिल्लीडीह से झारखंड मोड़ तक पदयात्रा निकाली गयी। जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, राज्य के मंत्री बन्ना गुप्ता, आलम गीर आलम, केजरी विधायक राजेश कच्छप, वरिष्ठ नेता दिनेश प्रसाद साहू, पूर्व विधायक केशव महतो कमलेश, राकेश किरण महतो, नागेंद्र नाथ गोस्वामी समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। झारखंड मोड़ के समीप एक सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें केंद्र की जन विरोधी नीतियों की आलोचना की गई। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा देश को बांटने में लगी है, जबकि कांग्रस देश जोड़ने में लगी है। आने वाले दिनों में कांग्रेस ही देश का भला कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन राकेश किरणल महतो ने किया।

नहर में गिरी बाइक, महिला की मौत

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड क्षेत्र के ककरिया निवासी 50 वर्षीय महिला पार्वती देवी पति पोंडो नायक की मौत नहर की पुलिया के टुटे हुए डिवाइडर से नहर के निचे गिर जाने से महिला की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार महिला पार्वती देवी ककरिया से रविवार की देर शाम अपने घर पास ही अंबाटोली लौट रही थी। इसी दौरान नहर पर बनी पुलिया के समीप शराब के नशे में होने एवं अंधेरा होने के कारण पुलिया के टुटे हुए डिवाइडर से निचे गिर गई। सूचना लापुंग थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की।

मकर संक्रांति मेला की विधि व्यवस्था को लेकर किया निरीक्षण

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध घघारी धाम में मकर संक्रांति पर लगने वाला तीन दिवसीय मेला को लेकर थाना प्रभारी सुकुमार हेंब्रम और स्थानीय मुखिया दुर्गा उरांव ने पहुंचकर विधि व्यवस्था का जायजा लिया। इस मौके पर थाना प्रभारी सुकुमार हेंब्रम ने मेला कमेटी के सदस्यों से बात कर मेला में लगाये जाने वाले दुकानों एवं वाहन की आने जाने वाले रूट निर्धारण तथा विधि व्यवस्था के बारे में जानकारी लिया।

केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचायें कार्यकर्ता : अनिल टाइगर

कांके। भाजपा कांके मंडल कार्यसमिति की बैठक रिंग रोड चेड़ी सहदेव भवन में की गई। बैठक की अध्यक्षता कांके मंडल अध्यक्ष रामलखन मुंडा ने किया। मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह प्रभारी अनिल महतो टाइगर ने कहा जब हमारा बूथ मजबूत होगा तभी हमारे संगठन को मजबूती प्रदान होगी। इसके लिये भाजपा के हर कार्यकर्ता को पूर्ण निष्ठा से अपनी सक्रियता दिखानी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याण कारी योजनाओं को आम जनता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाने के लिये भाजपा कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। कार्यकर्ताओं के बदौलत ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। मौके पर पूर्व विधायक रामचंद्र नायक, मंत्री लक्ष्मण साहू, धर्मेंद्र कुमार,रविन्द्र साहू, ठानो मुंडा, हरेकृष्ण महतो,चुनिन्दर महतो प्रभात भूषण,दीपक कुमार, पवन कुमार, अनिल कुमार, सुकेश तिवारी, चंद्रदीप कुमार, मनोज वर्मा, बबलू ठाकुर, बनिता मेहता के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

नगड़ी मंडल कार्यसमिति बैठक संपन्न

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी नगड़ी मंडल कार्यसमिति बैठक पंचायत भवन नगड़ी में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से पन्ना प्रमुख बनाने एवं पार्टी की मजबूती के विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर कुटे निवासी भारतीय जनता पार्टी रांची ग्रामीण के मंत्री कुणाल शाहदेव की धर्मपत्नी के आकस्मिक निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। बैठक की अध्यक्षता राकेश केसरी, मंच संचालन हिंदूवा उरांव एवं धन्यवाद ज्ञापन अखिलेश कुमार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से दौलतराम केसरी, प्रेम सागर महतो, विंध्याचल महतो, बिरसा मिंज, शीला देवी, बीजू महतो, रमेश महतो, प्रभात महतो, मनीष कुमार केसरी, शीतल साहू, जय किशन महतो, विजय महतो, शिव शंकर बैठा, बलवंत तिर्की, विकास उरांव उपस्थित थे।

प्रेमी जोड़े की शादी करायी

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी थाना क्षेत्र के देवरी पंचायत के सुगदा ग्राम स्थित सरना स्थल में रविवार को आकाश पाहन ने आदिवासी रीति रिवाज के अनुसार एक प्रेमी जोड़ा का शादी कराया। मौके पर शादी के गठबंधन के बाद पांडू गांव और सुगदा गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने दोनों युगल जोड़ी को आशीर्वाद दिया। मौके पर उपस्थित देवरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बिरसू कच्छप ने बताया कि सुगदा गांव के निवासी जतरू उरांव (कच्छप), कोयली उरांव (कच्छप) का पूत्र महादेव कच्छप और पांडू टोली निवासी जंगल कच्छप और मीना देवी की पुत्री सुषमा कच्छप के बीच पिछले चार सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच सुषमा कच्छप ने महादेव कच्छप को शादी करने को कहा तो महादेव कच्छप ने परिवार के दबाव में शादी करने का इंतजार किया था। तब लड़की के आग्रह पर नगड़ी थाना प्रभारी ओमप्रकाश टोप्पो और पंचायत के समाजसेवी बिरसू कच्छप के पहल पर लड़का सहित उसके परिवार वाले शादी को राजी हुए इसके पश्चात कल 8 जनवरी दिन रविवार को सुगदा गांव के सरना स्थल में दोनों परिवार की रजामंदी से आकाश पाहन ने आदिवासी रीति रिवाज के अनुसार शादी करा दी। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित देवरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बिरसू कच्छप, भवन नायक, विष्णु साहू, संतोष उरांव, राजकुमार तिर्की, मनोज साहू, राजन गोप, बाबू लाल कच्छप सहित सुगदा गांव और पांडू टोली गांव के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

अनगड़ा पुलिस को मिली कामयाबी, थाना क्षेत्र में हुए बर्बर कांड का खुलासा

घटना के आरोपी उपमुखिया तारकेश्वर सिंह को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के सीताडीह रेलवे लाईन के समीप चार माह पहले सिकिदीरी के कुटे गांव निवासी कलाम अंसारी के साथ हुई बर्बर घटना का अनगड़ा पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। सोमवार को पुलिस ने इस मामले (कांड सं 80/22) में दबिश कर एक अप्राथमिकी आरोपी सिकिदीरी थाना क्षेत्र के नवागढ़ ग्राम निवासी उपमुखिया तारकेश्वर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जबकि एक अन्य आरोपी सिकिदीरी थाना क्षेत्र के हीं कुटे गांव निवासी अप्राथमिकी आरोपी पूर्व उपप्रमुख मुंतजिर रजा की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। विदित हो कि विगत 26 सितंबर 22 की सुबह अज्ञात लोगों नें हत्या करने की नियत से कलाम अंसारी का पहले अपहरण किया और फिर उसके दोनों पैर को किसी धारदार हथियार से काटकर अंग-भंग कर दिया गया।

हाथ-पांव को बांध कर रेलवे लाइन पर फेंक दिया था

बाद मे साक्ष्य छुपाने के उदेश्य से उसके हाथ-पांव को बांधकर रेलवे लाइन में फेंक दिया। कलाम अंसारी ने उस वक्त किसी तरह रेलवे लाइन से हटकर अपनी जान बचाई थी। यह भी मालूम हो कि मामले में कलाम अंसारी द्वारा कोर्ट में 164 के तहत बयान दर्ज कर तारकेश्वर सिंह एवं मुंतजिर रजा को आरोपित बनाया था। मामला काफी संगीन था और इसका खुलासा करना अनगड़ा पुलिस के लिए एक चुनौति बनी हुई थी।

भाजपा अनगड़ा मंडल की हुई बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। सोहोवती देवी पब्लिक स्कूल प्रांगण में सोमवार को भाजपा अनगड़ा मंडल की एक बैठक रामनाथ महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र महतो थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जैलेन्द्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चैधरी, सत्यदेव मुण्डा, अनुराधा मुण्डा आदि उपस्थित हुए। बैठक में बुथ स्तर पर संगठन को मजबुत बनाने तथा पार्टी कार्यक्रमों को गांव-गांव तक ले जाने आदि मुद्धों पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर सुरेन्द्र महतो, रामकुमार पाहन, जैलेन्द्र कुमार आदि वक्ताओं ने पार्टी के नीति-सिद्धांतो, सबका साथ सबका विकास के नारों को जन-जन तक ले जाने के लिए कार्यकताओं को दिए गये दायित्व और लक्ष्य को बखुबी पूरा करने का आहवान किया। बैठक में रामसाय मुण्डा, कामेश्वर महतो, जगेश्वर महतो, शंकर बैठा, संतोष महतो, दुर्गा महतो, सुनील महतो, राजेंद्र महतो, रोहित साहू, सोहन मुंडा आदि मौजूद थे।

पिया हरि डेंटल क्लिनिक का हुआ उद्घाटन पहले दिन सैकड़ों मरीजों की मुफ्त जांच की

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। टाटीसिलवे मिश्रा टोली स्थित अंबेडकर चौक डोल बगीचा के सामने पिया हरि डेंटल क्लिनिक का उद्घाटन डा. शंकर महतो की माता पियासो देवी और पिता हरिचरण महतो ने फीता काटकर एवं सिलवे मुखिया नूतन पाहन, पंडित गिरिधर मिश्रा, समाजसेवी रामकृष्ण महतो, भाजपा नेता अमित कुमार मिश्रा एवं पूर्व मुखिया धंनजय साही ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के अवसर पर सैकड़ों लोगों की दांतो की जांच मुफ्त की गयी। इस मौके पर क्लिनिक के डेंटिस्ट डॉ. शंकर महतो ने कहा कि दांत शरीर का एक प्रमुख हिस्सा है जो न सिर्फ सौंदर्य के लिये आवश्यक है। बल्कि खाद्य पदार्थों को सही रुप से चबाने के लिये भी आवश्यक है। कहा कि शरीर में कीटाणु का प्रमुख प्रवेश स्थल भी मुंह है और दांतो की अच्छी तरह सफाई से हम कई तरह की बीमारियों से बच सकते है। यदि हम दांतों की सफाई के लिये ब्रश करने की तकनीक में सुधार लाएं तो बिना मसूढ़ों को नुकसान किये सफाई बेहतर कर सकते है। इस मौके पर डां अमित कुमार, डा. रंजन सिंह, डा. मिर्जा वारिस, डां सुशांत सोनी, डा. इश्तियाक अहमद, डा. रघुवीर दुर्गा, डा. बिलाल भट्टा, डा. शुभम सहाना, डा. सेफ, डा. सुरेश चौहान, डा. शोभित चौधरी के साथ सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

पारिवारिक मिलन समारोह में पदमश्री मुकुंद नायक एवं केंद्रीय अध्यक्ष डॉ रिझु नायक हुए शामिल

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य घासी समाज संघ के तत्वावधान में महेशपुर बगान टोली स्थित स्वर्णरेखा नदी तट पर रविवार को सामाजिक पारिवारिक मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पदमश्री मुकुंद नायक तथा विशिष्ट अतिथि संघ के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ रिझु नायक, रंजीत नायक, विजय आनंद नायक आदि थे। इससे पूर्व अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। समाज के लोगों नें अनगड़ा चैक से कार्यक्रम स्थल तक बाईक रैली तथा महानंद नायक ग्रुप द्वारा बाजे-गाजे के साथ पारंपरिक नृत्य-गान करते हुए उनकी आगवानी की। मौके पर पदमश्री मुकूंद नायक ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि आदि काल से घासी समाज का जुड़ाव एवं पहचान अखरा संस्कृति से रहा है। इस संस्कृति को बचाकर हीं समाज की पहचान को बरकरार रखा जा सकता है।

भारतीय टीम के कैंप के लिए नीतू लिंडा और अनीता महतो का चयन

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के हलदमा गांव की बेटी अनीता महतो और चारी हुजीर गांव की नीतू लिंडा का चयन बांग्लादेश में 2 से 10 फरवरी (साउथ एशिया फुटबॉल फेडरेशन कप) अंडर-20 महिला चैंपियनशिप और 4 से 12 मार्च तक एएफसी (एशियन फुटबॉल कंफेडरेशन कप अंडर-20 महिला चैंपियनशिप क्वालीफाइगं राउंड) फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम के कैंप के लिए हुआ है। इस निमित्त चेन्नई में कैंप है। दोनों के चयन होने पर कोच आनंद प्रसाद गोप और प्रशिक्षु खिलाड़ी बहुत खुश हैं। दोनों को चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के लिए बहुत-बहुत शुभकामनायें दे रहे हैं। गौरतलब है कि ये दोनों खिलाड़ी सेफ अंडर 18 चैंपियनशिप में इंडिया टीम से और फीफा वर्ल्ड कप अंडर-17 इंडिया टीम से भी यह दोनों खिलाड़ी खेल चुकी हैं।

पुरियो पंचायत के मुखिया बने जिला सचिव

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पुरियो पंचायत के मुखिया नीरज कुजुर को जिला मुखिया संघ का सचिव बनाया गया है। ज्ञात हो कि रविवार को मांडर के ऐतेहासिक शक्ति स्थल के प्रांगण में सर्वसम्मति से नीरज कुजुर को जिला सचिव चुना गया। इसकी सूचना मिलने पर पूर्व मुखिया साजर तिर्की मुखिया सुशांति भगत,लक्ष्मी कोया,अनिता बाड़ा, कुंवारी खलखो,अंजू कच्छप महावीर उरांव सहित सभी पंचायतों के मुखिया एवं पंसस ने बधाई दी। वही नीरज कुजुर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खुशी है, परंतु इसके साथ ही नयी जिम्मेदारियों का बोझ भी बढ़ने जा रहा है, संघ ने जो मुझ पर जो भरोसा जताया है मैं पूरी निष्ठा के साथ निभाने का प्रयत्न करूंगा।

राजेश ठाकुर से मुलाकात कर नववर्ष की दी बधाई

नामकुम (आजाद सिपाही)। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव सह प्रवक्ता रमेश पांडेय ने नामकुम में रहने वाले अपने साथियों के साथ सोमवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर नव वर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही विश्वास दिलाया कि आने वाले दिनों में प्रदेश में कांग्रेस और मजबूत होगा। इस अवसर पर रमेश पांडेय, आत्मानंद पांडे, विनय शिल सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

शिविर लगाकर गर्म कपड़ों का किया वितरण

नामकुम (आजाद सिपाही)। कैंब्रिज ट्रस्ट ऑफ इंडिया के मुख्य सलाहकार रहे एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी स्व. बीके चांद की चौथी पुण्यतिथि के मौके पर सोमवार को सीआइटी में शिविर आयोजित कर आसपास के दर्जनों कर्मियों एवं जरूरतमंदो के बीच कंबल एवं गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ एन हरि बाबू की उपस्थिति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर स्व. चांद साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद कर नमन किया। मौके पर संस्थान के प्रशासनिक निदेशक नवनीत सिंह, डॉ ए भट्टाचार्य, निदेशक वित्त, पी के सेन, एमएस मुखोपाधाय, एम बंधोपाध्याय, डा. नवीन सिन्हा, डॉ केपी दत्ता, स्व. चांद साहब के पुत्र कौशिक चांद, मनीष नाथ, डॉ. विजय शंकर सिंह, डॉ. रणवीर कुमार अजीत राय आदि मुख्य रूप से उपस्थित होकर वितरण कार्यक्रम में भाग लिया।

कुनाल शाहदेव की पत्नी का निधन

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। प्रखंड कुटे निवासी भारतीय जनता पार्टी रांची ग्रामीण के मंत्री सह युवा समाजसेवी कुनाल शाहदेव की 30 वर्षीय धर्मपत्नी सुधा शाहदेव रविवार हरमू स्थित विनायक मैटरनिटी सेंटर में सर्जरी के बाद पुत्र हुआ। इसके बाद हालत बिगड़ने लगी तो वहां के चिकित्सकों ने रेफर कर दिया तब परिवारों के लोग पारस हास्पीटल ले गये। जहां के चिकित्सकों उसे मृत घोषित किया। समाजसेवी कुनाल शाहदेव की धर्मपत्नी सुधा शाहदेव की अचानक आकस्मिक निधन पर की खबर कुटे गांव पहुंची तो पुरा नगड़ी प्रखंड में शोक की लहर छा गई। मौके पर भाजपा सहित कई दलों के नेताओं सहित प्रखंड के दर्जनों नेताओं और सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं ने शोक प्रगट किया है मंगलवार को 11 बजे। सिठियों मुक्ति धाम में दाह संस्कार किया जायेगा। शोक प्रगट करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश,भाजपा के प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी,सांसद संजय सेठ, विधायक नवीन जयासवाल, समाजसेवी लाल धर्मनाथ शाहदेव उर्फ पिंकु लाल, शशिभुषण भगत, केदार महतो, प्रेमसागर महतो, चुड़ामनी महतो, हेमंत केसरी, झामुमो नेता कलाम आजाद रांची महानगर अध्यक्ष प्रिंस सिह, ऐनुल हक, पंकज शाहदेव, अशोक शाहदेव, शंभु नाथ देवधारिया, उतरी टुडूंल के मुखिया ममता तिर्की, उप मुखिया जहाना प्रवीन,पंपस एनामुल अंसारी, बिरेंद्र सिंह युवराज सहित दर्जनों लोगों ने शोक व्यक्त किया।

शारीरिक क्रियाशीलता से ही बनता है बेहतर स्वास्थ्य : राजेश कच्छप

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि योग से व्यक्ति सजग और क्रियाशील होता है। अगर हम अपने पारिवारिक और सामाजिक जीवन में क्रियाशील रहें तो स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा परिवार को भी इसका लाभ मिलेगा। वे सोमवार को अनगड़ा पंचायत के मध्य विद्यालय महलीहुहु में आयोजित योग और नैतिक मुल्यों की शिक्षा अभियान शिविर के समापन समारोह में बोल रहे थे। उषा मार्टिन फाउंडेशन और शालिनी अस्पताल के सौजन्य से अनगड़ा एवं नामकुम प्रखंड में 50 दिनों से विभिन्न स्कूलों एवं गांवों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राजेश कच्छप ने आगे यह भी कहा कि बच्चों को सबसे पहले अपने घर के कार्य मे हाथ बंटाना चाहिए उसके बाद खेत-खलिहान की ओर जाना चाहिए। योग से शरीर लचीला और मजबुत बनता है। उन्होंने उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे इस जागरूकता अभियान की सराहना की तथा इसका लाभ ग्रामीणों को लेने का आहवान किया। फाउंडेशन के सचिव मंयक मुरारी ने कहा कि ग्रामीण जीवन को स्वस्थ, उन्नत और नैतिक मुल्य बनाना इसका मुख्य उदेश्य है। मुखिया सीमा देवी ने विस्तार से ग्रामीण विकास के कार्यक्रम की जानकारी दी। ग्रामप्रधान लोकनाथ पाहन ने कहा कि उषा मार्टिन द्वारा कृषि कार्य में सहयोग से किसानों के आय में वृद्धि हुई है। इस अवसर मोतियाबिंद जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। वहीं स्कूली बच्चों के बीच विधायक ने खेल सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा, शालिनी अस्पताल के प्रबंधक राणा विकास, शिशिर कुमार भगत, अघनु महतो, सेवाराम मुंडा, राजेंद्र मुंडा, शिवदास गोस्वामी, एतवा उरांव आदि मौजूद थे।

शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमरांव सिंह के शहादत दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

मुसलमानों में शिक्षा की कमी, बच्चों को दें दिनी तालीम: जेबा कादरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। प्रखंड के फुटकलटोली स्थित जामिया अहले सुन्नत हज्जन समीरनलील बनात मे सोमवार को महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद शेख भिखारी का शहादत दिवस मना कर टिकैत उमरांव सिंह को श्रद्धा के साथ याद किया गया। मौके पर आयोजित कांफ्रेंस मे मुख्य अतिथि जेबा कादरी ने शहीदों को नमन करते हुये लोगों से उनके आदर्शों पर चल समाज को दिशा देने का आह्वान किया। साथ ही समाज से दहेज प्रथा की कुरीतियों से बचने के लिए इसे समाप्त करने को कहा। उन्होंने शिक्षा में जोर देते हुये कहा कि मुसलमानों में शिक्षा की घोर कमी है। अभिवाहक अपने बच्चो को दिनी तालीम दे। कांफ्रेंस को तस्लीमा खातून, यास्मीन फातमा, निखत फातमा, रोकया, गाजला परवीन आदि ने भी संबोधित कर समाज को आगे बढ़ाने मे शिक्षा के महत्व को बताया। उन्होंने व्यवहारिक शिक्षा के साथ दीनी तालिम देने का आह्वान किया। इससे पूर्व अतिथियों एवं मौलाना को बुके देकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत तिलावत ए कुरआन से की गई।

बच्चों को शिक्षित करने की अपील की

आयोजित महिला कांफ्रेंस में महिलाओं ने अपने बच्चों को शिक्षित करने की अपील की गई। कांफ्रेंस में झारखंड समेत बिहार, बंगाल और उत्तर प्रदेश के उलेमाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन दरख्शा परवीन ने किया। मौके पर मदरसा के संस्थापक एवं झामुमो नेता सह रातु प्रखंड अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष कमरुल हक ने 11 सौ लाचार, वृद्ध महिला-पुरुष को कंबल एवं गरम वस्त्र प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मौलाना शमीम, गुलाम साबिर के अलावा बेलाल अंसारी, असलम अंसारी, अजमूल हक, सिराजुद्दीन अंसारी, रिजवान, मोख्तार शाह, नवाजिसुल हक, सदाम अंसारी आदि लोग मौजूद थे।

दो फरार आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया कुर्की जब्ती का इश्तेहार

बिश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। बिश्रामपुर पुलिस ने दो प्राथमिकी अभियुक्त के घर पर सोमवार को कुर्की जब्ती का इस्तीहार चिपकाया। यहां बताते चलें की बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के पचघरा खुर्द ग्राम निवासी अजय मेहता पर हत्या का मामला दर्ज है। वहीं बिश्रामपुर नप मुख्यालय के बहादुर चौधरी पर भी मामला दर्ज है। दोनो प्राथमिकी अभियुक्त पर न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट भी जारी हुआ था। लेकिन दोनो काफी अरसे से फरार चल रहे थे। थाना प्रभारी शशि रंजन ने बताया कि अजय मेहता और बहादुर चौधरी काफी दिनों से फरार चल रहा है। पुलिस द्वारा अब न्यायालय से आदेश लेकर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जायेगी। इस बीच अगर आरोपी पुलिस को सरेंडर कर दे तो कुर्की जब्ती से वह बच सकता है। दोनो अभियुक्तों के घर इश्तहार चिपकने एएसआई संजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ गये थे।

मकर संक्रांति पर शिवसंपत धाम में लगेगा दो दिवसीय मेला

बिश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। उंटारी प्रखंड के प्रसिद्ध देव स्थल शिव संपत धाम परिसर में मकर संक्रांति के अवसर पर दो दिवसीय मेला लगेगा। मेला आयोजन को लेकर जिला पार्षद सह धाम समिति अध्यक्ष अरविंद सिंह की अध्यक्षता में दर्जनों गांव के ग्रामीणों की एक संयुक्त बैठक हुई। जिसमे विशेष पूजा अर्चना से लेकर सफल व भव्य मेला आयोजन का निर्णय लिया गया। बैठक के बाद वरीय भाजपा नेता अरविंद सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के अवसर पर 14 व 15 जनवरी को भव्य मेला का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति द्वारा मकर संक्रांति के दिन दही चूड़ा व 15 जनवरी को महाप्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण किया जायेगा। इसके अलावा बाहर से आये हुए अतिथियों को रुकने व खाने पीने का प्रबंध भी किया गया है। श्री सिंह ने पलामू प्रमंडल वासियों से इस विशेष धार्मिक कार्यक्रम व मेला में आने का आग्रह किया है। मौके पर कमेटी के सचिव अगस्त तिवारी,कोषाध्यक्ष आरसी यादव,फेकू सिंह,योगी सिंह,शम्भू सिंह,महेंद्र शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

बिजिनिवार में प्रभावित रैयतों के लिए हुआ विशेष कैंप का आयोजन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के सेमरवार पंचायत अंतर्गत रा.उ.म. विद्यालय बिजिनिवार परिसर में किसानों की मांग पर सोमवार को भु-अर्जन विभाग द्वारा विशेष कैंप का आयोजन किया गया ।इस दौरान कैंप में जिले और अंचल कार्यालय से आये अधिकारियों ने प्रभावित रैयतों की समस्याएं सुनी। साथ ही ढाब कला, ढाब खुर्द, बिजिनिवार, सेमरवार सहित कई गांवों के किसानों की विसंगती एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन भी लिए गएं। कैंप में प्रभावितों ने कहा कि सरकार द्वारा एनएच 98 फोरलेन निर्माण में जितना भूमि अधिग्रहित की गई है उससे कहीं ज्यादा जमीन में जबरन निर्माण कार्य किया जा रहा है ।जिस पर किसानों ने आपति जताते हुए पुनर मूल्यांकन कर शेष जमीन की मुआवजा दिलाने की मांग की है ।कैंप का निरीक्षण करने आये फोरलेन निर्माण में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया ने अधिकारियों को कई विन्दुओं पर निर्देशित किया। साथ ही मुआवजा राशि ले चुके किसानों को स्वेक्षा पुर्वक मकान हटा लेने का निर्देश दिया और जिन्हें मुआवजा नहीं मिली है उन्हें आवेदन देने की बात कही। मौके पर पुनि सह थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, पत्थरा पीकेट प्रभारी नितीश कुमार, भू-अर्जन कानूनगो विकाश पांडे, प्रधान सहायक संजय पासवान, प्रखण्ड प्रमुख कमला देवी, पंचायत के मुखिया जितेंद्र पासवान, सीआई प्रगति प्रकाश, कर्मचारी दिपक पांडे, रितेश तिवारी, भू-अर्जन अमिन धनेश्वर सिंह व अंचल अमिन राकेश कुमार सहित कई कर्मी मौजूद थे।

केचकी दो मुहान नदी में गोस्वामी समाज का वनभोज सह मिलन समारोह

सतबरवा/पलामू(आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य गोस्वामी समाज इकाई के बैनर तले पलामू जिला कमेटी के द्वारा रविवार को केचकी संगम पर वनभोज सह मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला अध्यक्ष सुनील गोस्वामी व संचालन प्रदेश सचिव श्यामलाल गोस्वामी ने की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश संरक्षक गणेश गिरी गोस्वामी तथा विशिष्ट अतिथि पलामू जिला जज चंदन गोस्वामी, प्रदेश सचेतक अरविंद गोस्वामी, प्रदेश उपाध्यक्ष चक्रधर नाथ गोस्वामी, प्रदेश कोषाध्यक्ष रविंद्र गोस्वामी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश गोस्वामी उपस्थित थे। कार्यकम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि गणेश गिरी गोस्वामी ने कहा कि मेरा समाज अत्यंत पिछड़ा है जिसका सबसे बड़ा कारण अशिक्षा है ।अगर हमें आगे बढना है, तो हर हाल में बच्चो को शिक्षित करना होगा। विशिष्ट अथिति पलामू जिला जज चंदन गोस्वामी ने कहा कि हमारा धर्म संस्कृति बताता है की हम कुल समाज में सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए हमें अपनी गरिमा बनाए रखनी है। हम लोगों को उच्च शिक्षा ग्रहण करना है। समाज को नई दिशा देने के लिए हर क्षेत्र में हमें आगे होंना होगा। वहीं समाज के चक्रधरनाथ गोस्वामी, सुशीत गोस्वामी, मुकेश गोस्वामी, रविन्द्र गोस्वामी ने कहा कि संगठन में शक्ति होती है। जब हम संगठित रहेंगे, तब हम हर मुश्किलों का सामना कर सकेंगे। समाज में जो सबसे पिछड़े हैं,उन्हें आगे लाने के लिए समाज को एक साथ खड़ा होंना होगा, उनकी आर्थिक मदद भी करनी होगी। इस मौके पर महिला पलामू जिला कमेटी का गठन किया गया। जिसमे सर्वसमिति से जिला अध्यक्ष शीला गोस्वामी, सचिव कविता गोस्वामी, उपाध्यक्ष पूनम गोस्वामी, सह सचिव चिंता देवी, कोषाध्यक्ष सनेह लता गोस्वामी, संरक्षक आशा गोस्वामी, सावित्री देवी को बनाया गया है।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के वार्षिकोत्सव में उद्योगपति ज्ञान शंकर को बनाया गया प्रदेश अध्यक्ष

सभी उप जातियों को एक किया जायेगा: ज्ञान शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। राजधानी रांची में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के वार्षिक उत्सव का शुभारंभ वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश संघी ने करते हुए अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष का ताज झारखंड के जाने-माने उद्योगपति ज्ञान शंकर को पहनाकर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया। इस महासम्मेलन में रांची के अलावे दुमका, धनबाद, गिरिडीह, बोकारो, पलामू, रामगढ़, हजारीबाग एवं झारखंड के कई जिलों से हजारों लोग उपस्थित हुए। गिरीश संघी ने सम्मेलन का उद्घाटन

करते हुए कहा कि धर्म शास्त्रों में वर्ण व्यवस्था समाज को मात्र चार वर्णों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शुद्र में विभाजित करती है। हमारा वैश्य समाज बहुत बड़ा है जो लोग ब्राह्मण, क्षत्रिय, शूद्र वर्ण से नहीं आते वह सारे वैश्य हैं। पूर्व मे जो लोग जिस चीज का व्यवसाय करते थे उन्हें उसकी जाति बना दी गई जैसे लकड़ी का काम करने वाले को बढ़ई, कुम्हार का काम करने वाला कुम्हार, लोहा का काम करने वाला लोहार ऐसे कई जाति मिलेंगे लेकिन सारे लोग व्यवसाय करने वाले थे यह सारे वैश्य हैं और हमें सबों को लेकर चलना है। श्री संघी ने झारखंड प्रदेश महामंत्री के तौर पर संजय चौधरी की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उन्हें दोबारा झारखंड प्रदेश का महामंत्री बनाया है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद ज्ञान शंकर ने कहा हमारा परिवार शुरू से समाज की सेवा में लगा रहता है। मुझे बड़ी जवाबदेही प्रदेश स्तर पर दी गई है,एक नई टीम बनाकर पुराने लोगों के मार्गदर्शन में समाज के सभी लोगों की सुनने वाली संस्था राज्य स्तर पर खड़ी की जाएगी। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महा सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री उमेश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि गुड़गांव के पूर्व विधायक गोपाल एस मौर्य, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, पूर्व अध्यक्ष बलिराम साहू, मेदिनीनगर नगर निगम की महापौर अरुणा शंकर, रांची नगर निगम के उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय, पूर्व महाधिवक्ता झारखंड अजीत कुमार, संजय पोद्दार, अमित साहू, कृष्णा अग्रवाल, प्रेम कटारुका, अरविंद गुप्ता, देवेंद्र प्रसाद, अहिल्या गुप्ता एवं समाज के कई हस्ती उपस्थित थे।

भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव ने प्रदेश प्रभारी का किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। परिसदन भवन में भाजपा के प्रदेश प्रभारी सह राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक डां लक्ष्मीकांत वाजपेई से भाजपा नेता धर्मदेव सिंह यादव ने मिलकर अंगवस्त्र से स्वागत किया तथा प्रशासन द्वारा पांडू के ग्राम मुरुमातु से चार माह पूर्व दिन दहाड़े उजाड़े गए विस्थापन का अत्यंत तंगहाल जीवन जी रहे महादलित मुसहर परिवार प्रकरण में प्रशासन द्वारा सरासर झूठे मुकदमें दर्ज कर बेवजह परेशान किए जाने की घटना को विस्तार से जानकारी देते हुए साथ ही संगठन के भूमिका की भी पूरी जानकारी दी।

अररुआ पाठशाला के प्रधानाध्यापक का ब्रेन हेमरेज से निधन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। शहरी क्षेत्र रा.उ.म विद्यालय अररुआ में कार्यरत प्रधानाध्यापक 54 वर्षीय नागेश्वर राम का आकस्मिक निधन सोमवार के अगले सुबह ब्रेन हेमरेज होने से हो गया। वे अपने पीछे पुत्र रोहित कुमार, राहुल कुमार, राकेश कुमार,पुत्री शकुंतला देवी, पत्नी रजकलियां देवी को छोड़ गए। उनके आकस्मिक निधन से शिक्षको, समाजसेवियों एवं क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों ने बताया कि नागेश्वर राम कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे, जिनका इलाज भी चल रहा था। इसी बीच सोमवार की अहले सुबह ब्रेन हेमरेज होने से उनकी मौत हो गई। उनके मौत की खबर सुनते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शोक व्यक्त करते हुए अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सह सतरोनंत उच्च विद्यालय पिपरा के प्रधानाध्यापक विजय राम, शिक्षक अजय कुमार, अर्जुन राम ,जमुना राम, दिनेश कुशवाहा, बिंदेश्वरी राम, अशोक कुमार यादव सहित समाजसेवी प्रमोद कुमार रवि, कमलेश कुमार यादव, राजकुमार गौतम, सुरेश राम ने कहा कि नागेश्वर राम एक शिक्षक होने के साथ-साथ वो समाजसेवी भी थे।

शीतलहर में नवजात शिशु को गर्म वस्त्र देना सामाजिक दायित्व : राजू मेहता

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद उत्तरी जिला परिषद सदस्य राजू मेहता उर्फ एसपी मेहता ने सोमवार को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंच कर प्रसव कक्ष में दर्जनों से ज्यादा नवजात शिशुओ के बीच गर्म वस्त्र का वितरण किया। इस मौके पर श्री मेहता ने कहा कि पलामू जिला में इन दिनों ठंड और शीतलहरी का प्रकोप बढ़ गया हैं ऐसे परिवेश में नवजात शिशुओं को ठंड से बचाने के उद्देश्य से यह कार्य किया।जिससे कि नवजात शिशु को ठंड से राहत मिल सके।आगे उन्होंने अस्पताल पहुंच कर डॉक्टरों से प्रसव में भर्ती मरीजों

और बच्चों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने को कहा उन्होंने आगे कहा कि आप नवजात शिशु हमारे भविष्य और धरोहर हैं इनकी सुविधा और सुरक्षा में आपलोग लापरवाही नही बरते। उन्होंने कहा कहा कि अनुमंडलीय अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए आवश्यकता पड़ी तो सरकार और जिले के वरीय पदाधिकारीयो को भी अवगत कराकर निदान का प्रयास करूंगा।इस मौके पर प्रसव कक्ष में भर्ती महिलाओं व चिकित्सको ने कहा कि जिप सदस्य श्री मेहता का नवजात शिशु के प्रति सामाजिक दायित्व सराहनीय प्रयास है। मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर पीएन सिंह ,बिडीएम सुनील कुमार मेहता,रंजीत कुमार ,एएनम गायत्री कुमारी अलविना कच्छप सचितानन्द, सुनील कुमार मेहता, वार्ड आदेश पाल कौशल्या देवी, एवं रामसुन्दर मेहता ,उदय यादव, दिनेश्वर प्रसाद चौधरी ,सुबोध मेहता के अलावा प्रसव कक्ष में भर्ती कई महिलाएं मौजूद थे।

फोरलेन प्रोजेक्ट निर्माण कार्य में तेजी लाने को लेकर एसडीओ ने किया निरिक्षण

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। छत्तरपुर एसडीओ नरेन्द्र गुप्ता ने एनएच 98 फोर लेन प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य में तेजी लाने को लेकर सोमवार को ढाब, सेमरबार आदी जगहों पर अतिक्रमण हटाने के कार्यों का जायजा लिया। साथ ही पांच जगहो पर उन्होंने अतिक्रमण मुक्त कराया ।वहीं इस कार्य के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कामेश्वर बेदिया को कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अब तक 41 घरों को तोड़ा जा चुका है जबकि अभी 53 घरों को तोड़ने का कार्य किया जाना है। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रभावितों के साथ अच्छा व्यवहार करते हुए उन्हें स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लेने के लिए प्रेरित कर उनकी समस्याओं को भी सुनीं जाए। बताया कि सड़क निर्माण में कई सरकारी भवन भी हैं जिन्हें हटाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने सेमरबार पंचायत भवन को भी हटाने का निर्देश दिया ताकि सड़क निर्माण कार्य में कोई बाधा न पहुंचे। मौके पर एसडीपीओ अजय कुमार , पुनि सह थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास , सीओ बासुदेव राय, शिवालया कंस्ट्रक्शन के कई पदाधिकारी, मुखिया जितेन्द्र पासवान आदि मौजूद थे।

शहीद शेख भिखारी और टिकैत के बताये मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के माली मोहल्ला स्थित तंजीमुल अंसार कमेटी पलामू के जिला कार्यालय में शहीद -ए-वतन अमर शहीद शेख भिखारी और टिकैत उमराव सिंह का 165 वीं शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।आयोजन के मुख्य अतिथि सदर एसडीओ राजेश कुमार शाह को बुके देकर स्वागत किया गया। तंजीम के सचिव नसीम अहमद ने विषय प्रवेश कराया एवं कार्यक्रम का संचालन किया। मुख्य अतिथि राजेश कुमार साह ने कहा कि झारखंड के सपूत शहीद शेख भिखारी व टिकैत ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने जान को बलिदान कर दिया। झारखंड की

धरती बलिदानियों की धरती है। हमें ऐसे महापुरुषों से प्रेरणा लेने एवं उनके बताये मार्ग पर चलने की जरूरत है। ये हमारे सदा प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। यही संकल्प अमर शहीद शेख भिखारी व टिकैत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने ने कहा कि ठंड के मद्देनजर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण जारी रहेगा। साहित्यकार एवं शायर डॉ मकबूल मंजर, शायर हाजी शमीम रिजवी, शायर हाजी अमीन रहबर, हाजी मोबीन अली, शिक्षक मन्जूर अली, सहित कई वक्ताओं ने अमर शहीद शेख भिखारी व टिकैत के संघर्षपूर्ण जीवनी को याद किया एवं कविता के माध्यम से श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। धन्यवाद ज्ञापन तंजीम के सरपरस्त जियाउद्दीन अंसारी ने की। मौके पर सरपरस्त हाजी नूर अजीजी, राजीव कुमार, सरपरस्त सुखाड़ी मियाँ, खजांची मो.सेराज अन्सारी, मो. शमसुद्दीन, रवायत हुसैन, हेशामुद्दीन अंसारी, तंजीम के प्रवक्ता मो. फैजुन्नबी उर्फ रजा, जेनुल अंसारी, मो. इरशाद अंसारी, महफूज आलम, मकबूल अंसारी, उर्दू शिक्षक संघ के अध्यक्ष यासीन कादरी, मनव्वर हुसैन,मुस्ताक अहमद, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थें।

स्पोर्ट्स

पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 से पहले कटक में आयोजित किया जाएगा एक भव्य उत्सव कार्यक्रम

ज्ञान निकेतन बालिका वर्ग के फाइनल में 21 वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 21 वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के 18 दिन बालिका वर्ग के मैच में आर के पब्लिक स्कूल ने ब्राइट फ्यूचर को छह विकेट से जबकि दूसरे मैच में ज्ञान निकेतन बेल चंपा की टीम ने बीएनटी संत मैरी को 67 रनों से हराकर बालिका वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता से पूर्व मझिआंव नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी निकिता बाला, गढ़वा महिला थाना के प्रभारी सीमा कुमारी एसबीआई के डिप्टी मैनेजर प्रार्थना प्रिया और डॉ कुलदीप चौधरी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया । गोविंद हाई स्कूल के मैदान में खेले जा रहे बालिका वर्ग के पहले मैच में

आर के पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर स्कूल ब्राइट फ्यूचर को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया स्कूल ब्राइट फ्यूचर के गुलापशा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 22 रनों की पारीक बदौलत 4 विकेट खोकर 55 रन बनाए। आर के पब्लिक स्कूल की ओर से संस्कृति ने दो विकेट प्राप्त की। जवाबी पारी खेलने उतरी आर के पब्लिक की टीम ने शिल्पी के नाबाद 40 रनों की बदौलत 6 ओवर में ही 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर अपने टीम के लिए पूरे अंक अर्जित किए। दूसरे मैच में ज्ञान निकेतन बेल चंपा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिमरन के विस्फोटक बल्लेबाजी 48 और सुहानी के नाबाद 39 सहयोग से निर्धारित ओवरों में 2 विकेट खोकर 130 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। बीएनटी संत मैरी की ओर से रंजिनी ने एक विकेट प्राप्त किया।

कार्यालय मोटरयान निरीक्षक, हजारीबाग

सूचना

सूची में अंकित सभी गाडी वाहन स्वामियों को संदर्भ ससूचित किया जाता है कि आपके द्वारा अपने वाहन एवं वाहनों के संबंधित यथावांछि अभिलेखों कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण संबंधित वाहन की **Fitness Certificate, Alteration** का कार्य लंबित है । मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 56 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियमावली के नियम 81 तथा संगत नियम 52 एवं 73 के तहत वाहन का **Fitness Certificate, Altertration** का निर्गमण प्रावधानित है।

अतः उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि के 07 के अंदर कार्यालय में कागजात एवं वाहन के साथ उपस्थित होकर वाहन कि जाँच करवा लें। उपस्थित नहीं होने से इसे निरस्त कर दिया जाएगा।

Sr.No	Application No	Application Date	Vehicle No	Purpose	Pending At	Pending Since
1	JH22071908399037	19-Jul-2022	JH02R3198	Alteration of Motor Vehicle	Approve	17-Aug-2022
2	JH19012298386070	22-Jan-2019	JH02AP6125	Alteration of Motor Vehicle	Entry	22-Jan-2019
3	JH22051752506953	17-May-2022	JH02AV0029	Alteration of Motor Vehicle	Entry	17-May-2022
4	JH22060735155009	07-Jun-2022	JH02AV0047	Alteration of Motor Vehicle	Entry	07-Jun-2022
5	JH22060775189643	07-Jun-2022	JH02BF2266	Alteration of Motor Vehicle	Entry	07-Jun-2022
6	JH22062397217333	23-Jun-2022	JH02X4605	Alteration of Motor Vehicle	Entry	23-Jun-2022
7	JH22071909465523	19-Jul-2022	JH02K6506	Alteration of Motor Vehicle	Entry	19-Jul-2022
8	JH22080812860550	08-Aug-2022	JH02AG8396	Alteration of Motor Vehicle	Entry	08-Aug-2022
11	JH22120138375867	01-Dec-2022	JH02Y3720	Alteration of Motor Vehicle	Entry	01-Dec-2022
12	JH22120128376528	01-Dec-2022	JH02AY0102	Alteration of Motor Vehicle	Entry	01-Dec-2022
13	JH22120518805259	05-Dec-2022	JH02AQ6584	Alteration of Motor Vehicle	Entry	05-Dec-2022
14	JH22120759143367	07-Dec-2022	JH02AV0025	Alteration of Motor Vehicle	Entry	07-Dec-2022
15	JH22120899302415	08-Dec-2022	JH02AU0749	Alteration of Motor Vehicle	Entry	08-Dec-2022
16	JH22122002810222	20-Dec-2022	JH02X9311	Alteration of Motor Vehicle	Entry	20-Dec-2022
17	JH22122106884052	21-Dec-2022	JH02AX6412	Alteration of Motor Vehicle	Entry	21-Dec-2022
18	JH22082514899292	25-Aug-2022	JH02Q3725	Alteration of Motor Vehicle	Entry	27-Aug-2022
19	JH22090916828048	09-Sep-2022	JH02V3311	Alteration of Motor Vehicle	Entry	09-Sep-2022
20	JH22091397187795	13-Sep-2022	JH02P7864	Alteration of Motor Vehicle	Entry	13-Sep-2022
21	JH22101911982697	19-Oct-2022	JH02AY9437	Alteration of Motor Vehicle	Entry	19-Oct-2022
22	JH22110524727139	05-Nov-2022	JH02Q7562	Alteration of Motor Vehicle	Entry	05-Nov-2022
23	JH22110524727532	05-Nov-2022	JH02AJ2225	Alteration of Motor Vehicle	Entry	05-Nov-2022
24	JH22111716366162	17-Nov-2022	JH02AW9825	Alteration of Motor Vehicle	Entry	17-Nov-2022
25	JH22111786367168	17-Nov-2022	JH02AW9371	Alteration of Motor Vehicle	Entry	17-Nov-2022
27	JH22072841573325	28-Jul-2022	JH02AQ2526	Alteration of Motor Vehicle	Verify	28-Jul-2022
28	JH22081814021422	18-Aug-2022	JH02AK9752	Alteration of Motor Vehicle	Verify	22-Aug-2022
29	JH22081834021694	18-Aug-2022	JH02AX7648	Alteration of Motor Vehicle	Verify	22-Aug-2022
33	JH22092238305718	22-Sep-2022	JH02T6171	Alteration of Motor Vehicle	Verify	15-Oct-2022
34	JH22092298344763	22-Sep-2022	JH02P3398	Alteration of Motor Vehicle	Verify	01-Oct-2022
35	JH220615V2240179	15-Jun-2022	JH02R3452	Fitness Inspection/Certificate	Approve	03-Dec-2022
38	JH221129V1477564	29-Nov-2022	JH02R6159	Fitness Inspection/Certificate	Approve	21-Dec-2022
40	JH221213V4577958	13-Dec-2022	JH02R7074	Fitness Inspection/Certificate	Approve	28-Dec-2022
42	JH221221V2328527	22-Dec-2022	JH02D5674	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
44	JH221222V1405197	22-Dec-2022	JH02R8719	Fitness Inspection/Certificate	Entry	30-Dec-2022
45	JH221222V8436749	22-Dec-2022	JH02AA4883	Fitness Inspection/Certificate	Entry	26-Dec-2022
47	JH221223V5528538	23-Dec-2022	JH02BC3683	Fitness Inspection/Certificate	Entry	29-Dec-2022
56	JH221226V5703404	26-Dec-2022	JH02X0179	Fitness Inspection/Certificate	Entry	30-Dec-2022
58	JH221226V2731412	26-Dec-2022	JH02AV0487	Fitness Inspection/Certificate	Entry	28-Dec-2022
99	JH220418V6846914	18-Apr-2022	JH02AU7385	Fitness Inspection/Certificate	Entry	31-Dec-2022
100	JH220425V3362560	25-Apr-2022	JH02AL7539	Fitness Inspection/Certificate	Entry	05-Jul-2022
101	JH220509V4456595	09-May-2022	JH02F2057	Fitness Inspection/Certificate	Entry	05-Jul-2022
103	JH220517V9210391	17-May-2022	JH02AH3383	Fitness Inspection/Certificate	Entry	01-Sep-2022
104	JH220601V2249696	01-Jun-2022	JH02BB5131	Fitness Inspection/Certificate	Entry	01-Sep-2022
105	JH220617V1399372	17-Jun-2022	JH02Y9843	Fitness Inspection/Certificate	Entry	17-Jun-2022
106	JH220621V6630954	21-Jun-2022	JH02B1119	Fitness Inspection/Certificate	Entry	21-Jun-2022
107	JH220623V2854686	23-Jun-2022	JH02AU6811	Fitness Inspection/Certificate	Entry	01-Sep-2022
108	JH220629V7285732	29-Jun-2022	JH02AN0112	Fitness Inspection/Certificate	Entry	11-Nov-2022
109	JH220705V2962377	05-Jul-2022	JH02AK4850	Fitness Inspection/Certificate	Entry	10-Aug-2022
110	JH220707V9139157	07-Jul-2022	JH02Y7650	Fitness Inspection/Certificate	Entry	15-Dec-2022
111	JH220729V0000236	29-Jul-2022	JH02AZ9920	Fitness Inspection/Certificate	Entry	14-Sep-2022
112	JH220810V9930040	10-Aug-2022	JH02BC1318	Fitness Inspection/Certificate	Entry	20-Aug-2022
113	JH220823V1895196	23-Aug-2022	JH02S8822	Fitness Inspection/Certificate	Entry	24-Aug-2022
117	JH221117V2558657	17-Nov-2022	OR19N1152	Fitness Inspection/Certificate	Entry	19-Nov-2022
118	JH221119V2771452	19-Nov-2022	JH02AE8782	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
119	JH221121V4842572	21-Nov-2022	JH02AK6731	Fitness Inspection/Certificate	Entry	24-Nov-2022
121	JH221129V4491309	29-Nov-2022	JH02BA1479	Fitness Inspection/Certificate	Entry	29-Nov-2022
122	JH221201V3716429	01-Dec-2022	JH02BD8719	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
123	JH221202V1762738	02-Dec-2022	JH02AZ6582	Fitness Inspection/Certificate	Entry	02-Dec-2022
124	JH221205V4942057	05-Dec-2022	JH02AA7859	Fitness Inspection/Certificate	Entry	12-Dec-2022
126	JH221208V9289517	08-Dec-2022	JH02AV7915	Fitness Inspection/Certificate	Entry	30-Dec-2022
127	JH221209V1380344	10-Dec-2022	JH02AB3118	Fitness Inspection/Certificate	Entry	14-Dec-2022
128	JH221212V5552878	12-Dec-2022	JH02U0658	Fitness Inspection/Certificate	Entry	30-Dec-2022
129	JH221214V7700061	14-Dec-2022	JH02S4823	Fitness Inspection/Certificate	Entry	16-Dec-2022
130	JH221215V3868084	15-Dec-2022	JH02AH0691	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
131	JH221215V1885576	15-Dec-2022	JH02AW6618	Fitness Inspection/Certificate	Entry	17-Dec-2022
133	JH221215V1853119	16-Dec-2022	JH02AM8502	Fitness Inspection/Certificate	Entry	31-Dec-2022
134	JH221217V0039542	17-Dec-2022	JH02P0217	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
135	JH221217V0114587	17-Dec-2022	JH02W6495	Fitness Inspection/Certificate	Entry	22-Dec-2022
136	JH221219V0684159	19-Dec-2022	JH02BD7429	Fitness Inspection/Certificate	Entry	20-Dec-2022
137	JH221221V1322052	21-Dec-2022	JH02AN5530	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
138	JH221221V4323178	21-Dec-2022	JH02AK2709	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
139	JH221221V5329730	21-Dec-2022	JH02AX1051	Fitness Inspection/Certificate	Entry	29-Dec-2022
140	JH221221V5335194	21-Dec-2022	JH02BB6073	Fitness Inspection/Certificate	Entry	23-Dec-2022
141	JH221221V4355836	21-Dec-2022	JH02BC2474	Fitness Inspection/Certificate	Entry	29-Dec-2022
142	JH221221V8356530	21-Dec-2022	JH02AX2961	Fitness Inspection/Certificate	Entry	29-Dec-2022
143	JH220912V1282025	12-Sep-2022	JH02AU4584	Fitness Inspection/Certificate	Entry	12-Sep-2022
144	JH22091657587587	16-Sep-2022	JH02BH5701	Fitness Inspection/Certificate	Entry	16-Sep-2022
145	JH22091647587969	16-Sep-2022	JH02BH5859	Fitness Inspection/Certificate	Entry	16-Sep-2022
146	JH220922V8219840	22-Sep-2022	JH02V1559	Fitness Inspection/Certificate	Entry	30-Dec-2022
147	JH220923V9296481	23-Sep-2022	JH02BA5286	Fitness Inspection/Certificate	Entry	29-Sep-2022
148	JH221006V2557060	06-Oct-2022	JH02M3936	Fitness Inspection/Certificate	Entry	30-Nov-2022
149	JH22100805408162	08-Oct-2022	JH02T4845	Fitness Inspection/Certificate	Entry	08-Oct-2022
150	JH221013V3228984	13-Oct-2022	JH02P7010	Fitness Inspection/Certificate	Entry	18-Oct-2022
151	JH221023V5245718	23-Oct-2022	JH02X2930	Fitness Inspection/Certificate	Entry	02-Nov-2022
152	JH221026V2332948	26-Oct-2022	JH02Q0191	Fitness Inspection/Certificate	Entry	20-Dec-2022
154	JH221104V8257217	04-Nov-2022	JH02AW8022	Fitness Inspection/Certificate	Entry	31-Dec-2022
155	JH221105V3341646	05-Nov-2022	JH02AW0971	Fitness Inspection/Certificate	Entry	09-Nov-2022
156	JH221105V7342106	05-Nov-2022	JH02AW8652	Fitness Inspection/Certificate	Entry	09-Nov-2022
157	JH221112V4985121	12-Nov-2022	JH02AZ1389	Fitness Inspection/Certificate	Entry	01-Dec-2022

आदेशानुसार
मोटरयान निरीक्षक, हजारीबाग

PR 287028 Transport (22-23)_D

बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने किया अदालत में आत्मसमर्पण, भेजे गये जेल

2013 में पुलिस कस्टडी से आरोपी को जबरन छुड़ाने का मामला

साजिश के तहत मेरे ऊपर दर्ज कराये गये थे कई मामले, न्यायालय पर है पूरा भरोसा : ढुल्लू महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/कतरास। बाघमारा के भाजपा विधायक ढुल्लू महतो ने सोमवार को धनबाद अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। झारखंड हाईकोर्ट ने विधायक ढुल्लू महतो को वर्दी फाड़ने और पुलिस हिरासत से वारंटी राजेश गुप्ता को जबरन छुड़ाने के मामले में 12 दिसंबर को एक माह के अंदर निचली अदालत में समर्पण करने का निर्देश दिया था। इस मामले में मंगलवार को हाइकोर्ट में सुनवाई होनी है। इससे पहले रविवार की रात विधायक ढुल्लू पेट दर्द की शिकायत के बाद बाघमारा क्षेत्र के निचितपुर स्थित एक स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हुए थे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें पुरानी बीमारी कोलाइटिस होने की बात कह कर दुगार्पुर मिशन के लिए रेफर कर दिया था। पर सोमवार को दुगार्पुर इलाज के लिए जाने से पहले ढुल्लू महतो ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

अदालत के सम्मान में इलाज से पहले जाकर किया आत्मसमर्पण : ढुल्लू महतो

अदालत में आत्मसमर्पण के बाद जेल जाने के दौरान विधायक ढुल्लू महतो ने पत्रकारों से कहा कि उनकी तबीयत खराब है। बेहतर इलाज के लिए उन्हें दुगार्पुर स्थित मिशन अस्पताल रेफर किया गया था। पर न्यायालय का सम्मान करते हुए वह कोर्ट के समक्ष पेश हुए हैं। उन्होंने कहा कि उनपर कई मामलों को जबरन थोप दिया गया है। यहां तक कि जिस मामले में उन्होंने आत्मसमर्पण किया उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं थी। आगे कहा कि ऐसे जबरन थोपे गए मामलों पर उन्होंने हमेशा से सीबीआइ जांच की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

ढुल्लू महतो पर वर्ष 2013 में धनबाद के बरोरा थाना के तत्कालीन थानेदार आरएन चौधरी द्वारा विधायक व उनके कई समर्थकों पर सरकारी काम में बाधा डालने, वारंटी राजेश गुप्ता को जबरन पुलिस कस्टडी से छुड़ाने व पुलिस की वर्दी फाड़े जाने का मामला दर्ज कराया था। वहीं मामले का कोर्ट में ट्रायल के बाद धनबाद की अनुमंडल दंडाधिकारी शिखा अग्रवाल में ढुल्लू को दोषी ठहराते हुए अक्टूबर 2019 को 18 महीने की सजा सुनाई थी। जिसके बाद निचले अदालत की सजा को ढुल्लू महतो ने चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाइकोर्ट में इस मामले को लेकर 10 जनवरी को सुनवाई होनी है। इससे पहले हाइकोर्ट ने 12 दिसंबर को ढुल्लू महतो को निर्देश दिया था कि वे एक महीने के अंदर आत्मसमर्पण कर दें।

कतरास में निजी कंपनी में थे कार्यरत, ठंड से बचाव के लिए घर में जलाकर रखा था चूल्हा

दम घूंटने से चाचा-भतीजे की मौत

बिहार के भोजपुर के रहने वाले थे, दो साल से कतरास में किराये के मकान में रह कर कर रहे थे काम

आजाद सिपाही संवाददाता

कंपनी का लोगो और घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिस व स्थानीय लोग। घर में जल रहा चूल्हा व जमीन पर पड़ा मृतक।

कतरास। कतरास थाना अंतर्गत राहुल चौक के समीप हीरक रोड स्थित निदान म्यूच्युअल बेनिफिट निधि लिमिटेड नामक कार्यालय में काम करने वाले दो कर्मचारियों का शव सोमवार की सुबह उसने अवासा से ही बरामद किया गया। मृतकों की पहचान कृष्णकांत तिवारी (33) और पवन तिवारी (32) के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजा बताए जा रहे हैं। दोनों बिहार के भोजपुर जिले के रहने वाले थे। इस दिन सुबह मकान मालिक सतीश वर्णवाल ने घटना की सूचना फोन पर कतरास पुलिस को दिया। पुलिस के निर्देश पर मकान मालिक ने ताला तोड़ कर कमरे में देखा तो दोनों एक ही बेड मृत पड़े थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है। वहीं, मकान मालिक और पड़ोसियों का कहना था कि अत्यधिक ठंड की वजह से कार्यालय के ऊपर स्थित अपने कमरे में दोनों चूल्हा जलाकर दरवाजा बंद कर सो गए होंगें। कमरे में धूंआ भर जाने और दम घूंटने के कारण दोनों की मौत हो गई होगी। उधर, पूछताछ में मकान मालिक सतीश ने बताया कि सुबह करीब 7.30 बजे कंपनी के कर्मी आए थे। वे लोग शोर मचाकर दोनों को जगाने का प्रयास किया। जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उन लोगों ने फोन भी किया। लेकिन भीतर से किसी ने किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद मैंने (मान मालिक) ने खुद एक को फोन किया, लेकिन किसी ने उसका फोन भी नहीं उठाया। इसके बाद संदेह होने पर फोन कर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मकान मालिक ने बताया कि मृतकों के स्वजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। हालांकि खबर लिखे जाने तक कतरास में मृतक के परिजन नही आये थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई : थानेदार

कतरास थाना प्रभारी रणधीर कुमार ने भी दो लोगों के शव बरामद होने की पुष्टि की है। कहा कि यूडी केस दर्ज कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

महत्वपूर्ण न्यूज

डीएवी-6 के बच्चों का 25वां बाल अधिकार कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

बोकारो (आजाद सिपाही)। डीएवी-6 की दो प्रतिभाशाली छात्राएं गायन व सुनैना कुमारी के *दूषित भूमिगत जल बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरा* विषय को साइंस फॉर सोसाइटी झारखंड की ओर से गुमला के विशुनपुर में आयोजित 25वां बाल अधिकार कांग्रेस में एक्सीलेंट अवार्ड मिला। बतातें चलें कि जिला स्तर पर सबसे पहले कुल 48 शोध आधारित प्रोजेक्ट में से राज्य स्तर के लिए 33 प्रोजेक्ट का चयन हुआ। जिसमें डीएवी-6 की दो छात्राओं का भी चयन हुआ। पुनः 33 प्रोजेक्ट में से राष्ट्रीय स्तर पर 16 प्रोजेक्ट का चयन हुआ जिसका आयोजन विशुनपुर, गुमला में प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा आकलन के आधार पर कुल नौ प्रोजेक्ट का चयन अंतिम रूप से हुआ। इन दोनों विद्यार्थियों को एक्सीलेंट अवार्ड से प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में बच्चों के साथ ही उनके माता पिता को भी सम्मानित किया गया। प्राचार्य एसके मिश्र ने बच्चों की राष्ट्रीय स्तर की इस उपलब्धि पर गाइड शिक्षक के साथ ही बच्चों को बधाई दी है।

स्वास्थ्य केंद्र में समूचित व्यवस्था की मांग को लेकर आजसू ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। केंदुआडीह शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समूचित स्वास्थ्य व्यवस्था की मांग को लेकर सोमवार को लोयाबाद मोड़ पर आजसू की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। आजसू के नगर अध्यक्ष जीतू पासवान ने कहा कि इस स्वास्थ्य केंद्र में घोर कुव्यवस्था है। व्यवस्था में सुधार को लेकर पार्टी के जिला अध्यक्ष मंटू महतो के नेतृत्व में आंदोलन चलाया जा रहा है। करीब ढाई लाख से अधिक आबादी पर यह एक मात्र चिकित्सालय है। जिसमें चारों तरफ गंदगी का अंबार है। दोपहर दो बजे के बाद अस्पताल में एक चिकित्सक नहीं रहते हैं। रात में कोई बीमार पड़ जाता है तो लोगों को इलाज के लिए धनबाद जाना पड़ता है। जब तक अस्पताल में सुधार नहीं किया जाता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो वे लोग भूख हड़ताल पर बैठेंगे। इस मौके पर विभा सहाय, पूनम प्रसाद, बेबी देवी, रेखा देवी, संतोष महतो, संतोष पासवान, अमर पासवान, बालकिशोर भुइंया, जीतू वर्णवाल, डिस्को महतो, रमेश रवानी, मदन मल्लाह, चिंटू गुप्ता, पप्पू महतो, पुनीत सिंह, सुभाष महतो और लालू खान आदि मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा को लेकर मासस ने किया प्रतिवाद सभा

कतरास (आजाद सिपाही)। सड़क सुरक्षा को नजरंदाज किए जाने को लेकर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मासस समर्थकों ने सोमवार को कतरास के राहुल चौक के समीप प्रतिवाद सभा का आयोजन किया। जिसे संबोधित करते मासस के केंद्रीय सचिव हलधर महतो ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-32 सोनारडीह से लेकर कतरास लिलोरी मंदिर तक सड़क का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। सोनाडीह रेलवे फाटक एवं निचीतपुर कतरास रेलवे फाटक तक आए दिन वाहनों की लंबी कतार लगी रहती है, जिससे लोग परेशान रहते हैं। मुख्य मार्ग रहने के कारण स्कूली बस एंबुलेंस रास्ते में ही फंस जाते है। जिससे कभी भी अप्रिय घटना घटने की संभावना बनी रहती है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है, बावजूद इसके टोल टैक्स वसूला जाता है। उन्होंने कहा शीघ्र इन सभी समस्या का समाधान समय रहते नहीं किया गया तो मासस समर्थक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर सुनील महतो, ठाकुर महतो, कार्तिक महतो, देवआनंद महतो, दिलीप महतो, याकूब अंसारी, रोबिन महतो, लखी हेंब्रम, सनी शर्मा, विक्रम महतो, सोना महतो आदि थे।

तोपचांची बम धमाके में आरोपी के घर पुलिस का छापा, 264 जेनेटिक बरामद

कतरास (आजाद सिपाही)। तोपचांची थाना क्षेत्र के सुभाष चौक में रविवार की दोपहर हुए बम धमाका मामले में सोमवार को पिंटू मोदी के घर पुलिस ने छापामारी की। जहां से 264 पीस जेनेटिक पावर बरामद किया है। छापामारी में रांची, गोमो और तोपचांची पुलिस शामिल थी। सोमवार को घायल पिंटू मोदी के लोको बाजार गोमो स्थित घर पर रांची ऐंटी बम एस्कॉड टीम, तोपचांची थानेदार जयराम प्रसाद व हरिहरपुर गोमो थानेदार योगेन्द्र महतो ने छापामारी कर प्लास्टिक के दो बोरे में रखे 264 पिस जेनेटिक पावर बरामद कर अपने साथ लेकर गयी। पुलिस ने बताया पिंटू मोदी सहित जो भी लोग शामिल है उन पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बरामद जेनेटिक पावर गोमीया और बर्दवान का है। फिलहाल पुलिस हर बिंदू पर जांच पड़ताल कर रही है।

विभिन्न मांगों को लेकर बोकारो जिला समिति ने प्रधानमंत्री के नाम डीसी को सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

ललपनिया। आदिवासी कुरमी/कुड़मी समाज केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार बोकारो जिला समिति की ओर से सोमवार बोकारो जिला समाहरणालय जाकर सोमवार को प्रधानमंत्री के नाम डीसी को 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें कुड़मी जनजाति समुदाय को अनुसूचित जनजाति के सूची में सूचीबद्ध करने, भारत की जनगणना के भाषा सूची में स्वतंत्र रूप से कुड़मालि भाषा कोड लागू करने, धर्म के कॉलम में सरनाधर्म कॉलम लागू करने, कुड़मालि भाषा को जनजातीय भाषा की मान्यता देते हुए संविधानकी आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध करने, कुड़मालि भाषा की पढ़ाई प्राथमिक विद्यालय स्तर से लेकर महाविद्यालय और सभी विश्वविद्यालय स्तरतक कराते हुए सभी स्थानोंपर यथोचित संख्या में कुड़मालि अध्यापकों और प्राध्यापकों की नियुक्ति करने आदि शामिल है। साथ ही कल्चरल बोर्ड का गठन करने और चुआड़ विद्रोह के महानायक क्रांतिवीर शहीद रघुनाथ महतो संताल हुल के वीर शहीद चानकु महतो, मेड़ि विद्रोह के वीर शहीद कालिया मोहंता एवं भीम मोहंता (ओड़िशा), सविनय अवज्ञा आंदोलन के वीर शहीद गोकुल महतो, मोहन महतो, शीतल महतो, सहदेव महतो और गणेश महतो, भारत छोड़ो आंदोलन के वीर शहीद चुनाराम महतो एवं गोविंद महतो (पश्चिम बंगाल) आदि महापुरुषों की जीवनी और वीर गाथाओं को सरकारी पाठ्यक्रम में शामिल करने आदि की भी मांग की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आनंद सागर, पूर्व मुखिया रेणुका देवी, मनोज महतो, अनिल महतो, सहजनाथ महतो, मनेश्वर महतो, रवीणा कुमारी, सुलेखा कुमारी, प्रतिमा कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा बंद : विजय झा

कतरास (आजाद सिपाही)। धनबाद-चंद्रपुरा डीसी लाइन पर डीजीएमएस के महानिदेशक के ब्यान पर कतरास के रेल आंदोलनकारी विजय झा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विरोध जताते हुए बीसीसीएल और डीजीएमएस के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। कहा कि डीजीएमएस का काम है आने वाली विपदा से आम जनजीवन बचाना, न की आग के बहाने जनाता को डराना। डीसी रेलवे लाईन को कैसे सुरक्षित किया जाए और आगे कैसे सुचारु रुप रेल मार्ग की वजह से आम लोग कैसे लाभान्वित हो इसके लिए डीजीएमएस जैसी बड़ी संस्था की स्थापना धनबाद में की गई है। बीसीसीएल डीजीएमएस फिर से धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन पर षड्यंत्र कर रहा है। कहा कि रेल लाइन से लाखों लोगों को रोजी-रोजगार जुड़ा हुआ है। इसलिए इस रेल लाइन को चालु रखना ही एक मात्र विकल्प है। रैक परिचालन एवं आम जनता के लिए लाइफ लाइन है। 15 जून 2017 को बंदी की घोषणा उचित नहीं थी। जन आंदोलन के कारण पुनः 24 फरवरी-2019 को लाईन चालू की गई जो आज तक सुरक्षित चल रहा है। उन्होंने कहा कि डीजीएमएस संभवतः किसी के दबाव में आकर आग पर काबू पाने की कोशिश की जगह बयानबाजी कर रही है। इस मौके पर गौतम मंडल, जागो संस्था के चुन्ना यादव, आरटीआई एक्टिविस्ट छेदी शर्मा, निमाई मुखर्जी, अधिवक्ता एनुल हक, शंकर चौहान और बंटी राय उपस्थित थे।

अवैध उत्खनन पर संयुक्त कार्रवाई, सैकड़ों बोरा अवैध कोयला जब्त

कतरास (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सलानपुर तीन नंबर खदान के पीछे चल रहे अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करते हुए सीआइएसएफ, कतरास पुलिस और बीसीसीएल प्रबंधन की संयुक्त टीम ने भराई कर सैकड़ों बोरा कोयला जब्त किया। सोमवार को कतरास पुलिस, सीआइएसएफ और बीसीसीएल प्रबंधन ने थाने से महज कुछ ही दूरी पर चल रहे अवैध उत्खनन स्थल का छापामारी की। वहां भराई कर अवैध कोयला जब्त कर बीसीसीएल प्रबंधन को सौप दिया। दूसरी ओर, संयुक्त कार्रवाई से अवैध धंधेबाजो के बीच हड़कंप मचा हुआ है।

जिला स्तरीय कार्यालय
झारखंड शिक्षा परियोजना, रामगढ़ राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर
गोला रोड़, रामगढ़ कैंट
ई मेल :– ssa_ramgarh@rediffmail.com फोन नं0/फैक्स नं0 – 06553–231133,

शुद्धि पत्र

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में अस्थायी, अल्पकालीन संविदा के आधार पर चयन हेतु आवश्यक सूचना।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, रामगढ़ का कार्यालय पत्रांक SSA-R/22-23/707, दिनांक– 17.11.2022 के आलोक में प्रकाशित विज्ञापन जिसका PR No. – 282562 है के द्वारा रामगढ़ जिले में संचालित चार कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पूर्णकालिक शिक्षिकाओं के रिक्त पदों पर लघुकालीन संविदा आधारित चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। उक्त विज्ञापन में केवल उन अभ्यर्थियों को विज्ञापन में शामिल किया गया था, जिन्होंने मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा झारखण्ड राज्य से उत्तीर्ण की है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा स्थानीय नीति को निरस्त कर दिया गया है। अतः राज्य परियोजना कार्यालय पत्रांक–GE/08/163/2022/3694, दिनांक–30.12.2022 के आलोक में अब निर्धारित अहर्त्ता के अनुरूप जिले में संचालित चार कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में पूर्णतः अस्थायी एवं अल्पकालीन संविदा के आधार पर चयन हेतु योग्य एवं अहर्त्ताधारी दिनांक–16.01.2023 के अपराह्न 05:00 बजे तक निबंधित डाक के माध्यम से जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा कार्यालय, बुनियादी विद्यालय परिसर, गोला रोड, रामगढ़, पिन–829122 विहित प्रपत्र में आवेदन कर सकते हैं। विज्ञापन से संबंधित संपूर्ण सूचना, विज्ञापन एवं प्रपत्र www.ramgarh.nic.in पर उपलब्ध है।

पूर्व में निर्गत विज्ञापन के अंतर्गत जिन अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन समर्पित किया जा चुका है, उन्हें पुनः आवेदन देने की आवश्यकता नहीं होगी। अतः पूर्व में निर्गत विज्ञापन को इस हद तक संशोधित समझा जाए।

ह०/–
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, रामगढ

ह०/–
उपायुक्त,
रामगढ़

PR287098 (District)22-23*D

बेरमो विधायक ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया

बेरमो में तेजी से हो रहा विकास : कुमार जयमंगल

आजाद सिपाही संवाददाता

विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्या स करते बेरमो विधायक कुमार जयमंगल।

करगली/बेरमो। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने सोमवार को फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने फुसरो नगर परिषद के वार्ड संख्या 13 स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने के लिए विधिवत पूजा कर शिलान्यास किया। यह कार्य विधायक मद से तीन लाख रुपये की लागत से किया जाना है। वार्ड संख्या 24 में पटेल चौक और वार्ड संख्या 06 में अमलो कर्बला मैदान के पीछे पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। उक्त कार्य पर लगभग 93 लाख रुपये की लागत आयेगी, जिसे प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना मद से किया जाएगा। पटेल चौक में सड़क निर्माण भेड़मुक्का स्थिति तुरी टोला से ढोरी बस्ती गणेश मंदिर तक निर्माण किया जाएगा। जबकि अमलो में कर्बला के पीछे हिड़क रोड से अमलो बस्ती तलाब होते हुए अमलो माइंस तक निर्माण किया जाएगा। बेरमो विधायक ने कहा कि सड़क सही नहीं रहने के कारण यहां के लोगों को काफी परेशानी होती है। विभिन्न योजनाओं के तहत पूरे बेरमो विद्यानसभा क्षेत्र में विकास कार्य किया जा रहा है। पूरे बेरमो विधानसभा क्षेत्रों में विकास की गति को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। आने वाले समय में लोग किसी प्रकार की सुविधा से वंचित नहीं रहेंगे। इस मौके पर फुसरो नप के उपाध्यक्ष छेदी नोनिया, बेरमो प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष प्रमोद सिंह, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार चांडक, वरिष्ठ कांग्रेसी गिरजाशंकर पांडेय, शिवनंदन चौहान, मिथिलेश तिवारी, लक्ष्मण सिंह, मो मुस्तकीम, रामदेव रवि, रिंकू निषाद, रोहित मित्तल, परवेज अख्तर, आबिद हुसैन, अरूण सिंह, वार्ड पार्षद श्रीकांत मिश्रा, पूर्व पार्षद जसीम रजा उर्फ गुडडू, अशोक अग्रवाल, महेंद्र महतो, संतन गिरी, ओमशंकर सिंह, सुमित बंसल, भोली सिंह, परशुराम महतो, वसीम अंसारी, बैजनाथ तुरी, पप्पू तुरी, पिंटू सिंह, ललन रवानी, हाशिम अंसारी, महेश रविदास, शिवपूजन स्वर्णकार, विनोद सिंह, रवि सिंह, हरिलाल महतो, प्रदीप महतो, अरुण सिंह, संतन सिंह, सत्यनारायण सिंह, अफ्सर हुसैन आदि लोग मौजूद थे।

जिला स्वास्थ्य समिति, सिमडेगा सदर अस्पताल परिसर, सिमडेगा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत शहरी क्षेत्र में संचालित किये जा रहे शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, सिमडेगा के लिए चिकित्सकों को सूचीबद्ध करने हेतु **Walk In Interview** हेतु विज्ञापन

विज्ञापन संख्या 04/2022 साक्षात्कार की तिथि 16.01.2023

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत शहरी क्षेत्र में संचालित किये जा रहे शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, सिमडेगा के लिए कुल 01 GDMO (चिकित्सा पदाधिकारी) की आवश्यकता है। चिकित्सकों को सूचीबद्ध करने हेतु Walk In Interview दिनांक 05.01.2023 को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निर्धारित की जाती है। शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, सिमडेगा के लिए चिकित्सकों की सेवा प्राप्त करने हेतु आवश्यक अहर्त्ता निम्नांकित है :–

क्रम सं0	विवरणी	शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर हेतु आवश्यक अहर्त्ता
1	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	मेडिकल काउन्सिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से MBBS की डिग्री
2	उम्र सीमा	अधिकतम 65 वर्ष
3	सेवा की अवधि	अधिकतम 67 वर्ष की आयु तक
3	मानदेय	रू0 65000.00 प्रतिमाह
4	कार्य अवधि	प्रातः 09 बजे से 05 बजे तक एवं रविवार को अवकाश देय है। आवश्यकता अनुसार समय सारणी में बदलाव किया जा सकता है।
5	सूचीबद्ध किये गये चिकित्सक से 15 वें वित्त आयोग द्वारा बजट आवंटन के आलोक में ही सेवा ली जाएगी।	

नोट :– शहरी हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, सिमडेगा के लिए सूचीबद्ध चिकित्सकों द्वारा किया जाने वाला कार्य :–
1. निर्धारित समय अवधि में OPD का संचालन, गैर संचारी रोग का प्राथमिकी स्क्रीनिंग।
2. अन्य सरकारी/गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।
3. हेल्थ एण्ड वेलनेस क्रियाकलाप।
4. टीकाकरण सेवाएं उपलब्ध कराना, प्रसव पूर्व एवं प्रसवोतर सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
5. परिवार नियोजन – परामर्श एवं गर्भ निरोधक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
6. विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कार्यक्रमों/योजनाओं का प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करना।
7. विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कार्यक्रमों/योजनाओं का प्रतिवेदन ससमय कार्यालय को उपलब्ध कराना।
8. कोविड–19 संक्रमण के आलोक में आवश्यकतानुसार कोविड–19 के ईलाज एवं प्रबंधन की जिम्मेवारी।

उक्त चिकित्सकों के सूचीबद्ध करने हेतु अन्य शर्तें, अहर्त्ता, आवेदन प्रपत्र इत्यादि का विवरण सिमडेगा जिला के वेबसाईट www.simdega.nic.in अथवा जिला स्वास्थ्य समिति कार्यालय, सिमडेगा के सूचना पट्ट से उपलब्ध की जा सकती है।

इच्छुक चिकित्सक दिनांक 16.01.2023 को कार्यालय अवधि में शैक्षणिक प्रमाण–पत्र के साथ Walk In Interview हेतु उपस्थित हो सकते हैं।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, सिमडेगा।

PR.NO.287001 Health Med Edu and Family Welfare(22-23):D

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 10 जनवरी, 2023
www.azadsipahi.in

केंद्र वन रैंक - वन पेंशन का एरियर जल्द दे : सुप्रीम कोर्ट

15 मार्च तक वक्त दिया, कहा : पेंशनधारी किसी बात से नाखुश हैं तो बतायें

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वन रैंक वन पेंशन मामले में सोमवारको सुनवाई की। इस दौरान केंद्र से जल्द से जल्द पेंशन का एरियर देने के लिए कहा गया। इसके लिए कोर्ट ने सरकार को 15 मार्च, 2023 तक का समय दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि पेंशनधारी किसी बात से नाखुश हैं तो बता दें।

भारतीय पूर्व सैनिक आंदोलन ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि कंट्रोलर ऑफ डिफेंस अकाउंट्स इलाहाबाद ने लगभग 25 लाख पेंशनरों की लिस्ट बनायी है, जो रक्षा मंत्रालय के पास भेजी गयी है।

कोर्ट ने कहा कि 15 मार्च, 2023 तक प्रक्रिया पूरी करें और यदि कोई मुद्दा हो तो हमारे पास वापस आयें। इस पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा- मैं व्यक्तिगत रूप से मामले की निगरानी रख रहा हूं। अभी फाइल रक्षा मंत्रालय के फाइनेंस सेक्शन के पास है। जल्द भुगतान किया जायेगा।

1 जुलाई, 2019 से लागू किया जायेगा

जानकारी के अनुसार एक जुलाई 2014 के बाद सेवानिवृत्त हुए सैनिकों को मिलाकर लाभार्थियों की संख्या 25 लाख पार हो चुकी है। इससे सरकार पर 8,450 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। संशोधन के बाद पेंशन योजना को जुलाई 2019 से जून 2022 तक का एरियर या बकाया भी दिया जायेगा। यानी कुल 23,638.07 करोड़ रुपये दिया जायेगा। एरियर का भुगतान चार छमाही किश्तों में किया जायेगा। इसका लाभ सभी डिफेंस फोर्सेस से रिटायर होने वाले और परिवार पेंशनधारकों को मिलेगा।

क्या है वन रैंक वन पेंशन का मतलब

वन रैंक वन पेंशन का मतलब समान रैंक और समान अवधि की सेवा के लिए समान पेंशन है। इसमें सेवानिवृत्ति की तारीख के कोई मायने नहीं रह जाते। यानी अगर किसी अधिकारी ने 1985 से 2000 तक 15 साल सशस्त्र बलों में सेवा दी और एक अन्य अफसर 1995 से 2010 तक सेवा में रहे, तो दोनों को समान पेंशन मिलेगी। इससे 25 लाख पूर्व सैनिकों को फायदा होगा।

सहायक मृतिका संरक्षण अधिकारी रायगड़ा विजिलेंस की गिरफ्त में

अब तक 11 लाख रुपये से अधिक नकदी जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सहायक मृतिका संरक्षण अधिकारी रायगड़ा विजिलेंस की गिरफ्त में हैं। विजिलेंस ने रायगड़ा जिला मृतिका संरक्षण अधिकारी से 11 लाख 34 हजार 560 रुपये जब्त किये। खबरों के मुताबिक रविवार की रात को विजिलेंस ने उसे 6 लाख रुपये नकद के साथ उसकी बुलेट पर जाते हुए पकड़ था। रायगड़ा अरविंद नगर में जब उसे पकड़ा गया और तलाशी ली गयी, तो उसके यहां से नकदी मिली। बाद में रायगड़ा शहर में उनके किराये के मकान में जांच की गयी। इसी तरह विजिलेंस की टीम ने नबरंगपुर में उसके पिता के घर और भुवनेश्वर पात्रपडा में उसकी पत्नी के घर पर भी जांच की। अब तक विजिलेंस ने 11 लाख 34 हजार 560 रुपये जब्त कर चुका है। विजिलेंस अधिकारी ने बताया कि जब्त की गयी रकम का हिसाब नहीं दे पाने के कारण किशोर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी आज शाम 4.45 बजे रवाना होगी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। 22823 भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 10 जनवरी मंगलवार को भुवनेश्वर से सुबह नौ बजे के स्थान पर शाम 16.45 बजे रवाना होगी। उत्तर भारत में घने कोहरे की वजह से कनेक्टिंग ट्रेनों के चलने में हो रही देरी के चलते यह फैसला लिया गया है।

एसटीएफ ने एक करोड़ से अधिक की ब्राउन शुगर जब्त की

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। एसटीएफ ने नयागड जिले के कंटीलो इलाके में छापेमारी कर एक करोड़ से अधिक कीमत की ब्राउन शुगर जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार कल शाम फतेगड थाना अंतर्गत कंटीलो स्थित नारायणी पीठ में ब्राउन शुगर की बड़ी डील की सूचना मिलने के बाद एसटीएफ ने छापेमारी की। एसटीएफ ने खंटपड़ा थाने छामुसाही में आरोपी हर प्रसाद प्रसाद पृष्टि के पास से 1 किलो 190 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। जब्त ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत एक करोड़ 19 लाख रुपये है। इस संबंध में बताया गया है कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ मामला संख्या 2/23 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कोर्ट चलाने की सूचना मिली है।

तमिलनाडु विधानसभा में स्पीच अधूरी छोड़ कर चले गये राज्यपाल

तमिलनाडु का नाम तमिझगम करने का सुझाव दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान जमकर हंगामा हो गया। राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा में कहा कि राज्य का नाम तमिलनाडु के बजाय तमिझगम करना ज्यादा बेहतर होगा। इस पर सरकार में काबिज डीएमके, सहयोगी कांग्रेस और विदुथलाई चिरुथिगाल काची (वीसीके) के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। हंगामे के बाद राज्यपाल स्पीच बीच में छोड़कर सदन से बाहर चले गये।

डीएमके समेत कांग्रेस, वीसीके ने सदन में राज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही कहा कि वे राज्य में भाजपा और आरएसएस की विचारधारा न थोपें। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ विधायकों ने यह भी कहा कि यह नगालैंड नहीं है, यह प्राउड तमिलनाडु है।

भाजपा अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे राज्यपाल-डीएमके : डीएमके सांसद टीआर बालू ने कहा कि राज्यपाल रवि को भाजपा के दूसरे प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य करना बंद कर देना चाहिए। वे भ्रम, अलगाव और संघर्ष पैदा करने के लिए हर दिन विवादित टिप्पणियां करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल कहते हैं कि द्रविड़ दलों ने राजनीति के 50 सालों के दौरान लोगों को धोखा दिया है। यह बेहद निंदनीय है। उन्हें यह बात राजभवन से नहीं, बल्कि भाजपा के प्रदेश मुख्यालय कमलालयम से कहनी चाहिए।

ऑनलाइन गेम्स बैन करने का विधेयक रोकने का आरोप : विधानसभा में डीएमके विधायकों ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने अब तक ऑनलाइन जुए पर बैन लगाने वाले विधेयक को मंजूरी नहीं दी है। राज्य में डीएमके और राज्यपाल के बीच कई विधेयकों को लेकर खींचतान चल रही है। इनमें ऑनलाइन जुए पर रोक लगाने और रमी के दांव जैसे ऑनलाइन गेम शामिल हैं। इसके चलते दिसंबर 2022 तक 21 बिल राजभवन के पास लंबित पड़े हुए थे।

जोशीमठ पहुंची केंद्र की टीम, शहर 3 हिस्सों में बांटा गया

डेंजर जोन के घर ढहाये जायेंगे बफर जोन के मकान खतरनाक

आजाद सिपाही संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के जोशीमठ में स्थिति गंभीर बनी हुई है। सोमवार शाम को इमारतों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्र की एक टीम यहां पहुंची। टीम आज ही राज्य सरकार को रिपोर्ट सौपेंगी। उधर, राज्य सरकार ने जोशीमठ को तीन जोन में बांटने का फैसला किया है। ये जोन होंगे- डेंजर, बफर और सेफ जोन। जोन के आधार पर शहर के मकानों को चिह्नित किया जायेगा। डेंजर, जोन में ऐसे मकान होंगे, जो ज्यादा जर्जर हैं और रहने लायक नहीं हैं। ऐसे मकानों को मैन्युअली गिराया जायेगा, जबकि सेफ जोन में वैसे घर होंगे जिनमे हल्की दरारें हैं और जिसके टूटने की आशंका बेहद कम है। वहीं, बफर जोन में वो मकान होंगे, जिनमें हल्की दरारें हैं, लेकिन दरारों के बढ़ने का खतरा है। बता दें कि एक्सपर्ट्स की टीम दरार वाले मकानों को गिराने की सिफारिश कर चुकी है।

जोशीमठ के मकानों पर रेड क्रॉस : जोशीमठ के सिंधी गांधीनगर और मनोहर बाग एरिया डेंजर जोन में हैं। यहां के मकानों पर रेड क्रॉस लगाये गये हैं। प्रशासन ने इन मकानों को रहने लायक नहीं बताया है। चमोली उट हिमांशु खुराना ने बताया कि जोशीमठ और आसपास के इलाकों में कंस्ट्रक्शन बैन कर दिया गया है। यहां 603 घरों में दरारें आई हैं। ज्यादातर लोग डर के चलते घर के बाहर ही रह रहे हैं। किरायेदार भी लैंड स्लाइड के डर से घर छोड़ कर चले गये हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय की टीवी चैनलों को दो-टूक, कहा

खून, शारीरिक हमलों की फुटेज-तस्वीरें दिखाना करें बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार (9 जनवरी) को सभी टेलीविजन चैनलों को एक परामर्श जारी किया है। सरकार ने कहा कि टीवी चैनल परेशान करने वाले वीडियो और तस्वीरों के प्रसारण को दिखाना बंद करें। सरकार ने टीवी चैनलों को आगाह करते हुए प्रोग्राम कोड के खिलाफ खून, शवों और शारीरिक हमले की तस्वीरों को कष्टप्रद बताया है। मंत्रालय ने टेलीविजन चैनलों द्वारा विवेक की कमी के कई मामलों पर ध्यान दिए जाने के बाद यह सलाह जारी की है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि टेलीविजन चैनलों द्वारा सोशल मीडिया से लिए जा रहे हिंसक वीडियो को बिना किसी एडिटिंग के जारी किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। मंत्रालय ने कहा कि टेलीविजन चैनलों ने व्यक्तियों के शवों और चारों ओर खून के छींटे, हिंसा सहित दुर्घटनाओं और घायल व्यक्तियों के फुटेज और तस्वीरों तक को टीवी पर दिखाया है और यह परेशान करने वाला है।

मंत्रालय ने कहा कि टीवी चैनलों के प्रोग्राम कोड के खिलाफ ब्लड, शवों और शारीरिक हमले की तस्वीरें कष्टप्रद है। एडवाइजरी में कहा गया है कि ऐसी हिंसात्मक और विचलित कर देने वाली खबरों से बच्चों के मनोविज्ञान पर विपरीत असर पड़ता है। सरकार ने इस प्रोग्रामों और प्रसारित कंटेंट की सूची उदाहरण के लिए जारी की है।

मेटा का हिस्सा बने टाटा क्लिक के पूर्व सीइओ

मेटा ने विकास पुरोहित को इंडिया में ग्लोबल बिजनेस ग्रुप का हेड बनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा ने टाटा क्लिक के पूर्व सीइओ विकास पुरोहित को इंडिया में ग्लोबल बिजनेस ग्रुप का हेड नियुक्त किया है। इस बात की जानकारी सोमवार को मेटा ने एक स्टेटमेंट जारी कर दी है। कंपनी ने स्टेटमेंट में कहा कि मेटा ने देश के लीडिंग एडवर्टाइजर्स और एजेंसी पार्टनर्स पर केंद्रित चार्टर की स्ट्रेटजी और डिलीवरी को लीड करने के लिए भारत में ग्लोबल बिजनेस ग्रुप के डायरेक्टर के रूप में विकास पुरोहित को नियुक्त किया है। पुरोहित भारत में मेटा के ऐड्स बिजनेस के डायरेक्टर और हेड अरुण श्रीनिवास को रिपोर्ट करेंगे।

यात्रियों की सुविधाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है संबलपुर मंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के अपने प्रयास के रूप में, पूर्व तट रेलवे, संबलपुर मंडल द्वारा विभिन्न पहल की गयी हैं। बलांगीर और बरगढ़ रोड स्टेशनों पर 34अतिरिक्त बेंच की व्यवस्था की गयी है, जो यात्रियों की संख्या बढ़ने पर उनके बैठने की जरूरतों को पूरा करेगी।

दिव्यांगजनों के लिए सरगीपाली स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर वाटर बूथ प्रदान किया गया है। बलांगीर और कोमाखान के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक मानक टेक्टाइल गाइड/पाथवे टू प्लेटफॉर्म प्रदान किया गया है। स्टेशन भवन के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए बारगढ़ रोड स्टेशन पर डिजिटल मल्टीप्लेक्स कंट्रोलर (डीएमएक्स) के साथ एलइडी आधारित आरजीबी (रेड, ग्रीन और ब्लू) लाइट प्रदान की गयी है। इसके अलावा बरगढ़ रोड पर अतिरिक्त पीएफ शेड उपलब्ध कराया गया है। महासमुंद, कोमाखान और लखना स्टेशनों पर परिसंचारी क्षेत्र में सुधार किया गया है। लखना और आरंग महानदी स्टेशनों में प्लेटफार्म की सतह का कंक्रीटीकरण किया गया है। पूर्व तट रेलवे, संबलपुर मंडल पूरे मंडल में यात्री सुविधाओं को और बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

study MBBS in ABROAD
RUSSIA GEORGIA POLAND EGYPT
KAZHAKASTAN UZBEKISTAN
Get Direct Admission in
Top Government Medical Universities of ABROAD.
Call Now !
UNIVERSITY FLY
+91-7903149721
www.universityfly.com

Rinku
न्यू दास म्युजिकल स्टोर्स
New Das Musical Stores
हमारे इस प्रतिष्ठान की रांची में कोई भी शाखा नहीं है।
Deals in:
YAMAHA AHUJA ESP Fender CASIO BOSS zoom Paiste TAMA Studiomaster DigiTech KORG Zildjian Roland Cort Epiphone MAPEX Gibson Ibanez stranger
Opp. Sankat Mochan Hanuman Mandi Main Road, Ranchi-1 (Jharkhand)
Phone : 0651-2201778 Mobile : 98351-64815, 72509-3303
मिलते-जलते नामों से सावधान

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • हस्त रेखा • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, अपोजिट-भूतपूर्व बारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

अविराम ए ग्रुप ऑफ इंस्टीट्युशंस
(मान्यता एवं संबद्धता रांची वि.वि., जैक, एनपीयू, पी.सी.आई., JSPC, JNRC एवं चिह्नित NCTE भुवनेश्वर उड़ीसा)
टिको, कुडू, लोहरदगा एवं हुटाप, चंदवा, लातेहार (झारखंड)
इंटर एवं स्नातक पास बालक/बालिकाएं शीघ्र प्रवेश लें एवं B.ed के अतिरिक्त अन्य में सीधे प्रवेश हेतु आवेदन करें
झारखंड स्टेट एवं रांची विश्वविद्यालय में टॉपर देने वाले संस्थान में प्रवेश का सुनहरा अवसर
ए.एन.एम A.N.M | डी.फार्मेसी D.Pharmacy | बी.एड. B.Ed. | बी.एस.सी. नर्सिंग B.Sc Nursing | डी.एल.एड D.El.Ed
FACILITIES : SCHOLARSHIP ◆ BUS & HOSTEL FACILITY ◆ CAMPUS PLACEMENT ◆ WELL EQUIPPED LAB ◆ ONLINE ADMISSION PAYMENT & ONLINE CLASS FACILITY
Coming Soon Paramedical Courses
◆ Diploma in Operation Theater ◆ DMLT ◆ Dresser
URGENT REQUIREMENT
◆ B. Sc Nursing/ M.Sc Nursing Pass
◆ D. Pharma/ B. Pharmacy Pass
◆ B.Ed & M.Ed in (Science/Literature Social Science)
Send resume within 3 days in 7782054270
संपर्क कीजिए : 7782054270, 8987470640 | www.aviramcollege.com, www.aviramcollegeofnursing.com bedcollege2011@gmail.com/aviram.gv@gmail.com

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—
Based on JCERT
Class - VIII
* Class VIII Today (Combined) ₹ 250
* Class VIII Today (English Medium) ₹ 280
* Mathematics Practical ₹ 60
* Science Practical ₹ 60
* S. Science Practical ₹ 60
* Hindi Vyakaran– I ₹ 60
* English Grammar– I ₹ 60
* Sanskrit Vyakaran– I ₹ 50
Classes VI & VII
* Class VII Today (Combined) ₹ 240
* Class VI Today (Combined) ₹ 240
* Hindi Vyakaran– I ₹ 60
* English Grammar– I ₹ 60
* Sanskrit Vyakaran– I ₹ 50
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

BAWARCHI FAMILY RESTAURANT
Please Join Us to Celebrate the opening Ceremony of our New Restaurant
Venue :
Sector-9 Near Hatia More
Bokaro Steel City (Jharkhand)
With Best Compliments From :
BAWARCHI FAMILY RESTAURANT
Mob. : 65423 66205, 76338 16941

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**